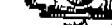




आरत का राजपत्र



The Gazette of India
प्रधानमंत्री द्वारा प्रकाशित

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १०] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 6, 1982 (फाल्गुन १५, १९०३)
No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 6, 1982 (PHALGUNA 15, 1903)

इस भाग में मिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अभय संकलन के रूप में द्वा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.)

भाग III—खण्ड १

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरी भर्त, संघ लोक सेवा आयोग, रेज विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

संधि लोक सेवा आयोग

નાટક દિલ્હી-110011, દિવાંક 2 જન્દરી 1982

सं. प्र. 32011/1/80-प्रश्ना. 111—जानिंग योजना के अधीन अनुभाव अधिकारों के पद पर नियमित होते संघ लोक एवं दो आयोग के संवर्ग में के, म. म. म. में नामित होने के परिणामस्वरूप योजना आयोग के संवर्ग में स्थायी महायक श्री वी. श्री काजला का 16 विसम्बर, 1981 पूर्वाह्न में दीर्घकालीन आधार पर अनुभाव अधिकारी के पद पर स्थानापन स्थप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

श्री दी. सी. काजला अवगत कर ले कि जब भी चयन सूची अधिकारी उपलब्ध होंगे यदि उम मस्त रिक्तियाँ उपलब्ध नहीं होंगी तो उम्हें प्रत्यावर्तित होना होगा।

विनांक 31 जनवरी 1982

मं. ए. 38013/3/81- प्रश्ना 111—मध्य लोक सेवा आयोग के क्लारिफिय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सर्वग्रंथ में स्थायी अन्तर्भाग अधिकारी तथा अवर सचिव के पद पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रबंधन के लिए उपर्युक्त विभाग के बाहर से नियुक्त होने की अनुमति दिए गए थे। इस स्थानापन्द्र विभाग से कार्यपालक ने नियुक्त भट्टाचार्य को राज्यपाल द्वारा 31-जून, 1962 तक तिन्हीं में निवारित शाय प्राप्त होने पर रखारी थीं। सेवा विभाग होने तक सहर्ष अनुभवित पदार्थ की जाती है।

म. ए 38013/4/81-प्रश्ना 111—सध लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के म. से. के अपारी सहायक तथा स्थानापन अनुभाग अधिकारी श्री विशेष्वर प्रसाद को गण्डपति दिवारा 1—186GT/81 (C)

कार्मिक विभाग के का. ज्ञा. सं. 33/12/73-स्था. (क)
 दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की घटाई के अनुसार 31 जनवरी,
 1982 के अपराह्न से निवृत्त आय होने के फलस्वरूप सरकारी
 सेवा से सेवा निवृत्त होने को सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती
 है।

म 38013/5/81-प्रश्ना. 111—संघों लोक सेवा आयोग के सर्वर्ग मन्दि के, म. म. स. के स्थायी महायक तथा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री प्रम. पी. नायर को राष्ट्रपति द्वारा कार्यविभाग के का. जा. म. 33/12/73-म्था. (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार 31 जनवरी, 1982 के अपराह्न म निर्वतन आय. होने पर, सरकारी संघों में निवात होने की स्थार्दा अनुमति प्रबाल की जाती है।

य. रा. गांधी
अवर सचिव (प्रश्ना.)
मंथ दृष्टि सेवा आदेश

गह मं
का. पर्वं प . विभाग
कन्द्री अन्वेषण व्यवस्था
इ दिल्ली, शान्ति 11 फरवरी 1982

मं. ए.-19020//, 79-प्रश्ना. -5—ग्रात्यार्थन हो जाने पर श्री आग मी भा, भारतीय १०८ सेवा (भृष्ट पद्मेश-1961), परिनग उप-महा-निराक्षक, कोन्नीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष

पंथिम स्थापना, की मेवां दिनांक 8-2-1982 के अपराह्न में सम्भव गद्दी भरनार को तापा गौपी जाती है।

म. प.-19035/3/79-प्रशासन-5—निवर्तन की आय प्राप्त कर लेने पर, श्री एस. मी दामगुप्ता, केन्द्रीय अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यारों ने दिनांक 31-1-1982 के अपग्रहन में कार्यालय अधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

म. प.-22017/1/82-पशा-5—निवर्तन की आय अन्वेषण व्यारों एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना अपने प्रसाद में श्री टी. मदर्शन गव, अपग्रह महायक को प्रोन्नति पर दिनांक 1-2-1982 से 3 मास की अवधि अधिकार नामिका बन जाने और नियमित आधार पर पद के भरने जाने तक जो भी पहले घटित हो, वे लिये केन्द्रीय अन्वेषण व्यारों में नियुक्त आपार पर कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यारों के स्थाने में दिया जाएगा।

दिनांक 12 फरवरी 1982

म. प.-31016/2/81-प्रशा.-1 (डी. पी. मी.)—केन्द्रीय सिविल सेवा (दर्शीकरण, नियंत्रण एवं अपील), नियमावली, 1965 के नियम 9(2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यारों एवं पर्लामेंट महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एनडब्ल्यूआर, श्री जमपाल सिंह को दिनांक 31-12-81 से केन्द्रीय न्याय-वैद्यक निजान प्रयोगशाला, केन्द्रीय अन्वेषण व्यारों में मूल रूप से वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 फरवरी 1982

म. प.-19028/1/78-प्रशा.-5—प्रत्यक्षर्तन हो जाने पर दिनांक 25-5-81 से 21-1-82 तक छत्तीसगढ़ लाल मसाप हो जाने पर श्री ए. ती राजारथन कार्यपालक अधिकारी/केन्द्रीय अन्वेषण व्यारों की मेवां दिनांक 4-2-1982 (पर्वत) से महानिदेशक निर्माण, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को तापमानी पौष्पी जाती है।

म. प.-19020/1/82-पशा.-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद में श्री ए. एस. बल, भारतीय पुलिस सेवा (सम्भव प्रदेश-1963) को दिनांक 8-2-1982 के अपग्रहन में केन्द्रीय अन्वेषण व्यारों, पुलिस स्थापना प्रभाग में प्रतिनिधित्वित पर पुलिस उप-महानिरीक्षक के स्थाने में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 फरवरी 1982

म. प.-19013/1/81-प्रशा.-5—श्री बजरंग लाल, भारतीय पुलिस सेवा (राजस्थान-1953), संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यारों एवं पुलिस दिशेष महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना की गंदां दिनांक 23-12-1981 के अपग्रहन से विल्ली प्रशासन को मौष्प दी गई।

हीरो ए. शहानी
प्रशासनिक अधिकारी (स्था.)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यारों

दिनांक 15 फरवरी 1982

म. प.-22020/71/80-प्रशासन-3—आश्रितिपक्ष ग्रेड "वी" के पद पर रु. 650-30-740-35-800-द. अ.-40-920-40-1040 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर प्रोन्नति हो जाने पर श्री जी. के. गहा ने दिनांक 5-2-82 (प्रवाहन) से

केन्द्रीय अन्वेषण व्यारों में भीतर बैराकिनक गहायक (श्री "वी" आश्रितिपक्ष) के पद का कार्यभार प्रहण कर दिया है।

द्वारका नाथ
पुलिस अधीक्षक (सम्भालपुर)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यारों

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

दिनांक 11 फरवरी 1982

म. ओ. दो. -1518/80-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी. डी. ओ. ग्रेड-11) डा. श्रीकान्त ज्वामी ममूह केन्द्र, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल आवडी, को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा नियमावली), 1965 के नियम 5(1) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 22-1-82 के अपग्रहन से कार्यभार मृक्त कर दिया है।

म. ओ. दो. -1592/81-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी. डी. ओ. ग्रेड-11), डा. प्रकाश चावला ममूह केन्द्र-1 केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल अजमेर को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा नियमावली), 1965 के नियम 5(1) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 1-2-82 के अपग्रहन से कार्यभार मृक्त कर दिया है।

दिनांक 11 फरवरी 1982

म. प० पी० सात-04/80-स्थापना—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के निम्नसिद्धित सुबंदरारों को उप-पुलिस अधीक्षक के पद पर सम्भायी रूप में ग्राहक आदेश जारी होने तक पदोन्नत करते हैं।

उन्होंने अपने पद का कार्यभार बटालियों में उनके समक्ष दी हुई तिथियों से सम्भाल लिया है :—

अमांक	अधिकारी का नाम	पूनिट का नाम	कार्यभार सम्भालने की तिथि
1	2	3	4
1.	श्री हरी सिंह	26 बटालियन	26-2-81
2.	श्री विजेन्द्र सिंह	"	11-3-81
3.	श्री कर्म सिंह	"	9-3-81 (अपराह्न)
4.	श्री जी० प्रेमा संग्राम	21	23-2-81
5.	श्री रत्नी राम यादव	23	14-2-81
6.	श्री भंवर सिंह	70	19-3-81
7.	श्री वीरेन्द्र सिंह	47	9-3-81
8.	श्री अमीन लाल	64	20-3-81
9.	श्री डी० ग्र० राना	64	10-3-81 (अपराह्न)
10.	श्री लेख राज सिंह	65	14-2-81
11.	श्री दया नन्द	9	18-2-81
12.	श्री गुरुचरन सिंह	28	14-2-81
13.	श्री गुलाब सिंह	42	26-2-81

1	2	3	4
14.	श्री प्रेम सिंह	65 बटालियन	18-2-81
15.	श्री सत्तार सिंह	38 "	29-3-81
16.	श्री उमराव प्रसाद यादव	मृ० के०	7-3-81
		भूवनेश्वर	
17.	श्री हरदेव सिंह	63 बटालियन	14-2-81
18.	श्री जगदीप चन्द	43 "	28-2-81
19.	श्री पी० बी० गुहण	33 "	14-2-81
20.	श्री मोहम्मद वासिम	32 "	14-2-81
21.	श्री जोगिन्द्र पाल सिंह	63 "	22-4-81
22.	श्री ओ० पी० खोला	21 "	14-2-81
23.	श्री अस्तोश मैथानी	म० के०	14-2-81
		पालि पु०	
24.	श्री कोमल सिंह	6 बटालियन	14-2-81
25.	श्री जी० सुकुमारन नायर	डायरेक्टोरेट	16-2-81
26.	श्री पूरन अच्छ	27 बटालियन	21-2-81
27.	श्री रोशन लाल	64 "	23-3-81
28.	श्री प्रेम सिंह	10 "	6-3-81
		(अपराह्न)	
29.	श्री सोना पाठक	37 "	18-2-81
30.	श्री जय और सिंह	65 "	14-2-81
31.	श्री धनी राम	स० के०	2-3-81
		(नागपुर)	(अपराह्न)
32.	श्री सोभा चन्द	10 बटालियन	14-2-81
33.	श्री वेद प्रकाश	53 "	21-2-81
34.	श्री एम० एस० मणिक	30 "	14-2-81
35.	श्री कासिम खान	62 "	14-2-81
36.	श्री छाजू राम	46 "	16-2-81
37.	श्री आर० एस० मिश्रा	44 "	18-2-81
38.	श्री यसपाल शर्मा	स० के०	14-2-81
		(नागपुर)	
39.	श्री गुरमुख सिंह	जी० सी०	14-2-81
		(अवाडी)	
40.	श्री केवल कृष्ण	5 बटालियन	14-2-81
-----	-----	ए० के० सूरी	
		सहायक निदेशक (स्थापना)	

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 फरवरी 1982

मं. 10/8/80-प्रश्ना.-।—इस कार्यालय की तारीख 6 नाइ०, 1981 की समसंबंधीक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपाल, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय के सहायक महापंजीकार (सामाजिक अध्ययन) श्री एन. जी. नाग को उसी कार्यालय में उप महापंजीकार (सामाजिक अध्ययन) के पद पर तदर्थ नियमित की अवधि तारीख 30 जून, 1982 तक

या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हों, सहर्ष और बढ़ाते हैं।

2. श्री नाग का मस्त्रानय नई दिल्ली में होंगा।

सं. 10/31/81-प्रश्ना.-।—राष्ट्रपति, भाजस्थान, जयपुर में जनगणना कार्य निदेशालय के वरिष्ठ भूगोलवेता श्री एम. पाल, कुमावत कां नहीं दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 1 फरवरी, 1982 के पूर्वाह्न से एक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हों, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा तदर्थ आधार पर अनुसंधान अधिकारी (ड्राईंग) के पद पर सहर्ष नियमित करते हैं।

2. श्री कुमावत का मस्त्रानय नई दिल्ली में होंगा।

3. श्री कुमावत की इस कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर अनुसंधान अधिकारी के पद पर नियमित भारत सरकार, वित्त मंत्रालय के तारीख 7-11-1975 के कार्यालय जापन में एफ ।(1) इ० ।।। (बी) /75 में अन्तर्विष्ट शर्तों के अधीन विनियमित होंगी।

सं. 10/4/81-प्रश्ना.-।—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर कार्यरत श्री एच. आर. घन्यानी को उसी कार्यालय में तारीख 19 जनवरी, 1982 के पूर्वाह्न से एक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हों, पदान्तरि द्वारा पूर्णतः अस्थाई रूप से तबर्थ आधार पर उप निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर सहर्ष नियमित करते हैं।

2. श्री घन्यानी का मस्त्रानय नई दिल्ली में होंगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियमित श्री घन्यानी को उप निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर नियमित नियमित के लिए कोई हक प्रदान नहीं कर गी। तदर्थ आधार पर उनकी सेवाएँ उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदान्तरि के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियमित को नियमित प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रखा किया जा सकता है।

मं. 10/5/82-प्रश्ना.-।—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में उप निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर कार्यरत श्री के. आर. उन्नी को उसी कार्यालय में तारीख 19 जनवरी, 1982 के पूर्वाह्न में एक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हों, पदान्तरि द्वारा पूर्णतः अस्थाई रूप में तदर्थ आधार पर वरिष्ठ सिस्टम एनालिस्ट के पद पर सहर्ष नियमित करते हैं।

2. श्री उन्नी का मस्त्रानय नई दिल्ली में होंगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियमित श्री उन्नी को विष्ट्रिय सिस्टम एनालिस्ट के पद पर नियमित नियमित के लिए कोई हक प्रदान नहीं कर गी। तदर्थ आधार पर उनकी सेवाएँ उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदान्तरि के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियमित को नियमित प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रखा किया जा सकता है।

मं. 10/6/82-प्रश्ना.-।—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रोग्राम)

के पद पर कार्यरत सर्वश्री आर. पी. गृष्मा और प्रधीप मंहरा को उसी कार्यालय में तारीख 19 जनवरी, 1982 के पूर्वाह्न से एक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पदांलति द्वारा पूर्ण: अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर उप निदंशक (प्रोश्राम) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. सर्वश्री गृष्मा और मंहरा का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

3. उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्तियाँ संबंधित अधिकारियों को उप निदंशक (प्रोश्राम) के पदों पर नियमित नियुक्तियों के लिए कोई हक प्रशान्त नहीं करेगी। तदर्थ आधार पर उनकी सेवाएँ उस शेष में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदांलति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्तियों को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रहक किया जा सकता है।

पी. प्रधीप
भारत के महापंजीकार

विस्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग
(दैनिकिंग प्रभाग)

पनवार्स वित्त प्रशासन एकक

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1982

मं. आर. एफ. ए. बी. /2/8/स्था./81/357—पुनर्वित्त प्रशासन एकक, कलकत्ता के शास्त्र कार्यालय अधिकारी श्री बी. बृह्म अधिदर्षित पर, 31-12-81 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गये।

श्री बी. बृह्म का उसी कार्यालय में अधीक्षक के रूप में दिनांक 1-1-82 (पूर्वाह्न) से 31-3-82 (अपराह्न) तक अथवा जब तक आर. एफ. ए. एकक बन्द हो, दोनों में से जो भी पहले हो, तब तक के लिए पुनर्नियुक्त किया जाता है।

एन. बालमृद्दुहमण्यन
प्रशासक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्दक

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1982

सं. प्रशा. 11/2606/82-1—वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दर्शाई गई तारीख के अपग्राह से पैंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया गया:—

क्रम सं.	नाम, रोस्टर सं. सहित	ग्रेड	तारीख जिससे पैंशन स्थापना को अन्तरित किया गया	संगठन
1	2	3	4	5
1. श्री एस. डी. काशीकर, पी. 0/221	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-81	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।	

1	2	3	4	5
		सर्वे श्री		
2.	रामदेव चोपड़ा, पी०/३०१	. स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-81	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना), देहरादून।
3.	एम० पी० शर्मा, पी०/४२८	. —यथोपरि—	31-10-81	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक (निध०), मेरठ।
4.	वावा बीर मिह पी०/२००	. —यथोपरि—	31-10-81	—यथोपरि—
5.	कृष्ण लाल अग्रवाल, पी०/१३५	. —यथोपरि—	31-10-81	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक), उत्तर, मेरठ—छावनी
6.	रामचन्द्र मल्होत्रा, ओ०/१६	. स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-81	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक), केन्द्रीय नागपुर।
7.	के० सी० जैन, पी०/२८	. स्थायी लेखा अधिकारी	31-7-81	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ।
8.	मांधे राम नागपाल, पी०/४९१	. —यथोपरि—	31-7-81	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान मेरठ।
9.	रणजीत सिंह, पी०/१४५	. —यथोपरि—	31-10-81	—यथोपरि—
10.	सुदेश चन्द्र गान्धी, पी०/४३३	. —यथोपरि—	31-10-81	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता।
11.	हरिधन बनर्जी, पी०/८५	. —यथोपरि—	31-10-81	—यथोपरि—
12.	राजेन्द्र नाथ मल्होत्रा, पी०/१७१	. स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-81	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता।
13.	के० तिश्वेंदत्तान, पी०/१७०	. स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-81	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ सेना), बम्बई।
14.	के० रत्नास्वामी, पी०/२८१	. —यथोपरि—	31-10-81	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक), दक्षिण, मद्रास।
15.	बी० रामचन्द्रन-III, ओ०/३५	. स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-81	—यथोपरि—
16.	एन० सुन्दरा राजन, पी०/७९	. स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-81	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।
17.	जे० वी० चम्पानीरिया, पी०/४३५	. —यथोपरि—	30-11-81	—यथोपरि—
18.	एम० जी० जगदाले, पी०/३८७	. —यथोपरि—	30-11-81	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर), पूना।
19.	एन० वी० चौधरी, पी०/१९८	. —यथोपरि—	30-11-81	—यथोपरि—
20.	आनन्द कुमार ओ०/२४४	. स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-11-81	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना), देहरादून।
1.	एस० एस० मल्होत्रा, (ओ०/अभी नियत नहीं)	. —यथोपरि—	30-11-81	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन), इलाहाबाद।
2.	वी० एस० बेहरे पी०/२४६	. स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-81	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता।
3.	शोकत अलिखां, ओ०/३६३	. स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-11-81	—यथोपरि—
4.	एस० के० भट्टाचार्जी, पी०/१०१	. स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-81	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना।
5.	एस० राम मूर्थी, पी०/८७	. —यथोपरि—	30-11-81	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ सेना), बम्बई।
१६.	जी० एस० रामचन्द्रन, पी०/४४४	. —यथोपरि—	31-12-81	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक (निधि), मेरठ।
२७.	श्याम लाल नारंग, ओ०/५२	. स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-12-81	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
२८.	ए० श्रीनिवासन, ओ०/११६	. —यथोपरि—	31-12-81	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर), पूना।
२९.	पी० आर० नागराज, ओ०/२१६	. —यथोपरि—	31-12-81	—यथोपरि—
३०.	देवराज घट्टर, पी०/१३०	. स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-81	रक्षा लेखा नियंत्रक अन्य रैक, उत्तर, मेरठ।

१	२	३	४	५
सर्व श्री				
३१. वीरेन्द्र नारायण सक्सेना, पी०/१२५	.	स्थायी लेखा अधिकारी	३१-१२-८१	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक), उत्तर, मेरठ ।
३२. राधा कृष्ण ठकुरान, पी०/२३६	.	—यथोपरि—	३१-१२-८१	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक), उत्तर, मेरठ-छावनी ।
३३. मदानन्द सरकार, पी०/२३१	.	—यथोपरि—	३१-१२-८१	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना ।
३४. जी० एल० सरकार, पी०/४११	.	—यथोपरि—	३१-१२-८१	—यथोपरि—
३५. सन्तोष कुमार मुखर्जी, पी०/५११	.	—यथोपरि—	३१-१२-८१	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता ।
३६. पी० के० मुखर्जी, पी०/१२६	.	—यथोपरि—	३१-१२-८१	—यथोपरि—
३७. बी० के० चटर्जी, ओ०/४२	.	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	३१-१२-८१	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।
३८. ओम प्रकाश जयरथ, पी०/४०१	.	स्थायी लेखा अधिकारी	३१-१२-८१	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक), केल्डीय नागपुर ।
३९. सूरज प्रकाश आनन्द, ओ०/६३	.	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	३१-७-८१	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ ।
४०. मनोहर लाल दुआ, पी०/१६८	.	स्थायी लेखा अधिकारी	३१-८-८१	—यथोपरि—
४१. प्रेम सागर गुप्ता, पी०/३२३	.	—यथोपरि—	३१-८-८१	—यथोपरि—
४२. राम देव वर्मा, पी०/३२१	.	—यथोपरि—	३१-१०-८१	—यथोपरि—
४३. पी० आर० मुखर्जी, पी०/८४	.	—यथोपरि—	३१-१०-८१	—यथोपरि—
४४. ओम प्रकाश सैनी, ओ०/३५७	.	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	३१-१२-८१	—यथोपरि—
४५. जगदीश नाथ जैन, पी०/३८५	.	स्थायी लेखा अधिकारी	३१-१२-८१	—यथोपरि—
४६. जीत सिंह, पी०/२५८	.	स्थायी लेखा अधिकारी	३१-८-८१	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू ।
४७. सुखदेव शर्मा, ओ०/२५४	.	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	३१-८-८१	—यथोपरि—
४८. सोहन लाल भसीन, पी०/३७४	.	स्थायी लेखा अधिकारी	३०-९-८१	—यथोपरि—
४९. ओम प्रकाश अग्रवाल, पी०/२१५	.	स्थायी लेखा अधिकारी	३०-११-८१	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू ।
५०. इन्द्र कुमार कपिल, पी० ५५३	.	—यथोपरि—	३१-१०-८१	—यथोपरि—

रक्षा लेखा महानियंत्रक, निम्नलिखित लेखा अधिकारी की मृत्यु खेद के साथ अधिसूचित करते हैं—

क्रम सं०	नाम, रोस्टर संख्या	ग्रेड	मृत्यु की तारीख	विभाग के संख्याबल से हटने की तारीख	संगठन	
1.	श्री ए० श्रीरामन, (ओ०/३४७)	३	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	३१-१०-८१	५ (पुर्वाह्नि)	६ रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान, पूर्णा

ए० के०घोष,
रक्षा लेखा उप महानियंत्रक,
(परियोजना)

राजा संघोनग

भारतीय आर्डिनेन्स फैक्टरीरया संवा

आर्डिनेन्स फैक्टरी बॉडि

कलकत्ता-16, दिनांक 6 फरवरी 1982

म. 5/82/जी—श्री पी. आर. गाव, (भारीलिक एवं स्थायी डी. डी. औ. औ. एफ./महाप्रबन्धक (सेलेक्शन ग्रेड) दिनांक 1-1-81 (पूर्वाह्न) से नेशनल इन्स्ट्रुमेंट्स लिमिटेड, कलकत्ता में स्थायी रूप में समावेश के फलस्वरूप उसी तारीख से संवा नियंत्रित हो।

दिनांक 8 फरवरी, 1982

म. 6/जी/82—राष्ट्रपति महादेव निम्नलिखित अफसरों को अस्थायी महायक प्रबन्धक के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीखों से आगामी आदेश न होने तक नियंत्रित करने हैं।

क्रम सं.	नाम	प्रदेश तिथि
1.	श्री सी बी वदगांवकर	8-6-1981
2.	एम चेगानेवरगायण	29-11-1981

दिनांक 9 फरवरी 1982

म. 7/जी/82—वार्षिक नियूलित आय (58 वर्ष) प्राप्तकर, श्री एच. पी. साहा, स्थानापन सहायक प्रबन्धक/भारीलिक एवं स्थायी कार्यसेवा दिनांक 31-10-81 (अपग्रहन) से संवा नियंत्रित हो।

वी. के. मंहेता
महायक महानिदेशक, आर्डिनेन्स फैक्टरी

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयकृत (लघु उद्योग) को कार्यालय

नंदा दिल्ली-110011, दिनांक 6 फरवरी 1982

म. ए-19018/569/81-प्रशासन (राजपत्रित)—भारतीय अर्थ संवा के ग्रेड-3 अधिकारी एवं महानिदेशक, वाणिज्यिक आमूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशक श्री एस. आर. मंगलपूर की पदान्तरित होने पर उन्होंने दिनांक 28 अक्टूबर 1981 (पूर्वाह्न) से विकास आयकृत (लघु उद्योग), नंदा दिल्ली के कार्यालय में दिनांक, इंड-2 (आर्थिक अन्वेषण) के पद का कार्यभार मंभाल लिया।

दिनांक 11 फरवरी 1982

म. ए-19018/287/77-प्रशासन (राजपत्रित)—विहार गज्य भौषज दैज़ानिक (फार्मस्टाटिकल) एवं ग्रामायनिक विकास निगम लिमिटेड, पटना में सहायक प्रबन्धक के पद पर नियंत्रित होने पर श्रीमती मनोजा कमार ने दिनांक 13 जनवरी, 1982 (अपग्रहन) से विकास आयकृत (लघु उद्योग), नंदा दिल्ली के कार्यालय में सहायक नियूलित ग्रेड-1 (ग्रामायन) पद का कार्यभार हांडे दिया।

मी. मी. गाय
उप निवेशक (प्रशा.)

राज्यालय और सान् मंत्रालय

(सान् विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 6 फरवरी 1982

सं. 1125बी/ए-32013(ए.आ.)/78-80/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित अधीक्षकों को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रु. के वेतनमात्र में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदान्तरित पर नियंत्रित किया जा रहा है:—

क. म., नाम और नियकित तिथि

1. श्री एन. के. पासिन—17-12-1981 (पूर्वाह्न)
2. श्री अमलेन्द्र चट्टर्जी—31-12-1981 (पूर्वाह्न)

दिनांक 8 फरवरी 1982

म. 1150बी/ए-19012 (1-एम जी)/80/19ए—श्रीमती सिंखा धोष (विवाह पूर्व-मंडल) को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु. प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रु. के वेतनमात्र में, स्थानापन क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 16 दिसम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से नियंत्रित किया जा रहा है।

जे. स्वामी नाथ
महा निदेशक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 जनवरी 1982

सं. एफ. 11/9/80 (ए-स्थापना)—अभिलेख निदेशक, भारत सरकार एवं द्वारा श्री वी. एन. कोहली, महायक अभिलेखाधिकारी ग्रेड-1 (सामान्य एवं स्थानापन अभिलेखाधिकारी (सामान्य) को तदर्थ आधार पर अभिलेखाधिकारी (सामान्य) के रूप में नियमित अस्थायी आधार पर 1 जनवरी 1982 (पूर्वाह्न) में आगामी आदेशों तक नियंत्रित करते हैं।

वी. आर. शर्मा
प्रशासन अधिकारी
कृत अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी: महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1982

म. 4(33)/81-एम-1—महानिदेशालय आकाशवाणी श्रीमती एस. एस. विजया, कनिष्ठ उद्घोषक, आकाशवाणी संस्कर को 28 जनवरी, 1982 से अगले आदेश तक आकाशवाणी गतवर्ग में अस्थायी रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियंत्रित करते हैं।

म. 4(36)/81-एम-1—महानिदेशालय, आकाशवाणी, श्री आर. मथम्बद्धमण्डन कार्यक्रम उद्घोषक, विजया प्रशासन संवा, आकाशवाणी, मद्रास को 27 जनवरी, 1982 से अगले आदेश तक, आकाशवाणी, तिरुनेलवेली में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियंत्रित करते हैं।

सं. 4(25)/81-एम-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, पूर्व-कृष्ण चन्द्र दब्बं, गहायक सम्पादक, रोडियो कल्पीर, जम्मू को 18 जनवरी, 1982 से उगले आदेश तक, आकाशवाणी, राहतक में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियक्त करते हैं।

सं. 4(45)/81-एम-1—महानिदेशक आकाशवाणी एन्ट्रॉ-इवारा श्रीमती मीरा पहुंचा प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, नई दिल्ली को 15 दिसम्बर, 1981 की अपराह्न में उगले आदेश तक आकाशवाणी नई दिल्ली में कार्यक्रम निष्पादक के रूप में अस्थाई क्षमता में नियक्त करते हैं।

दिनांक 12 फरवरी 1982

सं. 5(30)/68-एम-1—महानिदेशक आकाशवाणी श्री वी. के. घोष प्रसारण निष्पादक, विज्ञापन प्रभारण सेवा आकाशवाणी कलकत्ता को 16 जनवरी, 1982 से उगले आदेश तक आकाशवाणी सिलीगढ़ी में अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियक्त करते हैं।

दिनांक 16 फरवरी 1982

सं. 10/6/78-एम-3—श्री अरनं कमार सहायक इजी-नियर, आकाशवाणी दरबंगा के, सिविल विमानन विभाग में वै-मानिक संचार संचालन में तकनीकी अधिकारी के पद पर चयन होने पर, 27-1-82 (अपराह्न) से आकाशवाणी में उनके कार्यभार में मत्रत किया जाता है।

हरीशचन्द्र जयाल
प्रशासन उपनिदेशक (कार्यक्रम)
कृत महानिदेशालय

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 9 फरवरी 1982

सं. 13-18174 प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने 31-1-1981 के अपराह्न से सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली के दन्त चिकित्सक डा. नरेंद्र कमार की संवायें समाप्त कर दी हैं।

टी. मी. जैन
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1982

सं. ए-19018/17/80-सी. जी. एच. एस.-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा. आर्ड. एम. मर्लेट को 24 दिसम्बर, 1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना पर्यामें में होम्योपैथिक चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियक्त किया है।

सं. ए-19018/25/80-सी. जी. एच. एस.-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा. एस. लिंगडे को 1 दिसम्बर, 1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अधीन होम्योपैथिक चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियक्त किया है।

सं. ए-19019/30/80-सी. जी. एच. एस.-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा. (श्रीमती) संध्या गय को 2-3-1981 के पर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अन्तर्गत होम्योपैथिक चिकित्सक के पद पर तदर्थ आधार पर नियक्त किया है।

सं. ए-19018/22/81-के. स. स्वा. यो.-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा. गुरु प्रसाद भार का 7 दिसम्बर, 1981

(पूर्वाह्न) भे आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई में होम्योपैथिक चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियक्त किया है।

टी. एस. राव
उप निदेशक प्रशासन
(सी. जी. एच. एस.)

ग्रामीण पुनर्निर्माण मन्त्रालय

विषयन एवं नियक्ति निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 18 जनवरी, 1982

सं. ए० 19025/56/81-प्र० त०:—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार निम्नलिखित व्यक्ति, उनके नाम के सामने लिखी तारीख से इस निदेशालय में स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किए गए हैं।

1. श्री के० पी० उपाध्याय	26-11-81 (पूर्वाह्न)
2. श्री प्रदीप व्यास	26-11-81 (पूर्वाह्न)
3. श्री एम० पी० रेडी	30-11-81
4. श्री सी० अनजनेयल	1-12-81 (पूर्वाह्न)
5. श्री के० मुकुमारत अचारी	1-12-81 (पूर्वाह्न)

सं. ए० 19025/70/81-प्र० त०:—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार निम्नलिखित व्यक्ति इस निदेशालय के अधीन नागपुर में, उनके नाम के सामने लिखी तारीख से स्थानापन्न, सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग J) के पद पर नियुक्त किए गए हैं:—

1. श्री मृणाल कुमार दिवेदी	19-12-81 (पूर्वाह्न)
2. श्री नलपति श्रीरामलू	21-12-81 (पूर्वाह्न)
3. श्री गुडिपति विद्यासागर	21-12-81 (पूर्वाह्न)
4. श्री दिल प्रकाश	21-12-81 (पूर्वाह्न)
5. श्री गणिराजू राम मोहन राजू	21-12-81 (पूर्वाह्न)
6. श्री नन्दलाल राम	28-12-81 (पूर्वाह्न)

वी० एल० मनिहार,
निदेशक प्रशासन,
कृति विषयन मन्त्रालय

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 10 फरवरी 1982

सं. पी०/73(1) 80-आर-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र डा. छवाली प्रकाश को भा. प. अ. केन्द्र चिकित्सा प्रभाग में आवास चिकित्सा अधिकारी के पद पर फरवरी 5, 1982 (पूर्वाह्न) से अग्रिम आदेशों तक अस्थायी रूप नियक्त किया है।

ए. शांताकुमारा मने
उप स्थापना अधिक

परमाणु उत्तर्ज्ञ विभाग
रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र
कलपाक्षकम्, दिनांक 29 जनवरी 1982

सं. आर. आर. सी/पी एफ/3688/82/1290—
रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के निदेशक ने श्री चिन्नापन नन्दगोपाल को 18 जनवरी, 1982 के पूर्वीहन में अगला आदेश होने तक के लिए रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र में रु. 650-30-740-35-810-द. रु. -880-40-1000-द. रु. -40-1200 के बंतवान में वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी भेड़ 'एस बी' के पद पर अस्थायी रूप से नियूक्त किया है।

मं. आर. आर. सी./ए/32023/1/77/आर-1291—
रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के निदेशक ने रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के स्थायी आशालिपिक तथा स्थानापन आशालिपिक ग्रेड-1।।। श्री मुख्या कृष्णमूर्ति को 8-1-82 से 23-2-82 तक की अवधि के लिए उसी केन्द्र में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियूक्त किया है। यह नियूक्ति सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री आर. रघुनाथन के स्थान पर की गई है, जो नई दिल्ली स्थित हस्टीट्यूट आफ सेक्रेटेरिएट ट्रैनिंग एंड मैनेजमेंट में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

एस. पद्मनाभन
प्रशासनिक अधिकारी

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 16 फरवरी, 1982

सं. ए० 38019/1/77-इ० (1):—भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित अधिकारी, अपने नामों के सामने दी गई नारीख को वार्धक्य आयु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

क्र०	नाम	पदनाम	दिनांक
सं०			जिसको अधिकारी ने निवृत्त आयु प्राप्त की

1	2	3	4
1.	श्री के० डी० टनपे	सहायक मौसम विज्ञानी	31-8-81 (अपराह्न)
2.	श्री एस० एम० रुद्रा	सहायक मौसम विज्ञानी	31-8-81 (अपराह्न)
3.	श्री टी० जी० चंग्रानी	सहायक मौसम विज्ञानी	30-9-81 (अपराह्न)
4.	श्री एन० एम० मुन्द्रम	सहायक मौसम विज्ञानी	30-9-81 (अपराह्न)
5.	श्री जे० जे० मसिलमानी	सहायक मौसम विज्ञानी	30-9-81 (अपराह्न)

1	2	3	4
6.	श्री एस० वेन्कटरमणी	सहायक मौसम विज्ञानी	30-9-81 (अपराह्न)
7.	श्री हरबंस सिंह	सहायक मौसम विज्ञानी	30-9-81 (अपराह्न)
8.	श्री आर० एम० जोशी	सहायक मौसम विज्ञानी	31-10-81 (अपराह्न)
9.	श्री टी० एम० सम्भासुरी	सहायक मौसम विज्ञानी	30-11-81 (अपराह्न)
10.	श्री पी० मानीकम	सहायक मौसम विज्ञानी	30-11-81 (अपराह्न)
11.	श्री एन० आर० वेढनप	सहायक मौसम विज्ञानी	30-11-81 (अपराह्न)
12.	श्री बी० ए० कल्याणकर	सहायक मौसम विज्ञानी	31-12-81 (अपराह्न)
13.	श्री ए० के० नन्दी	सहायक मौसम विज्ञानी	31-12-81 (अपराह्न)
14.	श्री बी० नागर	सहायक मौसम विज्ञानी	31-12-81 (अपराह्न)
15.	श्री के० एस० कृष्णास्वामी	सहायक मौसम विज्ञानी	31-12-81 (अपराह्न)
16.	श्री एम० एल० वडेहरा	सहायक मौसम विज्ञानी	31-1-82 (अपराह्न)
17.	श्री वाई० के० जोगलेकर	सहायक मौसम विज्ञानी	31-1-82 (अपराह्न)
18.	श्री एस० एन० सक्सेना	सहायक मौसम विज्ञानी	31-1-82 (अपराह्न)
19.	श्री एस० गोविन्दराजन	सहायक मौसम विज्ञानी	31-1-82 (अपराह्न)
20.	श्री बी० टी० चंद्रबर्ती	सहायक मौसम विज्ञानी	31-1-82 (अपराह्न)

सं. ए-38019/1/77-इ०-(1)—भारत मौसम विज्ञान विभाग के श्री ए. आर. रामकृष्णन, निदेशक, दिनांक 31-8-81 को वार्धक्य आयु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

के. मुख्यी
मौसम विज्ञानी

कृत मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1982

सं. ए-इ० 2013/16/81-इ०-1—राष्ट्रपति ने श्री आर. नरसिंहमन, वैटेरेष्ट वैज्ञानिक अधिकारी को (दिनांक 30-1-82 से 29-7-82 तक) छ: मास की अवधि के लिए अध्या ग्रेड में नियमित नियूक्त होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, उप-

निदेशक (अनुसंधान और विकास) के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

मध्याकरण
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी, 1982

सं. ए० 32013/2/80-ई० सी०.—इस विभाग की दिनांक 8/9 अप्रैल, 1981 की अधिसूचना सं. ए०-32013/2/80-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों की तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति दिनांक 31-5-81 के बाद छः मास की अवधि के लिए अधिकारी ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हों, जारी रखने की मंजूरी दी गई है:—

क्रम	नाम	तैनाती स्टेशन
सं०		3

सर्वं श्री :

1. एच० एस० गाहने	वैमानिक संचार स्टेशन, लखनऊ।
2. डी० एस० गिल	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।
3. एस० के० दास	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।

सं. ए०-32013/2/81-ई० सी०.—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की अवधि के लिए उप निदेशक/नियुक्ति संचार के ग्रेड में नियुक्त किया है और उसी कार्यालय में तैनात किया है:—

क्रम	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तारीख
सं०				
सर्वं श्री				
1. वाई० पी० भाटिया	.	लखनऊ	वै० सं० स्टेशन, पालम	22-1-1982 (पूर्वाह्न)
2. आई० एम० कुण्डन	.	मदुरै	वै० सं० स्टेशन, तिवेन्द्रम	18-1-1982 (पूर्वाह्न)
3. एन० एस० आष्टे	.	जबलपुर	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	22-1-1982 (पूर्वाह्न)
4. पी० के० सेन गुप्ता	.	सिल्चर	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	7-1-1982 (पूर्वाह्न)

प्रेम चन्द,

सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक नवम्बर 1981

सं. 1/32/81-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा स्विचन समूह, बम्बई के तकनीकी सहायक, श्री ए० नम्धीरी को नियमित आधार पर 1 दिसम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक बम्बई शास्त्री में म्थाना-पन्न रूप से महायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 नवम्बर 1982

सं. 1/496/81-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मूल्य कार्यालय के परियात लेखाकार, श्री टी. एस.

1	2	3
4. पी० वी० मुश्ताष्यमम	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	
5. एम० राजारमन	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	
6. एम० वी० दर्म	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	
7. एन० एम० मिद्दु	केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो	
	नई दिल्ली।	
8. एम० आर० पदमनाथन	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद।	
9. एस० रामास्वामी	वैमानिक संचार स्टेशन, पोर्ट-ब्लेयर।	
10. पी० ए० शास्त्री	वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता।	
11. के० वी० नन्दा	वैमानिक संचार स्टेशन, श्रीनगर।	
12. एल० आर० गोयल	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।	
13. एच० एस० बाजवा	वैमानिक संचार स्टेशन, जयपुर।	
14. आर० जी० राव	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।	
15. एच० एस० ग्रेवाल	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।	

दिनांक 9 फरवरी 1982

सं. ए. 32013/5/80-ई० सी०.—राष्ट्रपति ने महानिदेशक नागर विमानन मूल्यालय के श्री आर० एस० गहलोत, सहायक निदेशक संचार को दिनांक 27-1-1982 (पूर्वाह्न) से छः मास की अवधि के लिए उप निदेशक/नियुक्ति संचार के ग्रेड में नियुक्त किया है और उसी कार्यालय में तैनात किया है।

क्रम	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तारीख
सं०				
सर्वं श्री				
1. वाई० पी० भाटिया	.	लखनऊ	वै० सं० स्टेशन, पालम	22-1-1982 (पूर्वाह्न)
2. आई० एम० कुण्डन	.	मदुरै	वै० सं० स्टेशन, तिवेन्द्रम	18-1-1982 (पूर्वाह्न)
3. एन० एस० आष्टे	.	जबलपुर	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	22-1-1982 (पूर्वाह्न)
4. पी० के० सेन गुप्ता	.	सिल्चर	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	7-1-1982 (पूर्वाह्न)

प्रेम चन्द,
सहायक निदेशक प्रशासन

एन० मूर्ति को अल्पकालीन खाली जगह पर 19-10-81 से 5-12-81 तक की अवधि के लिए उसी कार्यालय में एकदम तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में परियात लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 दिसम्बर 1981

सं. 1/194/81-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा स्विचन समूह के तकनीकी सहायक, श्री ए० वी० सिल नियमित आधार पर 1 दिसम्बर 1981 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्विचन समूह, बम्बई में स्थानापन्न रूप में महायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 दिसंबर 1981

मं. 1/45/81-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा स्वचन समूह, बम्बई के तकनीकी सहायक, श्री एन. एम. मकवाना को नियमित आधार पर 1 दिसंबर, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 जनवरी 1982

मं. 1/27/81-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के तकनीकी सहायक, श्री एस. के. गुप्ता को नियमित आधार पर 1 दिसंबर, 1981 पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक स्वचन समूह, बम्बई में स्थानापन्न रूप में सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

मं. 1/73/81-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के तकनीकी सहायक, श्री एस. एस. मलिक को नियमित आधार पर 1 दिसंबर, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वचन समूह, बम्बई में स्थानापन्न रूप में सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 फरवरी 1982

मं. 1/11/81-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा स्वचन समूह, बम्बई के तकनीकी महायक, श्री आर. के. मास्टे को नियमित आधार पर 1 दिसंबर 1981 के पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप में सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

पा. कि. गोविन्द नायर
निदेशक (प्रशा.)
कृते महानिदेशक

बम्बई, दिनांक जनवरी 1982

मं. 1/357/81-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा स्वचन समूह, बम्बई के तकनीकी सहायक, श्री वी. वी. वरदन को 4 मर्च, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक मर्यादा कार्यालय में स्थानापन्न रूप में सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

मं. 1/335/81-स्था.—बम्बई शाखा के उप परियात प्रबन्धक, श्री एफ. पी. डी. सोफा निवर्तन की आयु के हां जाने पर 31 जनवरी, 1982 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

दिनांक 23 जनवरी 1982

मं. 1/109/81-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा अ. एस. ई. एस., लच्छीवाला, देहरादून शाखा के तकनीकी सहायक, श्री जी. आर. गोगीया को नियमित आधार पर 15 दिसंबर, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक नई दिल्ली शाखा में स्थानापन्न रूप में सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

मं. 1/497/81-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के तकनीकी सहायक, श्री फ्रांसीस थामस को नियमित आधार पर 1 दिसंबर 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 फरवरी 1982

मं. 1/5/81-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा स्वचन समूह, बम्बई के तकनीकी सहायक, श्री एस.

के. आर्य को नियमित आधार पर 1 दिसंबर, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 फरवरी 1982

मं. 1/257/81-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक, श्री जी. सी. डीलिमा को बिल्कुल तदर्थ आधार पर अत्यकालिक रिक्ति पर 2-5-81 में 18-8-81 तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

मं. 1/84/82-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा कलकत्ता के पर्यवेक्षक, श्री एस. तिकौं को बिल्कुल तदर्थ आधार पर अन्यकालीन रिक्ति पर 26-10-81 में 10-11-81 की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

मं. 1/459/82-स्था.—स्वचन समूह, बम्बई के स्थानापन्न महायक अभियंता, श्री एस. जयराज को 23 जनवरी, 1982 अपराह्न से अपनी नियुक्ति से त्यागपत्र देने की अनुमति दी गयी है।

मं. 1/498-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा आवीं शाखा के तकनीकी सहायक, श्री डी. अष्टोकर को नियमित आधार पर 1 दिसंबर, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

मं. 1/499/81-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई के पर्यवेक्षक, श्री जे. डी. कोतेकर को बिल्कुल तदर्थ आधार पर अत्यकालीन रिक्ति पर नीचे दी गई अवधियों के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं :—

1. 12-10-81 से 14-11-81

2. 16-11-81 से 31-12-81

मं. 1/501/82-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा कलकत्ता के तकनीकी सहायक, श्री मातल मधुसुदन को नियमित आधार पर, 29-12-81 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अ. उ. भू. के., लच्छीवाला, देहरादून शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

मं. 1/502/82-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के तकनीकी सहायक, श्री गण प्रकाश को नियमित आधार पर 19 दिसंबर, 1981 के पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक अ. एस. ई. एस., लच्छीवाला, देहरादून शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

मं. 1/503/82-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा आवीं के तकनीकी सहायक, श्री के. पी. वर्मा को नियमित आधार पर 1-12-81 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

मं. 1/508/81-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली के तकनीकी सहायक, श्री जी. पाम. छटवाल को नियमित आधार पर 24-12-81 के पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक अ. उ. भू. के. लच्छीवाला, देहरादून शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 फरवरी 1982

सं. 1/125/82--स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एत्यवृत्तारा नई दिल्ली के पर्यवेक्षक, श्री एच. जी. कनकाचलम को बिलकुल तदर्थ आधार पर अल्पकालीन रिक्त पर

1-9-81 से 24-9-81 तक की अधिक के लिए उसी शास्त्रामध्यानपत्र रूप में उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

एच. प्ल. मलहौशी
उप निदेशक (प्रश्ना.)
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहतालिय,

बम्बई-1, दिनांक 16 फरवरी 1982

सं. एम. टी. 2/80-81:—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 232-ए० के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों के प्रयोग में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा लक्षण अधिनियम, 1944 की धारा-9 के आधीन न्यायालय द्वारा दोषी पाये गये व्यक्तियों, और अधिनियम की धारा-33 में संदर्भित अधिकारी द्वारा रु० 10,000/- या इससे अधिक की राशि के लिए दण्डित व्यक्तियों, के नाम व पते उपनियम-2 में उल्लिखित अन्य विवरणों सहित निम्न प्रकार से प्रकाशित किये जाते हैं—

I. न्यायालय के मामले

क्र०	व्यक्ति का नाम	पता	अधिनियम के किन प्रावधानों का उल्लंघन किया गया	दण्ड राशि
सं०		पता		
1	2	3	4	5
1.	श्री काकुभाई कल्यानजी मरेया, पोप्राइटर, ममसे मरेया इंजीनियरिंग कम्पनी	159/3, कावले काम सेन, नम्बर-6, बम्बई-2.	(क) धारा-9(1)(क) (ख) धारा-9(1)(ख) (ग) धारा-9(1)(ख) (ख) (घ) धारा-9(1)(ख ख ख) के साथ पठित धारा-9(i) (ii) के अन्तर्गत	(क) रु० 100/- दंड न भरने पर 7 दिन का साधारण कारबास। (ख) रु० 100/- दंड न भरने पर 1 मास का साधारण कारबास। (ग) रु० 100/- दंड न भरने पर 1 मास का साधारण कारबास। (घ) रु० 100/- दंड न भरने पर 1 मास का साधारण कारबास

II. विभागीय न्याय-निर्णयन

क्र०	व्यक्ति का नाम	पता	अधिनियम के प्रावधान या उसके अन्तर्गत बने नियमों का उल्लंघन किया किया गया।	दण्ड-राशि	धारा-33 के अंतर्गत अधिनियम की धारा- न्यायनिर्णय शुल्केय 34 के आधीन जब्ती के माल का मूल्य, जो के स्थान पर अर्थ-दंड जब्त किया जाना की राशि।
सं०					
1	2	3	4	5	6

गृह्ण

कु० श्री दिलीपसिंहजी,
समाहृता,
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क,
बम्बई-1

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय,
सीमा शूलक व केन्द्रीय उत्पादन शूलक
नई दिल्ली-1, दिनांक 11 फरवरी 1982

म. 2/82—श्री मोहतोष चटजीर्णे ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शूलक नई दिल्ली में मूल्य निर्धारक के पद कार्य कर रहे थे, निरीक्षण एवं नेता परीक्षा निदेशालय, सीमा शूलक एवं केन्द्रीय उत्पादन शूलक, नयी दिल्ली में “सीमा शूलक एवं केन्द्रीय उत्पादन शूलक और स्वर्ण नियंत्रण” के लिए अपीलीय न्यायाधिकरण की दिल्ली स्थित न्यायालय में दिनांक 13-1-82 को (अपराह्न) कर्तिष्ठ विभागीय प्रतिनिधि ग्रुप ‘बी’ के पद का कार्यभार संभाल लिया।

म. 3/82—श्री रमेश्वर सिंह ने, जो पहले मैरेन्टमें ग्रुप ‘बी’ अधिकारक केन्द्रीय उत्पादन शूलक के पद पर कार्यरत थे, निदेशालय के दिनांक 10-12-81 के पश्च फा. म. 1041/2/81 के अनुसार निदेशालय के नयी दिल्ली स्थित मूल्यालय में दिनांक 1-2-82 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी ग्रुप ‘बी’ का कार्यभार संभाल लिया।

एम. बी. मरकार
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण
नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1982

म. 22/1/81/22/4/81-प्रशासन-1 (बी)—अध्यथा,
केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण एन्टद्वारा, श्री मांग राम, तकनीकी

सहायक को केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरों (ग्रुप बी) सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के प्रेष्ठ मं 13 जनवरी, 1982 पूर्वाह्न से स्थानापन्न क्षमता में, आगामी बादेश हाँने तक, नियुक्त करते हैं।

मन्तोष विश्वास
अवर सचिव

विधि, स्थाय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इमाम प्रोप्रेटीज प्रॅछ फेब्रुरीकेटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 10 फरवरी 1982

म. (1226) 560/78-79/4641—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर इमाम प्रोप्रेटीज प्रॅछ फेब्रुरीकेटर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ए. वहाब अन्नाराम
कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार

आयकर आयुक्त का कार्यालय

कोचीन-682016, दिनांक 27 जनवरी 1982

आदेश

विषय:—मंस्थापना—आयकर अधिकारी—श्रेणी ‘बी’—पदोन्नतियां और नियुक्तियों का आदेश जारी करना।

मी० सं० 2/एस्ट/कोण/81-82—निम्नलिखित पदोन्नतियां और नियुक्तियों का आदेश एन्टद्वारा दिया जाता है:—

1. श्री के० एस० विजयन, आयकर निरीक्षक, आयकर कार्यालय, एरणाकुलम, को तारीख 1-2-1982 के पूर्वाह्न से या उनके कार्यभार लेने की तारीख से, जो बाद में आता है और आगामी आदेशों तक रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के बेतनमान में आयकर अधिकारी, श्रेणी-बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए एन्टद्वारा नियुक्त किया जाता है। वे दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षा पर होंगे। उपर्युक्त पदों की नियुक्ति बिलकुल अस्थायी और सामयिक है, जो किसी मूल्यना के बिना समाप्त करने लायक है।

2. स्थानान्तरण और नियुक्तियां

क्रम सं०	नाम	से	पर	अभ्युक्तियां
1	2	3	4	5
1.	श्री एच० सुब्रद्ध राम	आयकर अधिकारी, ए०-वार्ड, सर्वे सर्किल एरणाकुलम।	आयकर अधिकारी, बी०-वार्ड, एरणाकुलम।	(31-1-1982 को सेवानिवृत्त होने वाले श्री टी० टी० जोसफ के स्थान पर)।

1	2	3	4	5
2.	श्री एम० गोपालकुरुप	आयकर अधिकारी, बी०-वार्ड, सर्वे संकिल, एरणाकुलम ।	आयकर अधिकारी, ए०-वार्ड, सर्वे संकिल, एरणाकुलम ।	स्थानान्तरण किए गए श्री एच० सुद्ध गवृ के स्थान पर।
3.	श्री के० एस० विजयन	आयकर निरीक्षक, (आयकर अधिकारी, श्रेणी-बी० के रूप में पदोन्नति पर)	आयकर अधिकारी, बी०-वार्ड, सर्वे संकिल, एरणाकुलम	स्थानान्तरण किए गए श्री एम० गोपालकुरुप के स्थान पर।

श्री के० एस० विजयन के कार्यभार से मुक्त करने तक श्री गोपालकुरुप, बी०-वार्ड, सर्वे संकिल, एरणाकुलम का कार्यभार अतिरिक्त रूप से संभालेंगे।

एम० एस० उष्णनाथर
आयकर आयुक्त

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, पटना

पटना, दिनांक 15 जनवरी 1982

निवेदित सं. 111 539/अर्जन/81-82—अतः मझे, हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. होल्डिंग सं. 31 खाता सं. 31 लंबरा सं. 26, पार्ट पूराना खाता सं. 13, बेसरग सं. 731क 731ब तथा 732 पार्ट वार्ड नं. 28 है तथा जो मुहल्ला मूसाईचक उर्फ़ चमरुपुर, मुजफरपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-6-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य में कमी करने या उसमें बचने में मूलिका के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों को जिहे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, जिपाते में स्विधा के लिए;

बत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :

(1) श्रीमती अनुरागवती वैदी जीज़ श्री जगरनाथ प्रसाद गृहा, मुहल्ला मूसाईचक उर्फ़ चमरुपुर, थाना काजी मोहम्मदपुर, जिला मुजफरपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री राधा कृष्ण सिंह पुन्न स्वर्गीय हृदय नारायण सिंह ग्राम छपरा गोविन्द उर्फ़ गोविन्दपुर छपरा, वर्तमान पता :— मुहल्ला गन्तीपुर अन्तरित मुजफरपुर, थाना काजी मोहम्मदपुर, जिला मुजफरपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रक्खा 3 कट्ठा 9 धुर के करीब मकान के साथ है जो मुहल्ला मूसाईचक उर्फ़ चमरुपुर, शहर मुजफरपुर, थाना काजी मोहम्मदपुर, जिला मुजफरपुर में स्थित है तथा जो पूर्ण-रूप से वासिका भूम्या 8962 दिनांक 10-6-81 में वर्णित है एवं जिसका निवन्धन जिला अवर निवन्धक पदाधिकारी मुजफरपुर द्वारा सम्पन्न हआ है।

हृदय नारायण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, पटना

तारीख : 15-1-1982
मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एम.-----

(1) श्री गोपी।

(अन्तरक)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी.एन.वेलाम्भन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कोर्टीन-16

कोर्टीन-16, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निदेश सं. पल. सी. 543/81-82—अतः मुक्ते, टी.
जेड. माणी,जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है तथा जो कौपाटर केरा
में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से
दर्शित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय भलनुरुदी,
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 5-9-1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आधोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधेहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हैर्स किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची2 Acres of Land in Sy. No. 416/1 of Azhakather Desem,
Kaippattar karn, Kanayannoor taluk.

टी. जेड. माणी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पर्णाकुलम

तारीख : 8-12-1981
मोहर :अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्थस्तः :—

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, कोर्चीन-16

कोर्चीन-16, दिनांक 8 दिसंबर 1981

निवेश सं. एल. सी. 542/81-82—अतः सभ्मि, टी.
जेड. माणी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सकारात्मक प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इपए से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, तथा जो
मैं स्थित हूँ (और इससे उपाबृध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय,
कोर्चीन से भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन. तारीख 4-6-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से ज्यादा के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उत्तर से उक्त 'अन्तरण'
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत सबत
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें पारनीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
3-486GI/81

(1) सपर मी फूड के लिए ए. जेड. मार्ट्थ।

(अन्तरक)

(2) श्री कोयाम रफ्फेमन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
सायंवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घासेन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या लक्ष्यस्थली व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

72 cents of land and building in Sy. No. 1033/1, 1034/2,
1033/3 and 1034/1 as per document No. 2355 dt. 4-6-81
registered at sub Registry office Cochin. The properties are
situate at Palluruthy Vadakum Muni, Rameswaram Village,
Cochin Taluk.

टी. जेड. माणी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, पुरणाकुलम

तारीख : 8-12-1981
मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—।—

ग्रामकर घटिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 दिसंबर 1981

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1099—उत्त: मुझे, एम. एल. औहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 309 है तथा जो जीधपुर में स्थित
है, (और इससे उपजब्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जीधपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
24-7-1981

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिफल के अन्वह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित
नहीं किया गया है।—।—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दाश प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
मुविधा के लिए;

उत्त: अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-व (1) के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की आरा 269-व (1) की सचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्याप्तियों, अर्थात्:—।—

(1) श्री रूपा राम पुत्र अमोलक सुधार एवं बाना राम पुत्र
प्रह्लाद राम जाँगड, शास्त्री नगर, जीधपुर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती हंजी बाई पत्नी श्री थावरदास एवं महेश
कुमार पुत्र थावरदास धनकानी सिंधी, निवासी प्लाट
नं. 309, शास्त्री नगर, जीधपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—।—

(क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
गम्य व्यक्ति हारा, अधोदसाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 ह में परिभाषित है,
वही ग्रन्थ दोगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 309, सैक्सन-4, सैक्टर ए, शास्त्री नगर,
जीधपुर की मकान सम्पत्ति का भाग, जो उप पंजियक, जीधपुर
द्वारा कम संख्या 1743 दिनांक 27-7-81 पर पंजिबद्ध विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. औहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 9-12-1981
मोहर :

प्रस्तु आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. राज/सहा आ. अर्जन/1102—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 309 है तथा जो जौधपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जौधपुर में रजिस्ट्री-
कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
24-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रभुह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उच्चारण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों जूर्यातः:—

(1) श्री रूपराम पूजा अमलोक सुधार एवं श्री दाना राम
पूजा प्रह्लाद जागिर, निवासी शास्त्री नगर,
जौधपुर।

(अन्तरक)

(2) डा. सुन्दर एवं श्री हरीश पूजान थावरवास सिंधी,
निवासी प्लाट नं. 309 ए मसूरीया, शास्त्री नगर,
जौधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 309, सैक्सन-4, सैक्टर ए, जौधपुर में
स्थित सम्पत्ति का भाग, जो उप पंजीयक, जौधपुर
द्वारा क्रम संख्या 1744, दिनांक 24-7-81 पर पंजियन्ध
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 9-12-1981
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

निदेश सं. राज/सहा आ. अर्जन/1103—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं. न्याय नं. 309 है तथा जो जौधपुर में स्थित
है, (जौर इससे उपायवृध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जौधपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
24-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे वर्जन में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री रूपा राम पुत्र अमोलक सुधार एवं श्री दानाराम
पुत्र प्रह्लाद राम जांगड़, निवासी शास्त्री नगर,
जौधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री किशन एवं द्वरेश पुत्रान थावरदास जी धनकानी
निवासी प्लाट नं. 309, मशीरिया, शास्त्री नगर,
जौधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्रोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्लाट नं. 309, सैक्सन-4, सैक्टर ए, शास्त्री नगर,
जौधपुर पर स्थित मकान सम्पत्ति का भाग, जो उप पंजियक,
जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 1745, दिनांक 24-7-81 पर पंजि-
बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
तक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, जयपुर

यतः यदि, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः—

तारीख : 9-12-1981
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

निदर्श सं. राज/महा आ. अर्जन/1100—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लाट नं. 53 है तथा जो जौधपुर में स्थित
है, (और इससे उपबोध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्ट अधिकारी के कार्यालय, जौधपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
22-6-1981

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एम्बे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और (अन्तरिती)
(अन्तरितीयों) के बीच एम्बे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बत्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

मनूसनी

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती आनो बेगम पत्नी श्री अब्दुल रशीद,
नाशोरी, सिलावटा का बास, जौधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गणेशी देवी पत्नी रामस्वरूप, श्री राम रतन
पुत्र राम स्वरूप श्री रामाकिशोर पुत्र रामस्वरूप,
डाढ़ीदारां का भोहल्ला, जौधपुर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्लाट न. 53, सेक्टर बी, शास्त्री नगर, जौधपुर जो उप
पंजियक, जौधपुर इवारा क्रम संख्या 1435, दिनांक 22-6-81
पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित
है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जयपुर

तारीख : 9-12-1981
मोहर :

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अंमुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः—

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. राज/सहा. आ. अर्जन/1101—यतः मूर्ख,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 660 ए है तथा जो जौधपुर में स्थित
है, (और इससे उपाधिक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जौधपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
17-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिपादन के लिए 'अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विवास
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसी अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
कायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) सर्वश्री मोतीराम एवं जेठा नन्द पुत्रान नानूमल,
निवासी रेजीडेन्सी रोड, सरदारपुरा, जौधपुर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती बीणा पत्नी श्री जगदीश कलवानी, सोजता
गेट के अन्दर, जौधपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लाट नं. 660 ए रेजीडेन्सी रोड, सरदारपुरा, जौधपुर जो
उप पंजीयक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 1411, दिनांक
17-6-81 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

यतः अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिस्ति :—

तारीख : 9-12-1981
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकरता (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

निवेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1104—यतः मृभे,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 15 है, तथा जो जयपुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
28-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सहिता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिखाने में
सहिता के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मृभे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कृष्ण कान्त व्यास पुत्र श्री रामकिशोर व्यास,
श्री कमल कान्त व्यास व श्रीकान्त व्यास पुत्र श्री कृष्ण
कान्त व्यास, निवासी सी-60 तिलकनगर, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी, श्री शिखर चन्द्र पालावत, श्री
शानचन्द्र पालावत व श्री तिलक सिंह पालावत,
निवासी हॉल्डिंग्स का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृभे

प्लाट नं. 15, शिवाजी मार्ग, छिग्गी हाउस, जयपुर जो
उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2009 दिनांक
28-7-81 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में
विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकरता (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 9-12-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर
जयपुर, दिनांक 28 जनवरी 1982

निवारेश सं. गज/सहा आ. अर्जन—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सी-31 ए है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
23-6-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
काल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कौथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; वार्द/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री विनोद ठक्कर पुत्र श्री विलफ्रेड ठक्कर, निवासी
सी-31-ए चौम हाउस, सी-स्कीम, जयपुर।
(अन्तरक)

(2) श्री मेजर फोह सिंह पुत्र ठाकुर अम्बादान सिंह,
निवासी डी-42, सभाव मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर।
(अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममुसूची

प्लाट नं. सी-31 ए सरदार पटेल मार्ग, जगन् पथ, और
हाउस, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1539
दिनांक 23-6-81 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 28-1-1982
माहर :

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण
में, जै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आर्द्ध टी. पन. पृष्ठ. ---

(1) श्रीमती श्रीहम कावर पर्णी जालार नरपति मिंह
जी, राहड़ नाम, जोधपुर।

(अन्तरक)

आगकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
धारा २६९-घ (१) के अधीन सूचना(2) श्रीमती मनोहर दंदी पत्नी कलहयादाल जी, विदासी
केमग्बाड़ी, जोधपुर।

(अन्तर्गती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

का नाम, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक २८ जनवरी १९८२

निर्देश सं. राज/भा. आ. अर्जन/११२६—यत मुझे,
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
२६९-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर भूमि, जिसका उचित बाजार मूल्य
२५,०००/-रु. में अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. २/पृ. ४ है तथा जो जोधपुर में स्थित
है (और इससे उपबद्ध अन्यभी में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यान्वय, जोधपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख
३-१०-१९८१

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकेतन के स्थितान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थितान प्रतिफल से, ऐसे हस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्गती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हृदृ किसी बाय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ल) ग्रामी निम्नी आस या किसी धन या अन्य आमितियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए

प्लाट नं. २/पृ. ४, पावटा बी राड, जोधपुर जो उप पाजी-
यक, जोधपुर इवारा कम मूल्य २२६५ दिनांक ३-१०-८१ पर
पंजीयन विक्रय पत्र में और दिसत रूप में दिवरणित है।

पाम. पं. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा २६९-घ की उपधारा (१)
के अधीन, निम्ननिम्न गतियों, अर्थात् —

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती ग्रीता कुंवर पत्नी नरपति निंह राजपूत,
निवासी पावटा, जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री जमनालाल पत्र कहनालाल दाढ़ीया, निवासी
जोधपुर।

(अन्तरिक्षी)

तात्परता

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 जनवरी 1982

निर्देश सं. राज./सहा आ. अर्जन/1137—यत मृङ्क,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. ज्ञाट नं. 2/ग/1 है तथा जो जोधपुर में स्थित
है, (और इसमें उपावदाध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
3-10-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एंसे दूर्यमान प्रतिफल का
पत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसी भाय की जावत, उक्त
अधिनियम के अधीन दर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी इसी भाय या इसी भन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
पाया था या किया जाना चाहिए था जिसमें
संविधा के लिए;

अनुसूची

ज्ञाट दाक सेंडरी गंट के बाहर, जोधपुर जो उप पंजीयक,
जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2262 दिनांक 3-10-81 पर पंजी-
वद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

जरूर: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख : 28-1-1982
मोहर :

प्रस्तुप आइर्झ.टी पृष्ठ पाम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 जनवरी 1982

निर्देश स. राज./सहा आ. अर्जन/1025—यतः मः, एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 2/ए/1 है तथा जो जाधपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुमति में और प॑र्ण रूप में वर्णित
है), गजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जाधपुर में गजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
3-10-1981

का पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निर्मालनिकृत उद्देश्य ने उक्त अन्तरण निर्मित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुए किसी आय का आज, उसे
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतया
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जारीत:—

(1) श्रीमती प्रीतम कवर पत्नी नरपत सिंह जी राजपूत
निवासी राइट का बाग, जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री केसरीमल बैद पुत्र सुखलाल बैद, निवासी मोहन-
पूरा, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितद्वारा किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रन्थाद्वारा किसी पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 2/ए/1, पावटा बी रोड, जाधपुर जो उप पंजी-
यक, जाधपुर द्वारा क्रम संख्या 2264/ए दिनांक 3-10-81
पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विमुक्त रूप में विवरणित
है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, जयपुर

तारीख : 28-1-1982
मोहर :

प्रसूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रँज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 जनवरी 1982

निर्देश सं राज /महा आ अर्जन/ 1124--यत मूर्ख,
एम एन चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मूल्य 2/ए/2 है तथा जो जोधपुर में स्थित
है, (और इससे उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
3-10-1981

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्धारित में वास्तविक रूप में कठिन नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नान्वित व्यक्तिया, अर्थात् ---

(1) श्रीमती प्रीतम कवर पत्नी नरपत मिहं जी राजपूत
निवासी तहमील फूलेंग, वर्तमान निवासी राई का
बाग, जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्द कुमार पत्र केसरीमल जी बैंद, निवासी
मोहनपुरा, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपांहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट न 2/ए/2 जो पावडा बी रोड, जोधपुर जो उप पंजी-
यक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2263 दिनांक 3-10-81 पर
पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

एम एन चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रँज, जयपुर

तारीख 28-1-1982
माहर

प्रस्तुप आई० टो० एन० एस०---
आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ष (1) के पश्चीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निम्नेश नं. 235/81-82—अतः मूर्ख, विवेक बनजी, आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रविनियम, कहा गया है), की धारा 269-उ के पश्चीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का लाभ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी मं. 123/738 है तथा जो फजलगंज कानपुरी रोड कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पर्याप्त से अर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-6-1981

को पूर्वोक्त मान्यता के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अद्वैत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रो. कन्सिली (अन्तरकलियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिः १० पांच गण प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण ने उक्त प्रन्तरण विवित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या धनहर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथे प्रस्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था छिपाने में मुकिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के, अन्सरण में उक्त प्रविनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन निम्ननिमित्त व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नन्दकिशोर कीड़िया आत्मज स्व. लालावार्हेका दास कीड़िया साकिन सिसवन बाजार जिला गोरखपुर जिरिये मुख्तारआम जूलाकिशोर अगरवाल बल्द हीरालाल अगरवाल साकिन 3 बी सर्वोदय नगर कानपुर।

(अन्तरक)

2. श्री ज्ञानीराम आत्मज नरसिंहदास श्रीमती सीताराम अगरवाल पत्नी श्री आर. के. अगरवाल मास्टर सुरेन्द्र कमार अगरवाल 14 सालनावालिग बिलायत श्री आर. के. अगरवाल संरक्षक व पिता साकिन 111/324 अशोक नगर कानपुर।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रत्यक्ष शब्दों प्रो. और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अन्तस्तु

अचल सम्पत्ति नं. 123/738 रकवा 2333.3 वर्गज फजलगंज कानपुर में स्थित है।

विवेक बनजी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज, कानपुर

तारीख : 4-2-82
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निवेश नं. 230/81-82—अतः मुझे, विवेक बनजी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 85/30 है तथा जो कोपरगंज कानपुर में
स्थित है (ओर इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 3-6-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरीत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धति :--

1. श्री प्रदीपकुमार बजाज आत्मज श्री द्वारिका प्रसाद
बजाज निवासी मकान नम्बर 73/28 कलकटरगंज
कानपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रेमलता पत्नी रामगोपाल, संधीर कुमार,
मंजूर बजाज हो पूर्व रामगोपाल सं. 52/17
शक्कर पट्टी कानपुर व श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी
ओम प्रकाश व संदीपकुमार पूर्ण ओमप्रकाश नि. 74/
218 धनकुट्टी कानपुर।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहे भी जाक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति नं. 85/30 रकवा 800 वर्गगज कोपरगंज
कानपुर में स्थित है।

विवेक बनजी
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 4-2-82
माहर :

प्रख्य प्राई० टी० एन० एस०----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 जनवरी 1982

निवेश नं. पी. आर. नं. 1600—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिवार बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. इ-2, वीट्ठल एपार्टमेंट, है। तथा
जो रेस कार्स रोड राजकोट में स्थित है (और इससे उपावड़ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-6-81

को पूर्वोंत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया अन्तरण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के एयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मे. वीट्ठल कंस्ट्रक्शन की ओर से श्री प्रामलाल
वीट्ठलदास राजदेव और अन्य के/ओ वीट्ठल एपार्ट-
मेंट, रेसकार्स रोड, राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्रकान्त चूनीलाल और अन्य फ्लैट नं. इ-2,
वीट्ठल एपार्टमेंट रेसकार्स रोड, राजकोट।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्याद्वयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
प्रधिनियम के प्रायाय-20क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस प्रायाय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. इ-2, वीट्ठल एपार्टमेंट, रेसकार्स रोड, राजकोट
में स्थित है, जिसका पूरण वरणन् राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता बिक्री-
खत नं. 4036/6-6-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

तारीख: 21-1-82
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. पैन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन नं. 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 जनवरी 1982

निक्षेप नं. पी. आर. नं. 1601—अन: मर्भे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. जे. 2, बीट्ठल एपार्टमेंट, है। तथा जो रेसकोर्स रोड, राजकोट में स्थित है (ओर इससे उपावध अनुसूची पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-6-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तिरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यद्यपि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अम्तरक (अस्तरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से दुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, 'निम्नलिखित व्यक्तियों' अधीत :—

1. मे. बीट्ठल कंस्ट्रक्शन की ओर से श्री प्रानलाल बीट्ठलदास राजदेव और अन्य के/आ बीट्ठल एपार्टमेंट, रेसकोर्स रोड, राजकोट।
(अत्तरक)

2. श्री भरतकुमार लक्ष्मीदास समानी फ्लैट नं. जे-2, बीट्ठल एपार्टमेंट रेसकोर्स रोड, राजकोट।
(अत्तरार्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. जे-2, बीट्ठल एपार्टमेंट रेसकोर्स रोड, राजकोट में स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता बिक्री-सत नं. 4035/5-6-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन नं. 1, अहमदाबाद

तारीख: 21-1-82
मोहर :

प्रकृष्ट शाई. टी. एल. एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद
 अहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी 1982

निदेश नं. पी. आर नं. 1405/एक्यी/23-11/81-82—अतः मझे, जी. सी. गर्म,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बी. ईन्ड 129-ए, सेन्ट्रल रोड, है। तथा जो उधना उद्योग नगर, उधना, में स्थित है (और इसमें उपाबृध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-6-81 के प्रतिफल के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से की थी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

5—486 GI/81

1. दी उधना उद्योग सहकारी संघ लिमिटेड,
 सेन्ट्रल रोड नं. 10, उधना।

(अन्तरक)

2. श्री शिवदास कानजी पट्टन, 17-ए, राम निवास,
 माटंगा रोड माटंगा बास्ट-400019।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(द) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताकिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो उधना बी-इन्डस्ट्रियल 129-ए, सेन्ट्रल रोड यथाविधि जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्म
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

तारीख : 12-1-1982
 मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जनवरी 1982

निदेश नं. पी. आर. नं. 1406/एक्यी/23-11/81-
82—अतः मर्फ़े, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ष के प्रधीन प्रश्न प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये ने अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 26 पंक्ती है। तथा जो भोलाव
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्रोच में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह
विवास करने का कारण है कि यहाँपूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
ठहराय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाजार उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरषद भाई० एम. पटेल, सोणल एन्टरप्राइजेशन्स ब्रोच मार्केट, ब्रोच।

(अन्तरक)

2. श्री प्रभुह राजभाई० पी. पटेल श्री राधाकृष्णनगर को-ओ-हा०-सोसाइटी लिमिटेड, ब्रोच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्वाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उप प्रछाया २ में दिया गया है।

अनुसूची

मिलक जो आर. एस. नं. 26 (पंक्ती) भोलाव, यथाविधि जून, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

तारीख: 20-1-1981

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंग, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जनवरी 1982

निवेश सं. पि. आर. नं. 1407/एक्वी/23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं. नं. 18, माजामपुर है तथा जो बेरोडा में स्थित है (और इससे उपादवध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ब्रौच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण ने दुई किसी याय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी याय या किसी धन या अन्य पासियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मंसरा नारहरी प्रसाद आनंद का., मानेशीण भागी-दार श्री दीसीप कूमार एन भाठ, प्रीतम सोसायिटी, ब्रौच।

(अन्तरक)

(2) अध्यक्ष, नुतन क्लाट को-ओ-है-सोसायिटी, श्री एम. ए. बानगवाला, के द्वारा पालीमार घोपीण सनेहर, ब्रौच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीर्ध्वंशी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसूची

मिलकत जो एस नं. 18 माजामपुर, सब-प्लाट नं. 5-6, यथाविषि जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंग-11, अहमदाबाद

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जनवरी 1982

निर्देश सं. पि. आर. नं. 1408/एक्सी/23-11/
81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. जैसा कि 37-जी फार्म में वर्णित किया गया
है। तथा जिसका नं. 1208/81 है तथा जो बाज जिला में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पर्ण स्पष्ट में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्रोच में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चांश प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक स्पष्ट में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री चन्द्र भाई मधुर भाई पटेल, श्री भगवान
भाई मधुर भाई पटेल, सावधेश्वर, ता. ब्रोच।
(अन्तरक)

(2) संचय ओरगेनाइजर के भागीदारों :—
1. श्री फारसुराम रत्नलाल भापवाला, प्रीतम
सोसायटी, ब्रोच।
2. श्री नागजी भाई मणेकलाल चुनावाला;
वाडापाडा रोड, ब्रोच।
3. श्री राजन बलदेवदास शाह, गोधी ग्राम सोसायटी,
ब्रोच।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो 37-जी फार्म में वर्णित किया गया था जिसका
नं. 1208/81 पर जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

तारीख : 20-1-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयबार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 जनवरी 1982

निदेश न पि आर न 1409/एक्वी /23-11/81-82—अत मूर्ख, जो सी गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स एम न 417/ए पैकी है, तथा जो बील्ली-
मारा मूर्खित है (और इसमें उपावदाध अन्मूर्खी मूर्खित है),
गजिस्ट्रीकरण अधिकारी न कार्यालय, गांव-
देवी भा रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1981

का पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के हृदयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके हृदयमान प्रतिफल से, एम हृदयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तर्गत) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भ
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से है इसकी किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
आई/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

(1) श्री सापुरजी वादभाई वानसीकुम्ही, फाडवेल, त
चिकली, जिला वालसाड।
(अन्तरक)

(2) द्रम्टीस, हमीर फामीली ट्रस्ट —डा हमीर सोराव
बिल्लीमोरा, दमरा रोड, बिल्लीमोरा।
बिल्लीमोरा, दमरा रोड, बिल्लीमोरा, डा सुरेश
जयन्तीनाल सागवी, आनंद बाग, बिल्लीमोरा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जा दमरा-एस न 417—ए पैकी जमीन यथा-
विधि जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी सी गर्ग
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रँज-1, अहमदाबाद

तारीख 21-1-1982
मोहर

प्रकरण नं. ३०१० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जनवरी 1982

निवेश नं. पि. आर. नं. 1410/एक्सी. 23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं. नं. 833 है, तथा जो वावोल गांव, गांधी-
नगर तालुका में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 22-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्वह प्रतिस्त द्वारा
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दृष्टिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा(1) के
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मानगल भाई भूला भाई, वावोल गांव, गांधी-
नगर तालुका।

(अन्तरक)

(2) 1. काशीबेन गीरधरलाल दलाल, 2. शान्तीलाल
मानगलदास पटेल, 3. महेन्द्रभाई मगनलाल, 4.
जय वीधीयाबन गीरधरभाई दलाल, 5. सूशीलाबेंग
सुरेन्द्रभाई दलाल, 6. प्रबोधभाई जसवन्तलाल शाह
सब अहमदाबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन को प्रवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षणे के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सूली जमीन जो वावोल गांव, में सर्वे नं. 833 पर स्थित
है और गांधीनगर सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 22-6-81
में बिक्रीखत पर संपूर्ण वर्णित में रजिस्ट्रीकी गयी है।

जी. सी. गर्ण
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

तारीख : 22-1-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती सानदुबेन गीरधरभाई भाट, वावोल गांव, गांधीनगर तालुका।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्रशान्तकुमार प्रभुलभाई भट, जावेराज गांव, धोनका तालुका, अहमदाबाद जिला।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जनवरी 1982

निदेश नं. पी. आर. नं. 1411/एक्वी./23-11/81-82—अठ: मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 779 है, तथा वावोल गांव, गांधीनगर जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

क्योंकि यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जमीन जो वावोल गांव, गांधीनगर जिला में सर्वं नं. 779 में स्थित है और जो गांधीनगर सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 4-6-1981 में बिक्रीखित पर सम्पूर्ण वर्णित पर रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अब: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

नामांकन : 22-1-1982
माहर :

प्रारूप आई. टी. एच. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर संस्थान (निरीक्षण)

अर्जन नं. 11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जनवरी 1982

निदेश नं. पी. आर. नं. 1412/एक्सी./23-11/81-82—अतः मूर्ख, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी म. नं. 87/1, 87/2 और 87/3 है, तथा जो
बावोल गांव, गांधीनगर जिला में स्थित है (ओर इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने के कारण है कि यथापवर्वक्ता सम्पत्ति का उचित मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्ननिमित्त उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

(1) 1. श्री नापी वल्लभभाई नाराणभाई, 2. नापी वीनलभाई नाराणभाई, 3. नापी वीनलभाई नाराणभाई, 4. नापी कालीभाई मनगलदास, सब लोग नानोल गांव, गांधीनगर तालुका में रहते हैं।
(अन्तरक)

(2) वास्तुनारा को. -ओ. -हा. -मोमायटी, के द्वारा :—
(1) पुन्जीराम कछराभाई, बावोल गांव, (2) प्रभदास भाधाभाई, पामोल गांव, गांधीनगर तालुका।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, सही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसूची

लला जमीन जो बावोल गांव, गांधीनगर तालुका में सर्वे नं. 87/1, 87/2 और 87/3 पर स्थित है और जो गांधीनगर में रजिस्टर के कार्यालय से तारीख 2-6-1981 में बिक्रीत नं. 979, 980 और 981 पर सम्पूर्ण वर्णित में रजिस्टरी की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन नं. 11, अहमदाबाद

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 22-1-1982
मोहर :

प्रधानमंत्री, टी. एन. एस.-----

(1) श्री पटेल शीक्षण गोविंद छावेया।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पटेल लालजी रामजी, गांव नागलपुर, तालुका
मोडबी, कर्च्च।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रँज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जनवरी 1982

चिन्देश नं. पी. आर. नं. 1605 23-1/81-82—अतः
मूझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिमकी सं. सर्वं नं. 823, पैकी न्यू सर्वं नं. 367 पैकी
है, तथा जो भूज में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्या-
लय, भूज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1901 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 4-6-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विवाद स
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की आवत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उसमें बदले में संविधा के लिए
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या चना आदियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, उपर्युक्त :—

6-486GI/81

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो भूज में स्थित है, सर्वं नं. 823 पैकी न्यू
सर्वं नं. 367 पैकी क्षेत्रफल 2 एकड़ 4 गंठा तथा जिसका पूर्ण
वर्णन भूज रजिस्ट्रीकर्ट विक्रीखत नं. 1301/4-6-81 में
दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रँज-1, अहमदाबाद

तारीख : 25-1-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जनवरी 1982

निवेश नं. पी. आर. नं. 1604/एक्टी/23-11/81-82—अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. — है, तथा जो लालपुर, तालुका लालपुर,
जिला जामनगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में
और पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, जामजोधपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 20-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृष्टमान प्रतिफल से एंसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निर्मालास्ति उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखत
में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(1) श्री दारीया अरजन सोनी की ओर से भगवान अरजन
सोनी, छगनलाल अरजन सोनी की ओर से प्रानलाल
अरजन, लालपुर, जिला जामनगर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुंवरबेन तरसीभाई भंसारडीया, लालपुर,
जिला जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में वर्णित
हैं, उन्हीं अर्थ होंगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से होई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दार्योक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

मिलकत जो लालपुर, जिला जामनगर में स्थित है, कुल
क्षेत्रफल 7200 वर्ग फीट तथा जिसका पूर्ण वर्णन जामजोधपुर,
जिला जामनगर रजिस्ट्रीकर्ता दिक्षित नं. 153/20-6-1981
में दिया गया है।

(ख) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आमितियों
को, जिन्हें भारतीय आय-नकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 51
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 57)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी

सहाय्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 25-1-1982

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
में अधीन, निर्मालास्ति व्यक्तियों, वर्षतः :—

ब्रह्म प्राई. टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जनवरी 1982

निवेश नं. पी. आर. नं. 1603 23-1/81-82—अतः

मूर्ख, जी. सी. गर्ण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवरण करने का
कारण है कि स्थावर समाप्ति, जिनमा उत्तिवार माजार मूल्य 25,000
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं. प्लाट नं. 1656-ए है, तथा जो सरदारनगर,
भावनगर में स्थित है (और इसमें लगावद्वय अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
भायनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 20-6-1981

के प्रत्येकत भौमिक ने उक्तिवार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित नहीं है और मुझे यह विवरण करने
का कारण है कि धार्यवर्ती पंचानि का उक्तिवार मूला
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान अनिकार का पञ्चदृ
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तर (अन्तरको) वा अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे भरारक के लिए उपर्युक्त 20-6-1981
प्रतिफल, जिन्हीं उपर्युक्त में उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कार्यत नहीं किया गया है—

(क) प्रधारण ने कुछ अन्तर्को प्राय की जाति उक्त अधिनियम के अधीन अवैध करने के लिए प्रस्तरक के वायित्व की की
करने या उससे बचने में सक्षमता के लिए; योराया

ममुसूची

(ख) ऐसी (कम) प्राय या किसी भूत या तथा अन्तर्को
जिसे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1937 (1957 का 27)
के प्रयोगनाये अन्तरिती या प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या जितन में सुविधा
के लिए।

(1) श्री रमनीकलाल वृजलाल व्यास, 1186-बी, घोषा
सकेल, भावनगर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रामलक्ष्मी कालीदास दवे, हरेश कालीदास
दवे, सरदारनगर, गुरुकूल के पीछे, भावनगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो हरके पूर्वीन संपत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसर्वदी अविक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि जो भी प्रवधि
वाक ये अमान होनी हो, के पीछे पूर्वीकृत अविक्तियों
में से किसी अविक्त दार।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अंतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवद्वय किसी प्रत्यक्षित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरों
के द्वारा लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें व्युक्त अन्तर्को प्रदो ना, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधारण 20-क में
परिभासित है, वही प्रथं होगा जो उस
प्रधारण में दिया गया है।

मकान मिलकत जो सरदारनगर, भावनगर में स्थित है,
जिसका प्लाट नं. 1656-ओ, क्षेत्रफल 800 वर्ग यार्ड है तथा
जिसका पूर्ण वर्णन भावनगर रजिस्ट्रीकर्ट बिक्रीखत नं. 1469/
20-6-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ण
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-1, अहमदाबाद

नोट: अब, उक्त प्रधिनियम ना धारा 469-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम ही प्रारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवधियों, अवधि :—

तारीख : 25-1-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के पश्चीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जनवरी 1982

निदेश नं. पी. आर. नं. 1602/23-1/81-82—अतः
मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-प के पश्चीम सशम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. संख्या नं. 212 है, तथा जो चित्रा सीम,
भावनगर में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 18-6-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार,
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नालिखित उम्मदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री विनोदराय केशवलाल श्रीवेदी, गांव पछेगाम,
तालुका गारीयाधार।

(अन्तरक)

(2) श्री जाडेजा दोलतसींग लघुभा, भैरवपरा, 9,
पारस सोसायटी, पालीताना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अधिकेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कभी
करने या उक्त से बचने में बुविधा के लिए। और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुक्रम
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

मिलकत जिसका संख्या नं. 212, चित्रा सं. , भावनगर में
स्थित है, क्षेत्रफल 428 वर्ग थार्ड, 357.82 वर्ग मीटर तथा
जिसका पूर्ण वर्णन भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता विकीर्षत नं. 1436/
18-6-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

क्षम, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनु-
मत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 25-1-1981
मोहर :

प्रृष्ठ प्राइवेटी.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, जो-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,
इन्ड्रेस्ट्रील स्टेट, नई दिल्ली

अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निवेश नं. पी. आर. नं. 1606/23-1/81-82—अतः
मूर्ख, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी मं. मर्वेनं. 780 'डी' पैकी है, तथा जो गजकोट
में स्थित है (और इसमें उपालदध अनुमती में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1981

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल ने लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह दृश्यवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत ने अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिक्षी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तिक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जयन्द्रबाला ए. मांकोडी, अमरनाथ प्लॉट,
कलावाड रोड, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री ललीतभाई माधवजीभाई नाथवानी, धर्मन्द्र रोड,
राजकोट।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जिसका सर्वेनं. 780 'डी' पैकी जमीन का क्षेत्रफल
473-4-0 वर्ग गार्ड, राजकोट में स्थित है, पूर्ण वर्णन राजकोट
रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 4701/जून, 1981 में दिया गया
है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

तारीख : 1-2-1982

माझेर :

प्रस्तुप आइ०.टी०.एन०.एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निदंश नं. पी. आर. नं. 1607 23-1/81-82—अतः
मम्फे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सर्वं नं. 11, शीट नं. 121, सर्वं नं. 6132
है, तथा जो पोरबंदर, ज़िला जूनागढ़ में स्थित है, (जैसे इससे
उपावदध अनुसूची में जौर पूर्ण रूप से लिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, पोरबंदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-6-1981
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विष्वास
करने का आग्रह है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाणा गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वापर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) मेनन हाजी मामद हाजी इस्माइल झबंदरी को ओर से,
पी. डी. अंच., श्री रजबगली भाइजीभाइ०, बोरावड
पोरबंदर।

(अन्तरक)

(2) श्री भानुशंकर लीलाधर जोषी और अन्य, छाया प्लॉट,
पोरबंदर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 5275 वर्ग याड़, जो पोरबंदर में
स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन पोरबंदर रजिस्ट्रीकर्ता विक्री-
खत नं. 2068/4-6-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधार्य (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 1-2-1982
माहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निवेश नं. पी. आर. नं. 1608/23-1/81-82—अतः

मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. सं आधिक है।

और जिसको सं. खुली जमीन है, तथा जो मूलचंद की गनी,
दूधरेज, जिला सरन्दगर में स्थित है (जौर इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्जित है), रजिस्ट्रीदल्टा अधिकारी
के कार्यालय, बढ़वान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्याप्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितिय) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतीत-
फल, निम्नलिखित उदाहरण में उक्त अनुशंशा लिखित मा वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दार्यात्मक में कामी करने दा गमन बचन सं मुद्रित
के लिए; और/या

(ख) पांसी किसी आय दा किसी धन या अन्य आस्तियों
वां, जिहे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 ज 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा ग्रक्त नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुद्रिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) बड़वाला मंदीर गौशाला दुस्ट, दुस्टी :—श्री
कल्यानशासजी गोभतीवासजी, दूधरेज, ताल का
बढ़वान।

(अन्तरक)

(2) बड़वालानगर को. ओ. हा. सांसायटी लिमिटेड,
प्रमुख—श्री करनभाई भायभाई भरवाड, दूधरेज,
जिला बढ़वान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, और अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 13 एकड़ 0 गडा जो दूधरेज, जिला
बढ़वान में स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन बढ़वान रजिस्ट्रीकर्ता
बिकावत नं. 2639/15-6-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-1, अहमदाबाद

तारीख : 1-2-1982
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री कान्तीलाल मनीलाल भायानी, कलायीनभर लाडी, (जिला अमरेली)।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) आदर्श कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, 1761/1, गांधी रोड,
अहमदाबाद।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक । फग्वरी 1982

निदेश नं. धा. आर. नं. 1609/23-1/81-82—अन्तर्मुक्त, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राप्ति कारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. म अंगिक है।
और जिसकी मं. प्लॉट नं. 295 और 283 है, तथा जो
अमरेली (साराठी) में स्थित है (आरे इससे उपादान अनुसंधी
में और पूर्ण मूल्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अमरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-6-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नालिखित उदाहरण में उक्त अन्तरण निर्धारित मात्राविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिसणों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रौर्ह भी आशेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 459.65 और 356.38 वर्ग मीटर,
प्लॉट नं. 295 और 283 जो अमरेली, जिला राजकोट में
स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्री-
क्षत नं. 1579 और 1580/11-6-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-1, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 1-2-1982

मोहर :

श्रावण शाई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निदेश नं. पी. आर. नं. 1610 23-1/81-82—अतः
मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बीन खेती लायक जमीन है, तथा जो वांकानेर,
जिला राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, वांकानेर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह ग्रन्थित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
उत्तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १--
7-486GI/81

(1) जयनेन प्रागजी, वांकानेर, जिला राजकोट।

(अन्तरक)

(2) फीशन सेरामीक इन्डस्ट्रीज द्वारा और से—श्री जेराज
पीतांबर, वांकानेर, जिला राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए
कार्यवाहिनी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

बीन खेती लायक जमीन जिसका क्षेत्रफल 7623 वर्ग मीटर,
जो वांकानेर, जिला राजकोट में दिल्ली है लक्ष जिसका पूर्ण
वर्णन वाकानेर रजिस्ट्रीकर्ता विकास नं. 315/जून, 81 (37
जी. जून, 1981 में प्राप्त हए है) में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 1-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निवेश नं. पी. आर. नं. 1611 23-1/81-82—अतः
मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मिल बिल्डींग है, तथा जो वांकानोर, जिला
राजकोट और जोरावरनगर, जिला सुरनगर में स्थित है
(और इससे उपावदध अनुसंधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय वधावान में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:—

(1) श्री अमरसिंहजी मील्य लिमिटेड, वांकानेर
363622, जिला राजकोट।

(अन्तरक)

(2) मे. कोरस (इन्डीया) लिमिटेड, प्लोट नं. 10,
डी. इ. मोसेस रांड, वारली, बम्बई-400018।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिहाज में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सब मिल बिल्डींग की बनावट मीसमी, जिसका कुल क्षेत्रफल
22,408 वर्ग मीटर, जमीन का क्षेत्रफल 131,020 और
8361 वर्ग मीटर जो स्टेशन रोड, वांकानेर, जिला राजकोट
में स्थित है, जोरावरनगर, जिला सुरनगर में बिल्डींग की
बनावट मीसमी, जमीन का क्षेत्रफल 864.34 वर्ग मीटर तथा
जिसका पूर्ण वर्णन वधावान रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीकरण नं. 850/
30-6-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 1-2-1982
माहर :

प्रश्न प्राई. टी. एन. एस.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निवेदन नं. पी. आर. नं. 1612 23-1/81-82—अतः
मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी भा. मर्ड नं. 1819 है, तथा जो बढ़वान, जिला
बढ़वान में स्थित है (और इसमें उपावदध अन्सूनी में और पूर्ण
रूप से वर्तित है), जीस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बढ़वान
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 23-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल तो ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच हेमें अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से काफ़िर नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कहीं बरत या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ग्र) ऐसी जिसी आय या किसी प्रत या अन्य आस्तीनों
की, जिन्हें भरतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विधि के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित विवरों अनुसार :—

(1) श्री पटेल कुंज तेजा, धोबी पोल, बढ़वान सीटी।
(अन्तरक)

(2) श्री महेपतलाल कस्तुरराव, महेता मार्केट, सूरनेल-
नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी ग्रावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितु-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साझेकरण :—इन्हें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 3 एकड़, 0 गंडा, भर्ड नं. 1819
बढ़वान में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन बढ़वान रजिस्ट्री-
कर्ता बिक्रीखत नं. 2771/23-6-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

तारीख : 1-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

वार्ता संरक्षण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निदेश नं. पी. आर. नं. 1613-23-1/81-82—अतः
मर्फ़े, जी. सी. गर्म,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. सर्वे नं. 2034 और 2033 है तथा जो
वडवान, जिला वडवान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, वडवान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में दुई नियमी आय की वाचत, उक्त अधि-
नियम के प्रतीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
करो करो गा उससे बचने में मुविद्या के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी वाचत का नियमी दृष्टि या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था ग किया जाना चाहिए या छिपाने
में मुविद्या के लिए,

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं. 2033 और 2034, क्षेत्रफल 5
एकड़, 12 गुंठा और 1 एकड़ 34 गुंठा, जो वडवान में स्थित
है, जिसका पूर्ण वर्णन वडवान रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं.
2434 और 2433/3-6-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्म
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौ. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(1) श्री राठोड चीकुभाई शीवाभाई, वडवान सीटी,
वडवान।

(अन्तरक)

2. श्री बालचंद कशलचंद शाह और अन्य, धारगंधा,
जिला वडवान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित वाचती के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

तारीख : 1-2-1982
माहेर :

प्रख्यूप आई० टी० एन० एस०---

(1) श्री पटेल विश्वभाई अंबाराम, बड़वान सीढ़ी, बड़वान।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बोलचंद कसलचंद और अन्य, धारांभा, जिला बड़वान।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निदेश नं. पी. आर. नं. 1614-23-1/81-82—अतः
मझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन संघम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति शिवला उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वं नं. 2028 और 2029 है, तथा जो
बड़वान, जिला बड़वान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन-
मूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बड़वान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि पथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से; ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और अन्तररक्ष (प्रत्यक्षीय) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित रूप से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्दृष्टि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के पश्चात कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

अन्तरिती

जमीन जिसका सर्वं नं. 2028 और 2029, क्षेत्रफल 2
एकड़, 38 गंडा और 6 एकड़, 34 गंडा, जो बड़वान में
स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन बड़वान रजिस्ट्रीकर्ता बिक्री-
खत नं. 2431/81 और 2432/81/3-6-81 में दिया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा(1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः:—

तारीख : 1-2-1982
मोहर :

प्रलेप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निदेश नं. पी. आर. नं. 1615 23-।/8।-82—अतः
मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक

और जिसकी सं. फ्लेट नं. डी-3 है, तथा जो बीठल एपार्टमेंट-
मेन्ट, रेस कोर्स रोड, राजकोट में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तग पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) मे. बीठल कास्ट्रक्शन कम्पनी की ओर से भागी-
दार श्री प्रानलाल बीठलदास राजदेव और अन्य,
रेस कोर्स रोड, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुलाबदेवी कनेयालाल सुराना और अन्य,
मुरलीधर शर्मा रोड, फेन्सी बाजार गोहाट (आसाम)।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रोप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्तक्षरी के
पास लिंगित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

फ्लेट नं. डी-3, बीठल एपार्टमेंट, रेस कोर्स रोड,
राजकोट में स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रजिस्ट्री-
कर्ता बिक्रीखत नं. 3375/16-5-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-।, अहमदाबाद

तारीख : 1-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप आर्य. टी. पं. पं. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निवेश नं. पी. आर. नं. 1616 23-1/81-82--अतः
मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं सर्व नं. 610, प्लॉट नं. 3 से 7 है, तथा
जो धूगंधा, जिला सुरन्द्रनगर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, धूगंधा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में काम के दृश्यमान
प्रतिपादन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री डाह्याभास्तु नाथभाई दलवाडो और अन्य, नरसी-
परा, धूगंधा।

(अन्तरक)

(2) श्री जलाराम को. आ. रा. सोमायटी लिमिटेड,
प्रमुख रत्नांडल स्टीलाल परीख, धांचीवाड, देसारका
दहला, धूगंधा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव भूमि समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है;

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(म) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाते भूमि के
के लिए;

जमीन, कल क्षेत्रफल 2196.51 वर्ग मीटर, भर्व नं.
610, प्लॉट नं. 3 से 7 जो धूगंधा, जिला सुरन्द्रनगर में
स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन धूगंधा रजिस्ट्रीकर्ता बिक्री-
खत नं. 1452/26-6-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख : 1-2-1982
मंहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निदेश नं. पी. आर. नं. 1617-23-1/81-82—अतः
मूर्ख, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वं नं. 610 प्लोट नं 8 से 18 है, तथा
जो भ्रांगधा, जिला सरनेनगर में स्थित है (और इससे उपावदध
अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
के कार्यालय, भ्रांगधा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-1981

का, पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रन्तर्भ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये
बीर/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री आह्याभाई नाथुभाई वलवाही और अन्य, नरसी-
परा, भ्रांगधा।

(अन्तरक)

(2) मयूर को.-ओ.रा. सोसायटी लिमिटेड, प्रमुख--
महाश मगनलाल व्यास, करी कुवा के नजदीक,
भ्रांगधा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयित्व करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 4601.15 वर्ग मीटर है, सर्वं नं.
610, प्लोट नं. 8 से 18, जो भ्रांगधा, जिला सरनेनगर में
स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन भ्रांगधा रजिस्ट्रीकर्ट विक्रीखित
नं. 145/3/26-6-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-1, अहमदाबाद

तारीख : 1-2-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई० ही० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की भारा
२६९-ग/(1) के अधीन सूचना

भारत गवर्नर

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक १ फरवरी १९८२

निदेश नं. पी. आर. नं. १६१८-२३-१/८१-८२—अतः
मर्फ़, जी. सी. गर्फ़,
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसने इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
२६९-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
२५,०००/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सर्वे नं. ६१०, प्लोट नं. १९ गे २६ हैं तथा
जो धार्गंधा, जिला गुरुद्वारनगर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण स्लूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
के कायानिय, धार्गंधा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८
(१९०८ का १६) के अधीन, तारीख २६-६-८१

क) पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूष्यमान प्रतिफल से ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से दर्शित करों किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोगनार्थ अन्तर्निहित द्वारा प्रबोल नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में
मुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की भाग २६९-ग के अनुसूचणा
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग २६९-ग की उपधारा (१)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

8-486GI/81

(१) श्री डॉ हमेशा वाथमार्फ दलवाड़ी और अंग, नरसी-
ग, धार्गंधा।

(अन्तरक)

(२) श्री फलोदरमनद को.-ओ.-हा.-गो., लिमिटेड,
के./ओ. प्रमुखः—प्रदीपक मार रसीकलाल धारा,
फलगनी धार्गंधा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तवः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाइं में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल ३००२-५२ वर्ग मीटर, सर्वे नं.
६१०, प्लोट नं. १९ मे २६, जो धार्गंधा, जिला गुरुद्वारनगर में
स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन धार्गंधा रजिस्ट्रीकर्ट विक्री-
कर्त नं. १४५४/२६-८१ में दिया गया है।

जी. सी. गर्फ़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, अहमदाबाद

तारीख : १-२-१९८२

सोहूर :

प्रूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निदेश नं. पी. आर. नं. 1619-23-।/81-82—अतः
मझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर समर्पण, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. भे अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 438/2 पंक्ति विभाग-6 है, तथा
जो गांव नाना मावा, जिला राजकोट में स्थित है (और इसमें
उपबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सहित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहित
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री देवजीभाई रनछोडभाई सवालीय, मनहर प्लॉट,
शेरी नं. 7-8, विद्यासगर, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) बृन्दावन को. ओ. हा. मांसायटी निमिटंड की
ओर से प्रोस्ट्रटर—श्री बच्चभाई भगवानजी, पटेल
नगर, शेरी नं. 1, राजकोट।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्याद्वारा करता है ?

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

प्रष्टीकारणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्रसूची

जमीन जिसका सर्वे नं. 438/2, क्षेत्रफल 2 एकड़, 20
गुठा, जो गांव नानामावा, जिला राजकोट में स्थित है, तथा
जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 4842/
11-6-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-।, अहमदाबाद

तारीख : 1-2-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई, टी.एन.एस.-----

(1) श्री केशबलाल रनछोडभाइ, 7-8, बिहानगर,
राजकोट।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निदंशा नं. पी. आर. नं. 1620-23-1/81-82—अतः
मझे, जी. सी. गर्ग,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. सर्वं नं. 438/2 है, तथा जो गांव नानामावा,
जिला राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-6-1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्याप्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(म) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(2) वन्दावन को.-आ.-हा. सोसायटी लिमिटेड की
ओर से प्रोमोटर—श्री बच्चुभाई भगवानजी, पटेल
नगर, शेरी नं. 1, राजकोट।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त संघर्षित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में वर्त्तमान हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वं नं. 438/2, थोन्फल 2 एकड़, 0
गंठा, जो गांव नानामावा, जिला राजकोट में स्थित है, तथा
जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 4851/
11-6-81 में दिया गया है।जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 1-2-1982

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

, भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 31 अक्टूबर 1981

निदेश नं. ए-253/81-82/ज. आर. टी./62630—

अतः मुझे, ई.ज. मावलोंग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. दाग स. 3665/420 पी. पी. सी. 354
है, तथा जो जोग्हाट टाउन मौजा, ब्लाक सं. 1, वार्ड सं. 4
जोग्हाट म्यूनिसिपालिटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जोग्हाट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-6-1981

को पूर्वान्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्झ किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जौर/वा

(ख) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जात् है—

1. श्री अजिमद्वीन अहमद, स्व. असानतद्वीन जहमद,
ओल्ड बालीबत, जोग्हाट के सुपूत्र, (2) श्रीमती
हमीदा जमान अहमद, मिस्टर अजिमद्वीन अहमद,
ओल्ड बालीबत, जोग्हाट की पत्नि।
(अन्तरक)

2. श्री तोलाराम गटानी, बाबूपट्टी, जोग्हाट।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्वित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि द्वारा न्यमस्वन्धी व्यक्तियों द्वारा उचित
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्वित
व्यक्तियों से किसी व्यक्तिसंघारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
प्रदूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहाँ वर्तमान या उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का धेनफल 1 (एक) कट्टा 10 (दस) लमा जो ओल्ड
बालीबत, जोग्हाट के व्यापारी क्षेत्र में दाग सं. 3665/4201
परीओडिक पट्टा में. 354 जोग्हाट टाउन का, ब्लाक में. 1,
वार्ड सं. 4 जोग्हाट म्यूनिसिपालिटी क्षेत्र में स्थित है।

ई. जे. मावलोंग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, शिलांग

तारीख : 31-10-1981
माहर :

प्रकृत आई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत मंत्रालय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज्ज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 27 जनवरी 1982

निर्देश सं प-256/81-82/जार/410-18—अन्त मुझे,
 है जो मावलीग,
 आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके 'प्रत्यक्ष उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 है में अधिक है।

और जिसकी सं दाग सं 4739/5036 पि पि पट्टा सं
 171/23 है, तथा जो के बीं राड, जारहाट में स्थित है
 (जोर इसमें उपावदध अन्मूली में और पर्ण रूप में वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जारहाट में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-6-1981
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्वाचन बाजार मूला में
 कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
 गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
 है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
 प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है,
 पौर अन्तररु (प्रेसरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां)
 के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल,
 निम्नलिखित उक्ति से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से नहिं नहीं हिला गया है:—

1 श्री मानिक कामार चन्द्र।

(अन्तरक)

2 श्री हन्मराज काष्ठार।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
 45 दिन की अवधि गत तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर
 सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, उक्त सम्पत्ति के
 अविक्षयों में मिली अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हितबद्ध
 किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी गत पाय
 लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टाकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में संशोधित
 हो वही पर्याय, जो उक्त अध्याय में दिया
 गया है।

(क) अन्तरण से दुर्दि किसी आय की बाबत, उक्त
 प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
 सुविधा के लिए। बोर्ड/या

अनुसूची

(ख) जो किसी आय का दृश्य धन या अन्य प्राप्तियों
 का, जिन्हे भारतीय गवर्नर प्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) वा उक्त प्रधिनियम, या
 घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं हिला
 गया था या किसी जाता चाहिए था कियाने में
 सुविधा के लिए,

जमीन का माप एक कट्टा आठ लसा दो तल्ला आर सी सी.
 बिल्डिंग के साथ और जिसका दाग सं. 4739/5036 पी पी.
 सं 171/323, ब्लॉक सं 2, जारहाट टाउन के म्यूनिसीपल
 होल्डिंग सं 337 के बी. राड, वार्ड सं आठ में
 स्थित है।

इ०. ज मावलीग
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रज्ज, शिलांग

नारायण 27-1-1982
 माझूर :

अत), अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण
 में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात्:—

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269 घ (1) के प्रतीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भूबनेश्वर

भूबनेश्वर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निदेश स. 7/आई. अ. मी. एक्वीजिशन रेंज/81-82/
भूबनेश्वर—अतः मर्म, पि के मिश्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी मं. 4028 है, तथा जो जाजपर में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध जन्मसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डांगलिपर, कटक में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 1-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्म यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्म यह विवास
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई फिसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने वा उसमें बचतें में सुविधा के लिए;
ओर/वा।

(ख) एसा किसी आय वा किसी धन या अन्य आमितयों
पर जिने भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रदद नहीं किया
गया था वा किया नाना बाहिए था, छिपान
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, कर्ता :--

1. श्रीमती कमल कमारी माहा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुलाचना माहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायबाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :--

(न) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तस्म्यन्वी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में वे किसी अविक्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

ध्वणीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

मन्मुखी

जिला कटक, मौजा पदमपर, थाना 435, नार्जि 1616,
वाता 74/14, पट नं. 9, अद्वाड नं. 6, जाजपर शॉण, एन.
ए, सि. पट नं. 171/7, जमीन का परिमाप--
ए. 0-0-0275 एकड़।

पि. के मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भूबनेश्वर

तारीख . 26-11-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एम. —————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रँज, भ्रवनेश्वर

भ्रवनेश्वर, दिनांक 14 जनवरी 1982

निर्देश मं. 22/81-82/आई. प. सी./ए. आर./
 भ्रवनेश्वर—अतः मंडे, पि. के. मिश्र,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाहस करने का कारण
 है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु. से अधिक है
 और जिसकी मं. 2550 है, तथा जो गोपालपुर, गंजाम जिला
 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अमृतची मं और पूर्ण मूल्य में
 वर्णित है), रीजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, भ्रवनेश्वर में
 रीजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 तारीख 20-6-1981
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तर्दिश की गई है और मंडे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तर्क (अंतरकों) और अंतरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 मूल्य से कठित नहीं किया गया है:—

1 श्री कुन्डल नारायण राज पिता (मर्त) कल्पना तारिणी
 राज, अर्धानि धैक राज, वरहामपुर।
 (अन्तरक)

2 श्री जगतबन्ध पटनायक, पिता नि. पटनायक,
 मोद्राइल इजीनियर, हिल पाठा, वरहामपुर
 गंजाम जिला, उड़िसा प्रदेश।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहीहार्यां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्त है, वही
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दृश्यमान में कमी करने या उसमें बचने में संविधा
 का लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितयों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकल नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने से
 संविधा के लिए;

खाता नं. 26, पद नं. 87 और 60, एरिया ए2-828,
 जमीन और मकान, नामित "गाड गिफ्ट", गोपालपुर में
 अवस्थित, जिला गंजाम, उड़िसा प्रदेश।

पि. के. मिश्र
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रँज, भ्रवनेश्वर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 24-2-1982
 मोहर :

प्रधान प्राइवेट एन.एम. -----

(१) श्री वी. आर. बंशजराज।

(अन्तरक)

प्राथकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की

(२) श्रीमती नरसता अम्माल।

(अन्तरक)

पारग २६९-घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रँज-१, मद्रास

मद्रास, दिनांक ५ फरवरी १९८२

निदेश मं. ३१/जून/८१—यत. म.भके, आर. रविचंद्रन, आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा याहा है), की धारा २६९-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु. में अधिक है और जिसकी मं. २/१७, २/१८, २/१९, २/१३, २/१४, २-जे (ग्राउन्ड फ्लोअर) और १/ए (१/२ शेर), २/बी, २/सी, २/डी, २/इ, २/एफ, २/जी, २/एच और २/१ (फ्लट फ्लोअर) है, तथा जो वेरकस मैदान रोड, वेल्लूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे. एम. आर. ।, वेल्लूर (डाकमैट म. २४३७/८१) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख २२-६-१९४१ के पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्तु ही प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती ('नन्तरितीय') के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्तु ही प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती ('नन्तरितीय') के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को मह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन वर्षी तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहम्ताकरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता है, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भीम और निर्माण—२/१७, २/१८, २/१९, २/१३, २/१४, २-जे (ग्राउन्ड फ्लोअर) और १/ए (१/२ शेर), २/बी, २/सी, २/डी, २/इ, २/एफ, २/जी, २/एच और २/१ (फ्लट फ्लोअर), वेरकस मैदान रोड, वेल्लूर—डाकमैट म. २४३७/८१)।

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आपूर्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोगान्वार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में समिधा के लिए;

आर. रविचंद्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रँज-१, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा २६०-घ की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जितः—

तारीख . ५-२-१९८२
माहर :

प्रस्तुप प्राई० ही० एम० एस०--

(1) श्री के. और. वेतावलम् और जवास।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री वी. एस. नाथन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1982

निवेश सं. 193/जून/81—यतः मृझे, आर. रविचंद्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 646/1-बी, 648, 649, 650/1 और 650/2 है, तथा, जो ओल्ड कालपाडी, ज़ुड़ियातम तालूका (एन. ए. डिस्ट्रीक्ट) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालपाडी (डाकूमेंट सं. 2544/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पाछह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) प्रौद्योगिकी (अंतरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है।—

(क) प्रन्तरण से दूई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के विषय में कमी उक्त या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौद्योगिकी

ननुसूची

(4) किसी आप या किसा धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपने में सुविधा के लिए;

(भूमि—एस. सं. 646/1-बी, 648, 649, 650/1 और 650/2, ओल्ड कालपाडी, ज़ुड़ियातम तालूका (एन. ए. डिस्ट्रीक्ट) —डाकूमेंट सं. 2544/81)।

आर. रविचंद्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, मद्रास

अतः प्रत्येक उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

५—486GI/81

तारीख : 6-2-1982
मालिक :

प्रस्तुत बाईं, टी. एस. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-।।, मद्रास
मद्रास, विनांक 6 फरवरी 1982

निदेश सं. 11464—यतः मुझे, आर. रविचंद्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1/277 है, तथा जो कोटिगिरि में स्थित है
(जो इससे उपावश्यक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोटिगिरि (डाकूमेंट सं.
624/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

अनुसूची

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, चिपाने में संविधा
के लिए;

भूमि और निर्माण—1/277, काटिगिरि, (डाकूमेंट सं.
624/81)।

आर. रविचंद्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-।।, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जन्मति :---

तारीख : 6-2-1982
मोहर :

प्रस्तुति वाहू टी.एन.एस.-----

(1) श्री सुविधार कोनार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री शेन फलो।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 फरवरी 1982

निदेश सं. 11448—यह: मुझे, आर. रविचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवेदास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे 479/1, 480/1 है, तथा जो टॉलनगुपालयम में स्थित है (और इसमें उपाववध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (आकूमेंट सं. 3195/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवेदास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल निर्मालित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्मित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों के द्वारा हुआ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मूर्म—सर्वे 479/1 और 480/1, टॉलनगुपालयम (आकूमेंट सं. 3195/81)।

आर. रविचन्द्रन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, सहायक अधिनियम की धारा 269-घ की व्यापार्य (1) के अधीन किसी उचित व्यक्तियों द्वारा,—

तारीख : 8-2-1982
मोहर :

प्रकृत प्राप्ति दी० एवं एवं—

(1) श्री रामेश्वरी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री नापजी, उवगथी।

(प्रत्तिरिदी)

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 फरवरी 1982

निवेश सं. 11502—यतः मुझे, आर. रविचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं 72-वी 3, अप्स्वामी ले-आउट, कोयम्बटूर है, तथा जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकमेट सं. 3266/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1981

को व्यक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तब पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्दि किसी जाय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण—72-वी 3, अप्स्वामी ले-आउट, कोयम्बटूर (डाकमेट सं. 3266/81)।

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्योजनावै अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया याया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के लिए;

आर. रविचन्द्रन
सकाम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-11, मद्रास

यतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपज्ञाना (1) के अधीन, निम्नलिखित अविस्तरों, अधिक :—

तारीख : 4-2-1982
माहूर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री के. एस. एन. बट।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस. कसलुरिस्वामी।

(अन्तरित)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 फरवरी 1982

निवेश सं. 11554—यतः मुझे, ओर. रविचन्द्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 15/150 है, तथा जो पटेल रोड, कोयम-
बट्टूर-1 में स्थित है (ओर इससे उपाबृद्ध अनुमति में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोयमबट्टूर (डाकमैट सं. 3653/81) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई,
1981.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

क्योंकि यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवापीहार्या करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीच से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीच से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रार्थीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अमृतसूची

भूमि और निर्माण—15/150, पटेल रोड, कोयमबट्टूर-
9, (डाकमैट सं. 3653/81)।

(ल) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-2-1982

मोहर :

प्रहृष्ट आई० दी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 फरवरी 1982

निवेश सं. 11494—यतः मुझे, आर. रविचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. 13ए, ईस्ट पोन्नरनगम रोड है, तथा जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनूसूची में और पर्याप्त रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं. 3315/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति पर उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्रीमती लक्ष्मी चैकटाचलम और अदर्श।

(अन्तरक)

(2) श्री के. नागरीत्तनम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वा अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित होता;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित होता, भवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उम प्रध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनूसूची

भूमि और निर्माण—13ए, ईस्ट पोन्नरनगम रोड, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं. 3315/81)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथे अन्तरिती होता प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-11, मद्रास

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रबोध, निम्नलिखित अविक्षियों; अर्थात्:—

तारीख : 4-2-1982
मोहर :

प्रश्न पाई दी० एन०एस०—

प्रायरूर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदेश सं. 11497—यतः मुझे, आर. रविचन्द्रन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय नमति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. 11/142 है, तथा जो कास कट रोड, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावधि अनुसंधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकमेंट सं. 3162/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 जून, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी माय को बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को जिम्में भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तुति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रता प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपलापा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री आर. पेरुमाल और अदर्श।

(प्रत्तरक)

(2) श्रीमती विमला और अदर्श।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंध के लिए ठार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रावेदः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन हो अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन से भी तारा स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसंधी

भूमि और निर्माण—11/142, कास कट रोड, कोयम्बटूर (डाकमेंट सं. 3162/81)।

आर. रविचन्द्रन
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, मद्रास

तारीख : 4-2-1982

माहर :

प्रकप आई० टी० एच० एस०--

प्रधानमंत्री अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (नियोक्त)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 फरवरी 1982

निवेश सं. 16470—यतः मुझे, आर. रविचन्द्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 32, कस्टरी रनग, आयनगार रोड है, तथा
जो मद्रास-18 में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अन्नसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मैलापुर (डाकूमेंट सं. 1155/81) में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से छम के दृश्यमान प्रति
फल के सिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत से अधिक है
और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के निए नया गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में
उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया

(क) मन्त्रालय द्वारा नियम की वावत उक्त अधि-
नियम का प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में रुपो होने वा उससे बचने में युविग न लिए।
रोग/रा

(ब) ऐसो हिसी आय या किसी घन या ग्रम्य ग्रास्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर प्राधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
ग्रन्तिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती नलिनी कृष्णा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनेका पारतसारती।

(अन्तरीक्षी)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।—।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पंचांशी व्यक्तियों पर सूचना
की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
द्वितीय किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी
के पास लिखित में किए जा सकें।

त्वरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अन्नसूची

भूमि और निर्माण—32, कस्टरी रनग, आयनगार रोड,
मद्रास-18 (डाकूमेंट सं. 1155/81)।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (नियोक्त)
अर्जन रंज-।।, मद्रास

अतः अम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जितः—॥

तारीख . 4-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निदेश सं. जी. आई. आर. संख्या के-107/अर्जन—अतः
मुझे, अमर सिंह विसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 102/516 है, तथा जो शिवाजी मार्ग,
लखनऊ में स्थित है (और हमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 2-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, एसे दद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की वादत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) 1. श्री कैलाश नारायण गुप्ता (स्वयं तथा एच. यू.
एफ. का कर्ता), 2. श्रीमती शान्ती गुप्ता।
(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती कान्ता रानी, 2. मन्द लाल बजाज,
3. श्रीमती भगवती बजाज, 4. श्री मुमार चन्द्र
बजाज, 5. मास्टर आकाश बजाज (नावालिंग) द्वारा
पिता व विविध संरक्षक श्री मुमार चन्द्र बजाज।
(अन्तरिती)

(3) 1. मंसर्स अवध टुंड्रेकों कम्पनी, 2. एम. पी.
पाण्डेय किरायेवार।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

क्षे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 102/516, मय भूमि, पैयमाईशी 2138 नं.
फिट स्थित शिवाजी मार्ग, शहर लखनऊ तथा वह समूर्ण सम्पत्ति
जो सेल डीड और फार्म 37-जी संख्या 4498/81 में वर्णित है
जिनका पंजीकरण मव-रजिस्ट्रार, लखनऊ के कार्यालय में दिनांक
2-7-1981 को किया जा चका है।

अमर सिंह विसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रृष्ठ पाई ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 नवम्बर 1981

निवेश सं. जी. आई. आर. संख्या एस-224/अर्जन—अतः

मुझे, अमर सिंह बिसंन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 137/12 ख है तथा जो लकिया गनेशगंगा सूशेद बाग फाटक (शहर लखनऊ) में स्थित है (और इससे उपबृक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यदि विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के शायदिव में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुबेर रत्नवीर सिंह

(अन्तरक)

2. श्री मनीष कुमार गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ब्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवृत्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दर्क्षणी भाग मकान दो मौजिला पुराना नं. 137/130 नया 137/13 ख मय आराजीतावादी 3451 वर्गफिट स्थित मोहल्ला ताकिया गनेश गंज (खुशेंद बाग फाटक) शहर लखनऊ तथा वह समूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37-जी संख्या 4827 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 18-7-1981 को किया जा चका है।

अमर सिंह बिसंन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 30-11-1981
मोहर :

प्रस्तुत माईं टो० पद० एव०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण)

अर्जन रेज़, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जनवरी 1982

निवेश नं. जी. आई. आर. सं. जी-52/अर्जन—अतः
मुझे, विनोद कुमार,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक हैऔर जिसकी सं. 220ए (वि. नं. 23/12 है तथा जो गोखले
मार्ग लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाधान अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 27-6-1981को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोत्तम सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वाक्तव्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. जसी वी मलकानी
कुमारी माला मलकानी
(अम्तरक)
2. मेसर्स गोपाल आबे डिस्ट्रो एटर्स प्रा. लि. 23/12
गोखलेमार्ग लखनऊ द्वारा इसके मनीजिंग डाईरेक्टर
श्री विजय गोपाल
(अन्तरिती)
3. उपरोक्त अन्तरिती
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बंगला नं. 220-ए (मिनिस्पल नं. 23/13) स्थित गोखले
मार्ग शहर, लखनऊ मध्य द्वारा एवं भूमि पैमाइशी 16676 वर्ग-
फिट आदि तथा वह सम्पूर्ण संपत्ति जो सेलडाइ व फार्म 37-जी
सं. 43/74/81 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार
लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 27-6-1981 को किया जा
चुका है।

विनोद कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण),
अर्जन रेज़, लखनऊ

तारीख : 13-1-1982
मोहर :

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रसूप धाई० टी० एम० एव०---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 जनवरी 1982

निवेश नं. जी. आई. आर. संख्या एन-43/अर्जन—अतः
मूर्ख, विनोद कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में 35-ए है तथा जो गोखले मार्ग-लखनऊ में
स्थित है (और इसमें उपालवड्ह अनुमती में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 3-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में
ग्रंथिक है और अन्तर (प्रन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरितियों)
के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आद की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वार्षिक
में कमी करने गा उसमें बचते में सुविधा के लिए;
धीर/या

(ख) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः भज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं
उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्धातः—

1. सर्वश्री इन्द्रा आनन्द
श्रीमती रीतू मेहरा
श्रीमती कामिनी भण्डारी
पूर्ण भसीन

(अन्तरक)

2. श्रीमती निर्मल कुमार जैन

(अन्तरिक्ती)

3. श्री नरेंद्र गोयल (किरायेदार)
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति से अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अकित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकें।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्याय होगा, जो उक्त प्रधार में दिया गया है।

मनुसूची

मकान नं. 35-ए मध्य भूमि व भवन के स्थित गोखले मार्ग
शहर लखनऊ सथा वह सम्पूर्ण संपत्ति जो सेलडॉ और फार्म 37-
जी संख्या 3876 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार
लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 5-6-1981 को किया जा
चुका है।

विनोद कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, लखनऊ

तारीख : 30-1-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

निदेश सं. जी. आई. आर. सं. एन-42/अर्जन—अतः
मुझे, विनोद कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. (बन्दावस्ती) 275/3 है तथा जो ग्राम तुलसी-
पुर परगना दहा अमानत जिला वाराणसी में स्थित है (और इसमें
उपाख्य अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-6-1981
को पूर्विक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्विक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदूषण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए लग
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी कुनौ या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जारी/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के, अन्तरण
में, मैं, एकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 6—

1. श्री जोगेन्द्र नाथ महरा द्वारा मन्त्रिव श्री भवनेश्वर
प्रसाद

(अन्तरक)

2. मैसर्स नवोदित सहकारी आयाम समिति लि. नंजि.
आफिस स्थित सौ. के. 65/190 बडोपियरी वारा-
णसी।

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरक (37-जी फार्म के अनुसार)
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्विक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

आराजी बन्दावस्त नम्बरी 275/3 रकमा 9 डिसम्बर
याने कि 3924 वर्गफिट स्थित सोजा तुलसीपुर परगना-देहात-
अमानत जिला वाराणसी तथा वह सम्पूर्ण संपत्ति जो मंलडीड और
फार्म 37-जी फार्म संख्या 4594 में वर्णित है जिनका पंजीकरण
सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 20-6-1981 को
किया जा चका है ।

विनोद कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 30-12-1981
मोहर :

प्रसूप प्राईंटी० टी० एन० एस०—

प्रापकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना 411004, दिनांक 12 जनवरी 1982

निदेश म. सीए 5/एस. आर. हवेली-।।/जून 81/559/
81-82—यतः मुझे, शिशकान्त कलकर्णी,
प्रापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के
अधान भास्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी स. रजनीगंधा अपार्टमेंट नं. बी 9, प्लाट नं.
5 और 6, एफ. पी. नं. 447 टी. पी. एस. नं. । है तथा जो
गोखले पथ, शिवाजीनगर, पूणे 16 में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय दूर्घम निर्बंधक हवेली ।। में, रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1981

को पूर्णीकृत मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत को गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दूर्घमान प्रतिफल से ऐसे दूर्घमान प्रतिफल का अद्वितीय प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है।-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने
या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुत्तरण में,
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ।—

।। मेरसर्स शिवसरा देसाई और असोसिएट्स 447/5,
गोखले पथ, पूणे 16

(अन्तरक)

2. श्रीमती मिरा ए वाध बी-9, रजनीगंधा अपार्ट-
मेंट्स 447, गोखले पथ, पूणे 16

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तरस्करणी व्यक्तियों वर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ॥—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अडाय 20-क में वरिभाषित
है, वही मर्यादा होगा, जो उस अडाय में दिया
गया है।

बनसूची

इमारत जो रजनीगंधा अपार्टमेंट्स नं. बी-9 प्लाट नं. 5
और 6, एफ. पी. नं. 447, टी. पी. एस. नं. ।, गोखले
पथ, शिवाजी नगर, पूणे 16 में स्थित है। (जोसे कि रजि-
स्ट्रीकरण विलेख क्र. 1982 जो जून 1981 में दूर्घम निर्बंधक,
हवेली-।। के वफ्तर में लिखा है।)

शिशकान्त कलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 12-1-1982
मोहर :

प्रक्रम प्राइंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदाएँ

269 वा० (1) के प्रबंधन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, पूना-411004

पूना-411004, विनांक 12 जनवरी 1982

निदेश सं. सी. ए. 5/एम. आर. हवेली-11/558/जून
81/81-82—यह मर्फ़े, शिक्षिकान्त कूलकणी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आदा
269-वा० के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वा०, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उत्तर बाजार
मूल्य **25,000/-** से अधिक है

और जिसकी सं. रजनीगंधा अपार्टमेंट्स, बी-4., प्लाट नं. 5
और 6, एफ. पी. नं. 447, टी. पी. एस. नं. 1 है तथा
जो गोखले पथ, शिवाजीनगर, पुणे 16 में स्थित है (और
इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली निबंधक हवेली-1। में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए प्रत्यक्ष संपत्ति की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण
है कि दृश्यपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक
है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा याद गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्र
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनामे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-वा० के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. भर्सा लिखसरा इसाई और असोसिएट्स, 447/5,
गोखले पथ, पुणे 16।
(अन्तरक)

2. श्री कंशव दिनकर काळे, बी०, रजनीगंधा अपार्टमेंट्स
447/5, गोखले पथ, पुणे 16।
(अन्तरिती)

को, यह सूचना आगे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा घब्रोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इमारत और रजनीगंधा अपार्टमेंट्स बी-4, प्लाट नं. 5 और
6, एफ. पी. नं. 447, टी. पी. एस. नं. 1, गोखले पथ,
शिवाजी नगर, पुणे 16 में स्थित है।

रजिस्ट्रीकृत विलेस क्र. 1950 जो जून 1981 में दर्यम
निबंधक, हवेली-1। के दफ्तर में लिखा है।

शिक्षिकान्त कूलकणी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, पूना-411004

तारीख : 12-1-1982
मोहर :

प्रक्षेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, पुना-411004

पुना-411004, विनांक 12 जनवरी 1982

निर्देश सं. भी. ए. 5/एस. आर. सोलापुर/जून 81/
563/81-82—यतः मुझे, शशिकालत कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 102 भी/7+8+9/26 है
तथा जो सोलापुर शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्त-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी
के कार्यालय दृश्यम निबंधक सोलापुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून,
1981

को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में धारावाचिक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री माणीकलाल मोतीलाल सारडा, मकान नं. 102-
भी/7+8+9, भवानी पेठ, सोलापुर।
(अन्तरक)

2. (1) श्री शंकरलाल मोतीलाल सारडा, (2) श्री इयाम
सुदर मोतीलाल सारडा, मकान नं. 102भी/7+
8+9, भवानी पेठ, भी, सोलापुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरंभ करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इमारत जो एफ. पी. नं. 102भी/7+8+9/26 शहर
सोलापुर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1568 जो जून, 1981
में दृश्यम निबंधक सोलापुर के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकालत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, पुना-411004

तारीख : 12-1-1982
भोहर ॥

प्रह्लप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 12 जनवरी 1982

निम्नोंसं. सी.ए. 5/एम. आर हवेली-11/जन 81/
557/81-82—यत् मभे, शशिकान्त कलकणी^१,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' रहा गया है), की धारा 269-ष के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, त्रिपक्षा उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० में
अधिक है।

और जिसकी सं रजनीगंधा अपार्टमेंट्स न. बी-111, प्लाट
नं 5 और 6 एफ. पी. न 447 टी. पी. एम. नं 1 है
तथा जो गोखले पथ, शिवाजी नगर, पूर्ण 16 में स्थित है
(और इसमें उपावदध अनुसूची में और पर्ण स्पष्ट में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्रव्यम निबंधक हवेली-11
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुड़ि किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1923
(1923 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं विधा
गया था या किया जाना चाहिए था, तिनारे में
सुविधा के लिए;

इमारत जो रजनीगंधा अपार्टमेंट्स बी-111, प्लाट नं. 5 और
6, एफ. पी. नं. 447, टी. पी. एम. नं. 1, गोखले पथ,
शिवाजी नगर, पूर्ण 16 में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूल विलेस एफ. 1983 जो जून, 1981
में द्रव्यम निबंधक हवेली 11 के दफ्तर में लिया है।)

शशिकान्त कलकणी^१
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना-411004

ग्रन्त: प्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की उपधारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्याकरणों, अर्थस्:—
11—486GI/81

तारीख : 12-1-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पूना-411004

पूना-411004, विनांक 12 जनवरी 1982

निवेश सं. सी. ए. 5/एस. आर. हवेली-11/जून 81/
561/81-82—यतः मुझे, शशिकान्त कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. रजनीगंधा अपार्टमेंट नं. बी-11, प्लाट
नं. 5 और 6, एफ. पी. नं. 447, टी. पी. एस. नं. 1
है सथा जो गोखले पथ, शिवाजीनगर, पूणे 16 में स्थित है
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्घम निबंधक हवेली-11
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दू किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अकारक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः मत, उक्त अधिनियम की धारा 269-के, अनुसूचणा
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ज्ञातः—

1. मेसर्स लिवसर दसाई और अमोसिएट्स, 447/5,
गोखले पथ, पूणे 16।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नलिनी डी. दनछोड, बी-11, रजनीगंधा
अपार्टमेंट्स, 447, गोखले पथ, पूणे 16।
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन को अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाय
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

इमारत जो रजनीगंधा अपार्टमेंट्स, बी-11, प्लाट नं. 5 और
6, एफ. पी. नं. 447, टी. पी. एस. नं. 1, गोखले पथ,
शिवाजी नगर, पूणे 16 में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 1947, जो जून, 1981
को दुर्घम निबंधक, हवेली 11, के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकान्त कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पूना-411004

तारीख : 12-1-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०— -----

1. मेसर्स लिवसरा देसाई और असोसिएट्स, 447/5,
गोखले पथ, पुणे 16।
(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री विजय जे. शाह, बी-5, रजनीगंधा अपार्टमेंट्स
447, गोखले पथ, पुणे 16।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पुना-411004

पुना-411004, विनांक 12 जनवरी 1982

निवेश सं. सी. ए. 5/एस. आर. हवेली-1।/जून 81/
556/81-82—यतः मुझे, शिक्षान्त कुलकर्णी,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मं. रजनीगंधा अपार्टमेंट्स नं. बी-5, प्लाट
नं. 5 और 6, एफ. पी. नं. 447, टी. पी. एस. नं. 1
है तथा जो गोखले पथ, शिवाजीनगर, पणे 16 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दृष्ट्यम निर्भयक हवेली-1।
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रतिरोधिता में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बच्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसूची

इमारत जो रजनीगंधा अपार्टमेंट्स बी 5, प्लाट नं. 5 और
6, एफ. पी. नं. 447, टी. पी. एस. नं. 1, गोखले पथ,
शिवाजीनगर, पणे 16 में स्थित है।

(जिसे कि रजिस्ट्रीकूट विलेस फ. 556 जो जून, 1981
में सब रजिस्ट्रार, हवेली-1। के दफ्तर में लिखा है।)

शिक्षान्त कुलकर्णी
सकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पुना-411004

तारीख : 12-1-1982

मोहर :

प्रकृत्य आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 12 जनवरी 1982

निर्देश सं. सी. ए. 5/एस. आर. हवेली-।।/जून 81/
560/81-82—तथा: मऱ्फे, शशिकान्त कलकणी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थायक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है

और जिसकी सं. रजनीगंधा अपार्टमेंट्स नं. बी-।।, प्लाट
नं. 5-और 6, एफ. पी. नं. 447, टी. पी. एस. नं. ।
है तथा जो गोखले पथ, शिवाजीनगर, पुणे 16 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दृश्यम निबंधक हवेली-।।
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
बास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
धैर्य/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. भेसर्स खिवसरा देसाई और असोसिएट्स, 447/5,
गोखले पथ, पुणे 16।
(अन्तरक)

2. श्री पी. एम. नाबर, बी-4, रजनीगंधा अपार्टमेंट्स,
447, गोखले पथ, पुणे 16।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाक्ष के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
जर्म होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

इमारत जो रजनीगंधा अपार्टमेंट्स बी-4, प्लाट नं. 5 और
6, एफ. पी. नं. 447, टी. पी. एस. नं. 1, गोखले पथ,
शिवाजीनगर, पुणे 16 में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलंब क्र. 1948 जो जून, 1981
को दृश्यम निबंधक, हवेली-।। के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकान्त कलकणी
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, पूना-411004

तारीख : 12-1-1982
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्रीमती कनिका दास और दूसरों।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

2. अम्बर प्रोपार्टिस (प्रा.) लि.

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 21 दिसम्बर 1981

निदर्शा सं. 996/अर्जन आर.-111/81-82—यतः मूझे,
आई. वी. एस. जूनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है
और जिसकी में 25 हैं तथा जो बटारलो स्ट्रीट, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15-6-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में स्विभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

25, बटारलो स्ट्रीट, कलकत्ता, जमीन साथ मकान, 1/18
शेयर, दलिल सं. 4965।

आई वी. एस. जूनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-111, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों व्यक्ति:—

तारीख : 21-12-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-4., कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1982

निवेश सं. ए. सी. 82/रंज-4/कल/1981-82--यतः
मुझे, के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'अक्षत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 137 है तथा जो कसुन्निया रोड, हावड़ा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
10-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

बता: उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. रेखा रानी धोष

(अन्तरक)

2. जगबन्धु चटजी^१

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेप !—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर धूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बदल किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रथ्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रथ्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन 2क. 8छ. 25 वर्गफॅट मकान समेत पता—137
कसुन्निया रोड थाना—शिवपुर, जिला—हावड़ा, दलील
संख्या नं. 3045 का 1981।

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-4, कलकत्ता
54, रफीओहमद किल्वार्ड रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 11-1-1982

मोहर :

प्रखण्ड साई० टी० एन०, एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-4, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्देश सं. ए. सी. 83/रोड-4/कल/1981-82—यह:
मुझे, के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन मध्यम प्रविक्षारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो महम्मद हुसैन, स्ट्रीट बाई
नेन में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय आसनसोल
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 25-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित
नहीं किया था :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य ग्राहितियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः; अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमाणि : —

1. जोग प्रकाश बनवाला

(अन्तरक)

2. उमा देवी बनवाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् किसी
प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृश्याकारी के पास लिखित
में किए जा सकें।

हठोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 2 क—13छ मकान समेत, पता—महम्मद हुसैन स्ट्रीट
बाई लेन, थाना—आसनसोल, जिला बद्र्धवान दस्तावेज नं.
4270 का 1981।

के. सिन्हा
संसद प्राधिकारी
संहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोड-4, कलकत्ता
54, रफीजहमद किलाबाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 11-1-1982
मोहर :

प्रलूप आई.टी.एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्देश सं. ए. सी. 84/रंज-4/कल/1981-82—यतः
मुझे, के. सिन्हा,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 109 है तथा जो टायगोर रोड, आसनसोल
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आसनसोल में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
इतिहास में कभी करने या उससे बचने में सूचित
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आधकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सूचित के लिए;

अनुसूची

जमीन 2क. 14छ. मकान सहित पता—109, टायगोर
रोड, विषाणुम, थाना—आसनसोल, जिला—बहर्घवन दलील
संख्या नं. 4220 का 1981।

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-4, कलकत्ता
54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षीत्:—

तारीख : 11-1-1982
मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 4 विसम्बर 1981

निवेश सं. 383/81-82—यतः मूझे, श्रीमती मंजु माधवन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी सं. सि. टि. एस. नंबर 3023 है, जो कडे-बाजार, बैंगलोर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, बैंगलोर डाक्युमेंट नंबर 1581 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-10-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अनुरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदल में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12-486GI/81

(1), (1) श्री एकार अल्लाउद्दीन पाचापुरे (2) श्री मुनाक अल्लाउद्दीन पाचापुरे (3) श्री अब्दुल मजीद अल्लाउद्दीन पाचापुरे (4) श्री अब्दुलरजाक अल्लाउद्दीन पाचापुरे (5) श्री उल्लाउद्दीन पाचापुरे की पत्नी श्रीमती जैवन्तीसा, 3023 कडोबजार, बैंगलोर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुकाराम नंदपा मुरकरमाल, 3837, कोते-बैंगलली, बैंगलोर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रावेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रोर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

मंजुसूची

बैंगलोर खड़ेबजार में स्थित बिल्डिंग (जमीन सहित) जिसका सि. टि. एस. नंबर है 3023।

श्रीमती मंजु माधवन
सकाम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, बैंगलोर

तारीख: 4-12-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेगलोर

बेगलोर, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

निदेश सं. 391/81-82—यतः मूँझे, श्रीमती मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं 8 है तथा जो हुल्लहल्ली ग्राम, तालुक होलेनरसीपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होलेनरसीपुर अंडर लाक्यूमेट नंबर 165 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण में, दौरे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एच. चिन्नस्वामी की पत्नी एच. सि. इंदिरमा हड्डिगर वीदि होलेनरसीपुर

(अन्तरक)

(2) श्री सुब्बाराव का पुत्र श्री एच. एस. मजना हल्लहल्ली ग्राम, के होस्कोटे होवली तालुक होलेनरसीपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताप्रिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मंजुसूची

होलेनरसीपुर तालुक, हुल्लहल्ली ग्राम में स्थित 4 एके 32 गुटा कोकान्ट गाइन जिसका सर्वे नंबर है 8।

श्रीमती मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बेगलोर

तारीख : 15-12-1981
मुद्रितः

प्रसूप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

(1) (1) श्री एच. सि. रमेशबाबू (2) महालक्ष्मा
हासन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सूब्बाराव का पुत्र श्री एच. एस. मंजना हुल्ला-
हल्ली, ग्राम, के होसकोटे होबली तालूक होलेनरसी-
पुर

(अन्तरिक्त)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

निवेद सं. 392/81-82—यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. सदै नम्बर 12, 9/1 और 9/2 है, जो
हुल्लहल्ली ग्राम, तालूक होलेनरसीपुर में स्थित है (और इसमें
उपाध्यक्ष अनसूची में और पूर्ण व्यप्ति से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, होलेनरसीपुर अंडर डाक्यूमेंट नम्बर
166 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 2-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इक्षमान प्रतिफल से ऐसे इक्षमान प्रतिफल का प्रन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिक्ती (अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए गौर/या

होलेनरसीपुर तालूक, हुल्लहल्ली ग्राम में स्थित निम्नलिखित कोकांट गाडीन संबंधी एके-गूंटा

12	1-21
9/1	0-13
9/2	0-13

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा की लिए;

श्रीमती मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलोर

ज्ञ: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 15-12-81
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निवेश स. सि. आर. नं. 62/30887/81-82/एक्वी-
वी—यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन संभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं. 150 है, तथा जो 5 मेन, चामराजपेट, डिविशन 26, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्सूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रोजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बसवनगडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री टी. के. वासवेवमती, टी. जी. शेषगिरी राव
1286/2, कृष्णमती पुरम, मैसोर, काम्प बंगलूर।
(अन्तरक)

(2) श्री पी. एन. सदाशिवम्भा, टी. नंजुलूपा के पत्र,
नं. 1, 4 क्रास, शंकरपुरम, बंगलूर-4।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी वाक्येष :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तात्परी से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 765/81-82 ता. 5-6-81)
सम्पत्ति का एक भाग, पुराना नं. 16, उसके बाद 17 और
17/1 अब 150, 5 मेन, चामराजपेट डिविशन 26, बंगलूर।

पूर्व—सोंठेकप्पा रामस्वामी शास्त्री का घर,
परिषम—आर. नारायण राव का घर,
उत्तर—सम्पत्ति सं. 149,
दक्षिण—5 मेन, चामराजपेट,
पूर्व-परिषम 30',
उत्तर-दक्षिण <u>70+72</u>

2

श्रीमती मंजु माधवन
संभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 17-12-1981

मोहर (.)

ज्ञतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप शाहौर, टी. एन. एस.-----

1. श्री सार्विक हुमेन, नं. 4, वरवाजा नं. 7, मीनाक्षी
कोयील स्ट्रीट, बंगलूर-560001।

(अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. गिरनार विल्डर्स, प्रतिनिधि—मनेजिंग डिरेक्टर श्री
किरिता शा उत्तम चंद के पुत्र, नं. 33/15 मेन
रोड, गांधीनगर, बंगलूर-560009।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 दिसम्बर 1981

निर्देश मं. सौ. आर. न. 30889/81-82/एक्ट्री. /
बी—यतः मूर्ख, श्रीमती मंजु माधवन,
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी मं. घर के पश्चिम भाग की संख्या 2 है, तथा जो
आर्टिलरी रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, शीवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-6-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रद्वय प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बीरु/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आँचलियों
को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधृतः :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 882/81-82 ता. 15-6-81)
घर के पश्चिम भाग का नं. 2, आर्टिलरी रोड, सिविल
स्टेशन, बंगलूर-8, जिसके पूर्व में घर का बचा हुआ भाग नं.
2, आर्टिलरी रोड है। उत्तर में सामान्य एक गली जिसका
विस्तरण 10', दक्षिण में एक सामान्य गली नं. 2 आर्टिलरी
रोड तक है जहां एक बड़ी गेट और दो नारियल के पौधे हैं,
दो आम के पेंड और कई छोटे-छोटे पौधे हैं। एक फौवारा भी
है। दक्षिण और उत्तर की गली एक ही है। लेकिन दक्षिण की
गली को घर मालिक अपनी गाड़ियों को वहां खड़ा नहीं कर
सकता, वह सिर्फ आ जा सकता है।

श्रीमती मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, बंगलूर

तारीख : 18-12-1981

मोहर :

प्रधान माई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 जनवरी 1982

निदेश सं.—यह मुझे, श्रीमती मंजु माधवन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. सबै नम्बर 261 है, तथा जो अनूर ग्राम, वस्तारे होबली, तालूक चिकमंगलूर दे स्थित है (और इससे उपावदाध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिकमंगलूर, अडर डाकमेंट नम्बर 652/81 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-6-1981

को व्यक्ति सम्पत्ति वे: उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, पेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह गतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के शीब ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्ननिम्न उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिथिन में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम न अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त आधानियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिद्धि अनुभूत्यों अस्ति ॥—

1. (1) श्री ए. टी. नंजेगोडा, (2) श्री ए. एन. अशोक, (3) श्री ए. एन. ओंकारमूर्ती, (4) श्री ए. एन. बसवराज, (5) श्री ए. एन. देवराज, अनूर ग्राम, वस्तारे होबली, तालूक चिकमंगलूर। (अन्तरक)

2. (1) श्री गुलाम मोहीबीन के पुत्र श्री एच. एम. निसार अहमद, कार्कि प्लाटार्टर, अनूर ग्राम, केसरिके तालूक, चिकमंगलूर, (2) श्री महमद कजल रहमान के पुत्र श्री फियाउर रहमान, कार्कि प्लाटार्टर, वस्तारे होबली, मैलिमने ग्राम, तालूक चिकमंगलूर। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयित्व करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि अ वहस्ताक्षीणी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छिपाये गए किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षीणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

टायटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चिकमंगलूर तालूक, वस्तारे होबली अनूर ग्राम में स्थित 8 एकड़ कार्कि प्लाटार्टर जिसका सबै नम्बर 261 है।

श्रीमती मंजु माधवन
सकारा प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैज, बंगलूर

तारीख : 16-1-1982
भीहर H

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 16 जनवरी 1982

निवेश सं. 398/81-82—यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं भवे नंबर 42/पी. है, जो थोग्रीहंकल ग्राम, तालूक चिकमंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिकमंगलूर अंडर डाक्यूमेंट नंबर 646/81 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुग्ते यदृ विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एक ही प्रतिशत अधिक से है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिथों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवति:—

1. श्री टी. बी. नागेश के पुत्र श्री टी. एन. मल्लनगीडा कार्कि पल्याटर, के. एम. रोड, चिकमंगलूर।
(अन्तरिती)

2. श्री टी. बी. नागेश के पुत्र श्री टी. एन. चन्द्रबसव-गौडा, कार्कि पल्याटर, के. एम. रोड, चिक-मंगलूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्लोइ भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि पा तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चिकमंगलूर तालूक, जगरा होमेली, थोग्रीहंकल ग्राम में स्थित 4 एकड़ 30 गुंटा कार्कि पल्याटेशन जिसका सं भवे नंबर 42/पी है।

श्रीमती मंजु माधवन
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूरु

तारीख : 16-1-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 जनवरी 1982

निदेश न. मी. आर. 62/31716/81-82/अर्जन बी.---

यतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 565 है तथा जो ।। स्टेज, कोरमंगला
लेआउट, बंगलूर-35 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी
के कार्यालय, बंगलूर वक्षिण तालिका में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 17-6-81
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित ढंग है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की आबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्होंने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वी. पी. वंकटशेन दीविंगत आर. वंकटराम के
पुत्र मंसर्स के एम. टी. डी. मद्दर

(अन्तरक)

2. कुमारी स्वप्ना चद्रशेखर श्री आर. चद्रशेखर की पुत्री
सं. 565, कोरमंगला लेआउट ।। स्टेज, ।।
स्टेज, बंगलूर-35

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूषण
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तीकरी के पास
तिलिंग में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

मंजु माधवन

(दस्तावेज सं. 1245/81-82 ता. 17-6-81) घर संपत्ति
है जिसकी सं. 565, ।। स्टेज, कोरमंगला लेआउट बंगलूर-
35।

श्रीमती मंजु माधवन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 2-1-1982

मोहर :

प्रसूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, वैगलोग

बैंगलूरु, दिनांक 8 जनवरी 1982

निवेश सं. सी. आर. 62/31385/81-82/अर्जन वी.---
यतः मुझे, मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मं. 23/5 है तथा जो लावेल रोड म्याकिवर
टाउन कारपोरेशन, डिवीजन मं. 60, बैंगलूरु-1 में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण
रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
शिवाजी नगर, बैंगलूरु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908
का 16) के अधीन, तारीख 18-7-1981
को प्रार्थक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रार्थक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
प्रदूषण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतीक-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हृदृश्य किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा(1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

13-186GT/81

1. श्रीमती जमजा बहू श्री एस नटराजन, की पत्नी
23/4, लावेल रोड, म्याकिवर टाउन सिविल
स्टेशन, बैंगलूरु-1

(अन्तरक)

2. मंमर्म लोहारू, स्टील इन्डस्ट्रीज लिमिटेड प्रति-
निधि है इसका मैनेजिंग डाइरेक्टर श्री वी. डी.
अगरवाल मं. 20 फारिप्पा लैन बैंगलूरु-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 1297/81-82 ता. 18-7-81)

खुला जगह है जिसका नया मं. 23/5, लावेल रोड म्याकिवर टाउन, कारपोरेशन, डिवीजन मं. 60 सिविल स्टेशन, बैंगलूरु-1	} पूर्ण परिमाण है 4975 स्कैर फीट
जिसका परिमाण है	
उत्तर--50 फीट	
पूर्व--96 फीट	

दक्षिण--51 फीट
पश्चिम--101 फीट

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बैंगलोर

तारीख : 8-1-1982

मोहर :

प्रस्तुप आर्ड. टी. एन. एस.—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा(1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 विसम्बर 1982

निर्देश सं. सि. आर. 62/31074/81-82/एक्वी./वी—यतः मर्भे, मंजू माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा(1) के अधीन सक्षम प्राविष्ठानी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. '22 है, तथा जो पाम ग्रोव रोड, बंगलूर-60 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध जनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-6-1981

के पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की बई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यकापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविहि में बास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। घोर/गा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अनुवर्ती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा(1) के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा(1) के उपस्थाना (1) के अधिकारी निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती बालम्मा और आठ आदमी, कोडहिन्नी एच. ए. एल. पोस्ट, बंगलूर-560017।
(अन्तरक)

(2) एम/एस. हांगम्मा विल्डर्स डेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, 378/8, 6ठा ए. क्रास, 13 मंत्र रोड, ग्राममहल विलास एक्सटेन्शन, बंगलूर-6।
(अन्तरिती)

(3) बेचनेवाला तथा सरीबदार।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी हरके तर्कत प्रमत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोत्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वडी अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

(दस्तावेज सं. 966/81-82 ता. 22-6-1981)

वर और उसमें मिल हुई भूमि का नं. 22, पाम ग्रोव रोड बंगलूर है, इसके उत्तर और दक्षिण दिशा में एकान्त सम्पत्ति है, पूर्व में सुली नाली और पाम ग्रोव रोड है, पश्चिम में एकान्त सम्पत्ति है।

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 10-12-1981
मोहर :

प्रधान आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती आर. रुक्मिणी, श्री रामकृष्ण रेड्डी कर्णपति, 20, हफ्फल्टी रोड, बंगलूर-1।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम. राष्ट्रवेन्द्रा, श्री एम. मनिवेन्कटप्पा के पुत्र, 52/16, 1st कास, लालबाग रोड, बंगलूर-27।
(अन्तर्भूत)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 जनवरी 1982

निदेश सं. मि. आर. नं. 62/31814/81-82/ए. सी क्यू./बी—यत. मुझे, मज. माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मं. 20 है, तथा जो इफ्फल्टी रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावदार अनसूची में और पर्याप्त रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-8-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवर्वक्त संपत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्रम) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण म है किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीय को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घावेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिसूचनादारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

बंगलूरु

(दस्तावेज सं. 1677/81-82 ता. 24-8-1981)

मेर का एक भाग, उसका नं. 20 (पुराना नं. 12), हफ्फल्टी रोड, बंगलूर-1, पूर्व से पश्चिम तक—100', उत्तर से दक्षिण तक—90', इसके पूर्व में यूनियन स्ट्रीट, पश्चिम में कास रोड है, उत्तर दिशा में श्री आर परसमूल के सम्पत्ति है, और दक्षिण में श्री कृष्ण मूर्ति तथा बंधनवाले कि सम्पत्ति है।

मंज. माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, बंगलूर

तारीख : 5-1-1982

मोहर :

प्रस्तुप् आई.टो.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 जनवरी 1982

निवेश स. सि. आर न. 31082/81-82/ए. सी
क्यू./वी—यत. मूर्ख, मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है
और जिसकी सं. 30/2 अब 30/9 है, तथा जो नज़पा मेन
रोड, शांति नगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावदध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जेयनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-6-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के लिए अंतरित की गई है और मूर्खे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापवेक्ष संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल
का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(व.) अन्तरण में हड्डी कमी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) (1) श्री बी. ए. रामकृष्ण सेट्टी, (2) श्री गी.
आर. लक्ष्मिकान्त गुप्ता, न. 11/2/62, अप्प
गव रोड, 6, मैन चामराजपेठ, बंगलूर-18।
(अन्तरक)

(2) श्री तलसी बी. बाट्या, 358, 13वा मन रोड,
राज महल, विलास एक्सटेन्शन, बंगलूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं।
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 1542/81-82 ता. 29-6-1981)

भूमि नं. 30/2, अब 30/9, नंजपा मेन रोड, शांति नगर
बंगलूर-27 में स्थित है, इसका विस्तार

$$\frac{89' + 63'}{2} \times \frac{79' \times 43'}{2} \text{ है।}$$

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 2-1-1982
मोहर .

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रस्तुत वाई. टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज़, बंगलूरु
 बंगलूरु, दिनांक 2 जनवरी 1982

निवेश सं. सि. आर नं. 62/32338/81-82/ए. सी.
 कृ. /बी—यतः मुझे, मंजू माधवन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
 के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु. से अधिक है

और जिसकी भं. 7 है, तथा जो नालडी गांव, मडिकरे तालुक
 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मरकोरा में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 तारीख 12-6-1981

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का
 प्रदृश्य प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
 लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पि. मम्मी कूट्टी हुज्जी, श्री अब्दुल्ला हुज्जी के
 पुत्र, इंस्ट्रक्टर, कैननर, केरला, (श्री के. अब्दुल्ला
 उनके पि. ए. पकड़ने वाले हैं)।

(अन्तरक)

(2) (1) पाल डी'सिल्वा, (2) जान डी'सिल्वा, (3)
 गाबर्ट डी'सिल्वा, (4) बेंजी लोपे, (5) क्लेर
 लोपे, (6) मार्गरेट आलबिन, 7, होमेकोटे गांव,
 सुर्तिऊपा नाड़, उत्तर कर्नाटक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
 कायांवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्यंत राजपत्र में कोई भी आंदोलन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो
 भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत
 व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
 अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिचालित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 385/81-82 ता. 12-6-81)
 संख्या नं. 7, 144-26 एकड़, नालडी गांव, मडिकरे
 तालुक में स्थित है।

मंजू माधवन
 सकाम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रेज़, बंगलूरु

तारीख : 2-1-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड, बगलूर

बगलूर, दिनांक 2 जनवरी 1982

निवेश से सि आर न 62/31337/81-82/एक्वी
बी—यत मुक्ते, भजु माध्यम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु में अधिक है
और जिसकी सं 26 है तथा जा। ए क्रास, ज सि रोड,
बगलूर से स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीदर्ता अधिकारी के कार्यालय, बमवन
गडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 17-6-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के तिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,
और/या

(ख) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) (1) नारायणमा, (2) एम जी रवि कमार,
(3) एम जी नटराज और शापाल स्वामी कि पति
तथा पूत्र, नं 26, । क्रास, जे सि रोड,
बगलूर।

(अन्तरक)

(2) (1) परमजीत सिंग, सरदार जीवन सिंग के पुत्र,
(2) गुरनित सिंग, परमजीत सिंग के पुत्र।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रदत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं 845/81-82 ता 17-6-81)
घर का नं 26, ।-ए क्रास, जे सि रोड, बगलूर।

मज. माध्यम
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोड, बगलूर

तारीख 2-1-1982
मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 जनवरी 1982

निदेश सं. सि. आर. नं. 62/31312/81-82/ए. सी.
कृ./बी—यतः मङ्के, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के पश्चीन सामन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिवान उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 7-बी (नया सं. 33) है, तथा जो टानरी
रोड, (अब नेताजी रोड) सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित है
(और इससे उपायद्रव्य अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बंगलूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 3-7-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
परम्परा है प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबा, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए;
और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में मुविधा के लिए।

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, पर्याप्त ---

(1) डॉहनवुर फॉलोपिप, डॉहनवुर, तिरुवंतपेनी (डी)
तमिलनाडु (स्टेंट)।

(अन्तरक)

(2) दिव्या शांति किष्ठीयन एमोमियेन, सेन्ट जान
चर्च, मेन्ट जान चर्च रोड, बंगलूर-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्प्रवर्त्ती व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ दोगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 1104/81-82 ता. 3-7-81)

घर सम्पत्ति है जिसकी सं. है 7-बी, टानरी रोड, (नई
सं. 33 और नेताजी रोड), सिविल स्टेशन, बंगलूर।

चकवन्दी है—

उ. में—टानरी रोड, कास लेन,

द. में—प्रिमैसिस सं. 7-ए।

पू. में—प्रिमैसिस सं. 8 से 10 तक

प. में—प्रिमैसिस सं. 31, नेताजी रोड।

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलूर

तारीख : 8-1-1982

महर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 जनवरी 1982

निवेदित म. सि. आर. नं. 62/30890/81-82/ए. मी.
द्यू./बी—यतः मँझे, मंज़् माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 6 है, तथा जो कलासीपाल्यम, एक्सटेन्शन,
बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
ब्रस्टनगड़ी, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-6-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
बन्तर्गती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री प. ब्रन्कटरमण, स. 1, । फ्लोर, 4 क्राम
11 स्टेज, मुधामनगर, बंगलूर-27।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निमार देवगम, 3/2, 4 क्राम, दीड़-
मावल्ली, बंगलूर-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहृणा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनसूची

(दस्तावेज सं. 703/81-82 ता. 4-6-81)

सम्पत्ति है जिसका परिया, पूर्व-पश्चिम—935 फीट और
उत्तर-दक्षिण—112 फीट तथा जो परानी सं. 127, और
नह सं. 6, कलासीपाल्यम एक्सटेन्शन, बंगलूर में स्थित
है।

मंज़् माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, बंगलूर

तारीख : 2-1-1982

मीहर :

प्रस्तुत आहू. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-श (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भारतीय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन: रंजे, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 15 जनवरी 1982

निवेदित सं. 400/81-82—यस: मुझे, श्रीमती मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श व; अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. स्थें नम्बर 132, 133, 134/पी, 137/पी और 150 हैं, जो थोग्रिक्कल ग्राम, जाग्राहोबली, तालूक चिकमगलूर में स्थित हैं (और इससे उपादव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, चिकमगलूर अंडर डाक्युमेंट नम्बर 653 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-6-1981

को पूर्वोक्त सम्मिलित अंतिम बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यथागत अधिकारी निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ए) अन्तरण से हटा किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान:—

14—486GI/81

1. श्री टि. डि. मल्लेश्वर के पुत्र श्री टि. डि. नारेश कार्कि प्लाटर, कड्डुर-मंगलूर रोड, चिकमगलूर (अन्तरक)

2. श्री टि. डि. नारेश के पुत्र श्री टि. एन. चन्द्रबाबू-गोडा, कार्कि प्लाटर, कड्डुर-मंगलूर रोड, चिकमंगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चिकमंगलूर तालूक, जाग्रा होबली, थोग्रिक्कल ग्राम में स्थित निम्नलिखित कार्कि ल्यांड।

संख्या नम्बर एक गुंटा

132 4-21 कार्कि ल्यांड

133 2-09

0-10 वागीयन

134/पी 2-34 कार्कि ल्यांड

137/पी 0-03 कार्कि ल्यांड

150 3-25 वेट ल्यांड

श्रीमती मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बैंगलोर

तारीख: 15-1-1982

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 2 जनवरी 1982

निवेश सं. 386/81-82—यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नम्बर 37/1 (भागशः) है, जो कोलेम
ग्राम, तालूक संगमे, गोदा में स्थित है (और इससे उपादान
अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, संगम, गोदा, अंडर डाक्यूमेंट नम्बर 50/81 में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 17-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कठिन नहीं किया गया है :—

(1) श्रीमती हीराबाई वि. सालगांवकर, सालगांवकर
होस वास्को-डा-गामा, गोदा।

(अन्तरक)

(2) ट्रूरिस्ट इंडिया प्रैवेट लिमिटेड 19/21, अंबालाल
दोंश मार्ग, मुंबई बैबरस, बम्बई-400023

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹ सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसंज्ञी

(क) अन्तरण से है² किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
संविधा के लिए;

गीवा डिस्ट्रिक्ट, संगम तालूक, कोलेम ग्राम में स्थित
1, 37, 405 स्कर्वेर भीटर लुला जगह जिसका नाम है
"कुलना" उर्फ "कुर्टि कोडिचेम भोला" और सर्वे नंबर है
37/1 (भागशः) यह जगह ल्यांड रजिस्ट्रेशन आफिस क्यूपेम में
9351 नम्बर पर ब्रूक 'बि' में नंबर 27 में रजिस्टर किया
है।

श्रीमती मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर बायूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, बैंगलोर

तारीख : 2-1-1982

मोहर :

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रसूप बाई.टी.एन.एस.-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलोर
बंगलोर, विनांक 2 अनवरी 1982

निवेश सं. 387/81-82—यतः मभौ, श्रीमती मंजू माधवन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष(1) के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. घर नम्बर 35 है तथा जो एम. एच. बि. कालनी, विश्वेश्वरनगर, हृबली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूण्य रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, हृबली अंडर अंक्यमेट नम्बर 737 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभौ यह विष्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृश्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, घोर/गा;

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्यकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष(1) के अनुसरण में, मेरे उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष(1) की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वैंकटगौडा सिद्धनगौडा हिरण्येश्वर (2) श्री चंद्रशेकर वैंकटगौडा हिरण्येश्वर (3) श्री वास वैंकटगौडा हिरण्येश्वर हूलकोटी, तालुक गदग (अन्तरक)

(2) (1) श्री गुरुपादपा बसपा महालिंगशेट्टी (2) श्री गुरुपादपा महालिंगशेट्टी की पत्नी श्रीमती पार्वतमा नं. 64, विश्वेश्वरनगर, हृबली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साठ्टो हारण :—मैंने पूरा गवर्नर घोर/गा का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहो अर्थ ही गया जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

महासूची

एम. एच. बि. कालनी, विश्वेश्वरनगर हृबली में स्थित बिलिंग (जगह सहित) जिसका घर नम्बर है 35।

श्रीमती मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलोर

तारीख : 2-1-1982
मोहर :

प्रस्तुप श्री. ट्री. एच. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 2 जनवरी 1982

निवेदा सं. 388/81-82—यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. मर्क नम्बर 272/20 है, जो कामोंना ग्राम, तालूक भार्गोवा, शोधा में स्थित है (और इससे उपाबृथ अन्सूची में और पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, साल्सेट, गोवा अंडर डाक्युमेंट नम्बर 311/81 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-6-1981

को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृह किसी आम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभास (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षितपाँ, अर्थात् E—

(1) (1) अग्नेला कॉर्सिनो जार्ज (2) भारिया गोरेटे चिरिज कोस्टा है जार्ज आकोम अस्टो, मार्गोवा (अन्तरक)

(2) (1) अंटोनियो संवेरिनो काडांजो (2) रैमिया इस्टाकिला कुर्डो काडांजो रेप्रोड्डा, वर्का, सालसेट, गोवा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसूची

गोवा डिस्ट्रिक्ट, सालसेह तालूक कामोंना मार्केट में स्थित बिल्डिंग (जगह सहित) जिसका नाम है "कोल्वीरन ओ टपेलीम" और जिसका सर्व नम्बर है 272/20।

श्रीमती मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बैंगलोर

तारीख : 2-1-1982
मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 2 जनवरी 1982

निर्देश सं. 389/81-82--यतः मुझे, श्रीमती मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रश्नोत्तर सत्रप आधिकारी को, यह विवाद करने
का छाता है फि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० में परिवर्त्तित है

और जिसकी सं. एस नम्बर 11/1 प्लोट नम्बर 68 है, जो
काकोरा, तालूक क्यूपेम, गोवा में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, क्यूपेम, गोवा अंडर डाक्यूमेंट नम्बर
204 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीक 27-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पांच:
प्रतिशत अधिक है और प्रमत्तरक (प्रमत्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्विता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आवृत्त था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

यतः प्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (1) रासी डीसिलवा (2) बेलोमिनो डीसिलवा,
डीयाबो, क्यूपेम, गोवा
(अन्तरक)

(2) (1) श्री शंक अब्दुल अलीए (2) श्री शंक महमद
करूक (3) श्री शंक महमद सादिक (4) श्री शंक
अफमतुल्ला, बाटा शू शोप, रेलवे स्टेशन रोड,
कर्कोरम, गोवा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी नहके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इप दूवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि तथा इपन्द्रियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिद्वारा;

(ख) इस दूवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्द-
बहु किसी प्रथा व्यक्ति द्वारा, अवोद्धस्ताकरी के
रात विवित में किए जा सकें।

स्वाहो हरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधाय 20-व में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

मनुसूची

गोवा, क्यूपेम तालूक काकोरा ग्राम में स्थित बिल्डिंग (जगह
सहित) जिसका नाम है "करियाली मोडा" और जिसका प्लोट
नम्बर है 68 और एस नम्बर 11/1।

श्रीमती मंजू माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलोर

तारीख : 2-1-1982

मोहर :

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रंज, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 2 जनवरी 1982

निवेश सं. 393/81-82—यतः मृझे, श्रीमती मंजु माधवन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी सं. फ्लैट नम्बर 6 प्लॉट नम्बर 12 है, जो अल्टो
 बैटम ग्राम, गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
 और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
 इलहास, गोवा अंडर डाक्युमेंट नम्बर 251 में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 17-6-1981
 की पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्रीमती आने फिगराडो (2) श्री फिलिप ओसेस
 लारेन्स फिगराडो प्रतिनिधि श्रीमती भेरी फिग-
 राडो पोर्वोरिम, सकारारे, गोवा।
 (अन्तरक)

(2) श्री जोकिम जोस लारेन्सो फर्नांडिस फ्लैट नम्बर
 6 अल्टो प्लाजा बिल्डिंग अल्टो बैटम, गोवा।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
 है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अल्टो बैटम गोवा में स्थित "अल्टो प्लाजा" बिल्डिंग में
 प्लाट नम्बर 6 जो दूसरी मंजिल में है, यह बिल्डिंग प्लॉट
 नम्बर 12 में स्थित है।

श्रीमती मंजु माधवन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रंज, बैंगलोर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 2-1-1982
 मोहर :

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, बैंगलोर
 बैंगलोर, दिनांक 16 जनवरी 1982

निवेश स 394/81-82--यत मर्म, श्रीमती मज्जु माधवन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी में एस नंबर 54, 116 और 115 (भागशा)
 है, तथा जो बिंबवल्लि और नगी ग्राम, तालुक कोप्पा में स्थित
 है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोप्पा अड्डे डाकघूमटे न
 230 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन, तारीख 6-6-1981
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्म यह विवारा
 करने का कारण है कि इथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की वापत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

1 मैसर्स दी मैसर प्ल्याटफ्लॉनस लिमिटेड, क्वार्ट हिटलो
 कोप्पा, डिस्ट्रिक्ट चिकमंगलोर।

(अन्तरक)

2 (1) श्री ए आर माहनराव के पूर्व श्री ए प्रभाकर
 गव, (2) श्री ए आर मोहन राव के पूर्व ए प्रकाश
 राव, (3) श्री ए आर मोहनराव के पूर्व श्री ए
 मरेश गव, अजता कल्नीर, मगलूर।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया
 है।

नन्सूची

चिकमंगलूर डिस्ट्रिक्ट, कोप्पा तालुक बिंबवल्ली और नंगी
 ग्राम में स्थित निम्नलिखित काफि एस्टेट —

ग्राम संख्या नंबर एक-गुटा
 बिंबवल्ली 54-18-00 काफि एस्टेट
 नंगी 115 (भागरा)-7-20 काफि एस्टेट
 नंगी 116-15-00 काफि एस्टेट

40-20

श्रीमती मज्जु माधवन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, बैंगलोर

तारीख 16-1-1982
 मोहर

प्रधान माइंटी.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, बंगलूरु

बैंगलोर, दिनांक 16 जनवरी 1982

निवेदा सं. 395/81-82—यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सदाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सर्वे नम्बर 113 (भागशं), 114 और 115
(भागशं) है, तथा जो नगरी ग्राम, कोप्पा तालूक में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोप्पा अंडर डाक्यूमेंट
नम्बर 229 में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 6-6-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँ रुपरुप किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैसर्स मैसर प्लान्टेशन लिमिटेड, क्वार्ट हिटलो
कोप्पा, इंस्ट्रक्ट चिकमंगलूर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री ए. श्रीपतिराव का पुत्र श्री ए. अशोकराव,
(2) श्री ए. श्रीपतिराव का पुत्र श्री ए. किशोरराव,
(3) मास्टर ए. संजय राव प्रतीनिधि उसके पिता
श्री ए. श्रीपतिराव, 'अलंकार' कलनीर, मंगलूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में दो किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के 20-क में व्यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चिकमंगलूर डिफक्ट, कोप्पा तालूक, नगी ग्राम में स्थित
निम्नलिखित काफि एस्टेट :--

सर्वे नम्बर एके-गुंहा	
113 (भागशं)	19-25
114 (भागशं)	6-09
115 (भागशं)	14-26
	40-20

श्रीमती मंजु माधवन
सभम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़ बैंगलोर

तारीख : 16-1-1982
मोहर

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०—————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलोर

बैंगलोर, विनांक 16 जनवरी 1982

निर्देश सं. 396/81-82—यतः मुझे, श्रीमती मंजु
माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नम्बर 108, 109, 111, और 113
(भागशां) है, तथा जो गुनी ग्राम, तालूक कोप्पा में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कोप्पा अंडर डाकघूमार नं.
231 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 6-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल जो
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधोन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमों करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए,
जीर्या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तयों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

15—486GI/81

1. मैसर्स मैसर प्लोन्टेशन लिमिटेड, क्वाड० हिटसों,
कोप्पा, डिस्ट्रिक्ट चिकमंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्री ए. रमेशराव का पुत्र श्री ए. अरविंदराव,
'कल्पना' कोप्पा, डिस्ट्रिक्ट चिकमंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी दावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टाकरण :—इसमें पूर्वन गवां और पदों ॥, जो उक्त अधिनियम के व्रद्याय 20-के गोपनियत है, वही
प्रथम होगा, जो उस व्रद्याय में दिया गया है।

मनुष्यों

चिकमंगलूर डिस्ट्रिक्ट, कोप्पा तालूक, नगी ग्राम ~~मैं~~ स्थित
निम्नलिखित काफि एस्टेट :—

सर्वे नम्बर एको-गूंटा

108—9-27

109—6-07

111—8-00

113 (भागशां) — 16-21

40-15

श्रीमती मंजु माधवन
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बैंगलोर

तारीख : 16-1-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई. डी. एन. एस. —————

1. श्री नीलकंठ

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

2. डॉक्टर महादेव वस्तो त्रय बल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 फरवरी 1982

निवेदित संग्रहीत अर्जन नं. आर.-2/3203-4/81-82—अतः मूल्य, संधाकर वर्मा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संग्रहीत अर्जन नं. 119 सी टी एस 1053 है तथा जो
एकसर, बारीवली में स्थित है (और इसमें उपादव्ध अनन्सूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, बांद्रा, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-6-1981
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित मर्मान्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
धारात्मक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बच्ने में सुविधा के लिए
आई/या

अन्सूची

अन्सूची जैसा किविलेख संख्या क्र. 93/1978 और जो
सब-रजिस्ट्रार बांद्रा, बम्बई द्वारा दिनांक 30-6-1981 को
रजिस्टड़ किया गया है।

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आर्सेस्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

संधाकर वर्मा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 1-2-1982
मोहर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जनवरी 1982

निवेश सं. ओ आर-3/1994/4/81-82—अतः मुझे,
सुधाकर वर्मा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 13 पंच नं. 3 है तथा जो विलेज आंबीवली अंधेरी में स्थित है (और इससे उपावध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-6-1981 डाक्यमेंट नंमारण सं. 2682/77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का प्रदूषित अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में यत्विधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूलिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री पोल अंथोनी डिमेलो, क्लिन्ट डेनीयल डिमेलो सेक्टरीनो ब्लेस डिमेलो बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. इष्टदंब सदन को-आपरेंटिङ्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेखा संख्या एस-2682/77 और जो सब रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 18-6-1981 को रजिस्टर किया गया है।

संधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 30-1-1982
मोहर:

प्रस्तुप आइ०. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1982

निदेश स. प. आर-1/4568-10/81-82—अन. मर्मे,
संधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. सी एस नं. 672 आफ मलबार अंद्र कम्बाला
हिल छिवीजन है तथा जो पंडर गोड़ में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-6-1981
विलेख नं. बम्बई 555/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवृक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिवित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

1. (1) महेन्द्र काकुभाय रेशमवाला (2) सीन्हा काकु-
भाय रेशमवाला (3) अजय महेन्द्र रेशमवाला।
(अन्तरक)

2. कैडल इस्टेट प्रायवेट लिमिटेड।
(अन्तरिती)

3. भाडूओ

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एत्युद्वारा कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेइं भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अलंकृती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, किपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची जोसा कि विलेख सं. नं. 555/79 बम्बई उप-
रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 24-6-1981 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

संधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-1, बम्बई

अतः अब नक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 3-2-1982
मोहर :

मृशु आइँ टी. इन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी, 1982

निश्चेत्र सं. अ. आर-1/4562-4/81-82—अत मृम्भे,
मधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको मं. सी. एस. नं. 852 आफ माजगाव डिवीजन
है तथा जो डाक्टर अम्बेडकर गोड भायखला मू. स्थित है (आंर
इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पृष्ठ से वर्णित है), जो ज-
म्नीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
17-6-1981 विलेख नं. बम्बई 1604/80

को पर्वोंकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्भे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का ऐतिह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धित
में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(घ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाग प्रकट नहीं किया
गया था या किसी जाना चाहिए था, लिपाने में
संविधा के लिए;

1. मेसर्स एम. एस. कवराना भायखला प्रापटो ऑरेटो
द्रेस्ट।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लता बिहारीलाल वाक्तवा

(अन्तरिती)

3. भाष्ट्री

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निर्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्सूची

अन्सूची जैसा कि विलेख संख्या बम्बई-1604/80 उप-
रजिस्ट्रार, अधिकारी इवाग दिनांक 17-6-1981 को रजि-
स्टर्ड किया गया है।

मधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-2-1982
मोहर :

प्रस्तुत बाई.टी एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदेश म ओ आर/2/3197-7/81-82—अत मझे,
मध्याकर वर्मा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानक सम्पत्ति, जिसका उचित नाम न मौजूद
25,000/ रु मे अधिक है

और जिसकी म ज्ञात न 21 एम न 168-1970 और सी
एम न 1387/24-2 है तथा जो बोरिनली मे स्थित है (और
इससे उपाख्य अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे दर्शित है), गंज-
मूद्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
18-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि मे
वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है.इसे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व मे कमी करने या उसमे बचने मे सुविधा
के लिए; और/या

(क) एसे किसी आय या किसी धन या भत्य आमन्त्रय-
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी जाना आहिए था, छिपाने मे
सुविधा के लिए;

अत अब, इस अधिनियम की धारा 269-व के, अन्तरण
मे, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की जाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् ।—

1 मेसर्स नथ्राम रामनारायण प्राईवेट लिमिटेड
(अन्तरक)

2 म्यूनीसीपल एम्प्लाइज आकाश को-ऑपरेटिङ हाउ-
सी ग भारागढ़ी फिल्म्स।
(अन्तरिती)

3 उपरोक्त के अनुसार
(वह त्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सपति है)

जो यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी जाक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा

(ब) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे किय जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमे प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे
दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख स एस-452/78, और जो सब-
रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनाक 18-6-1981 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

मध्याकर वर्मा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, बम्बई

तारीख 4-2-1982
माहर

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1982

निदेश सं. अं आर-2/3195/6/81-82—अतः मुझे, सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके हस्तक्षेप के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्षेत्र यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 6/83-सी आफ टी पी पृष्ठ नं. 11 है तथा जो सान्ताकूर्ज में स्थित है (और इससे उपावदाध अन्मूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाकत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा की लिए;

जल्द: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मौजूद उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोतः :—

1. दी सिटी कॉ-ऑपरेटिळ्ड बैंक लिमिटेड

(अन्तरक)

2. स्वर्गीय श्री देवराज घई (कानूनी हकदार श्री देवन्द देवराज घई द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूल्यांकन की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मूल्य

अन्मूल्य जैसा कि विलेख संख्या एम 3271, और जो मव-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1981 कां रजिस्टर्ड किया गया है।

सुधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, बम्बई

तारीख : 6-2-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. ——————

1 श्रीमती मधुवेन भानुभाई पटेल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

2 श्री लूनीदाराम तूलसीदास पजाबी।

(अन्तरक)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, बम्बई

बम्बई, विनाक 6 फरवरी 1982

निदश सं ए आर-2/3201-2/81-82—अत मृझे,
सुधाकर वर्मा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु से अधिक है

और जिसकी सं एम 113 और 114 (पार्ट) मीटी एस नं 89
है तथा जो पद्धाड़ी एकसर, गारंगाव में स्थित है (और इसमें
उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-6-1981

जो पूर्वाधूत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्राप्तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास
फरत का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पांचहूँ प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अतरको) और अतारती
(अन्तरिती) के लिए यह अन्तरण के लिए नया गया ग्रन्ति
पान निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
हूँ में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालय करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधोपें---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास निर्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलख सख्ता एम 1046/75 और जो सब-
रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 30-6-1981 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

सुधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, बम्बई

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख 6-2-1982
मोहर

प्रस्तुत आहे, दी. एन. एम. —

आयतन प्रधिनियम, 1961 (1961 नं 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, अमृतसर

अमृतसर, 16 जनवरी 1982

निदेश नं. पाएसआर/81-82/343—यतः मर्फ़े, आनंद मिंह, आहे आर.एस

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन संघ प्राधिकारी को, पड़ विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक मकान है तथा जो शरीफपुरा में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में बम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तब पाया गया प्रतिफल दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण निर्धारित किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देते के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 / 1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रभृति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिराने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—486GI/82

1. श्री महिन्द्र सिंह पुष्प राजीव शिंठ जारी गली नं. 2 शरीफपुरा, अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती माया देवी पत्नी भगवान दाम, संतोष कुमार पत्नी चिमन लाल वासी जंडियाला गुरु मकान नं. 208/2 मोहल्ला शेखपुरा जिला अमृतसर।
(अन्तरकी)

3. जैसा उक्तर सं. 2 में कोई किनायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जातता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाण लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं. 21/13 एम. सी. ए. नं. 1053/XV-10 गली नं. 2, शरीफपुरा अमृतसर में है जैसा संल डीड नं. 7689 तिथि 24-6-81 रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद मिंह आहे आर.एस
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, अमृतसर

तारीख : 16-1-82
मोहर :

प्रसूप आई टी. एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सच्चना

भारत शरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जनवरी 1982

निदेश म प्राप्तिक्रम/81-82/344--यत मर्फ़े,
आनंद सिंह आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. है अतः

और जिसकी सं. एक प्लाट है तथा जो पठानकोट में स्थित है
(और इसमें लपावद्ध अनगती में और पर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ज्ञ. 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इन्द्रभान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फ़े यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाथा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हर्दौ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या नममें बचने में सविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 दा 11) द्वा उक्त अधिनियम, या धन
का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अस्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया
था या किछा जाना चाहिए था, छिपाने में भ्रिविधा
के लिए,

१. श्री अमर सिंह पत्र चौकल. सेती रोड पठानकोट।
(अन्तरक)

२. श्रीमती सुनीता महाजन पत्री जनक राज वासी सेली
रोड पठानकोट।
(अन्तरिती)

३. जैसा उपर सं. २ में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

४. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो 2 कनाल 16 मरले हैं जो आनन्दपर
एरिया, पठानकोट में है जैसा सेल डीड नं. 951/17-6-81
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट में दर्ज है।

आनंद सिंह आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यांकटों, अर्थात् ---

तारीख 13-1-1982
माहर.

प्रस्तुत आर्ह. टौ. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1982

निवाश सं. ए एस आर/81-82/345—यतः भूमि, आनंद सिंह आर्ह आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो करिश्मा नगर, शास्त्री नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जन 1981

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमन प्रतिफल से एंसे उद्यमन प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुरजीत कारे गर्गवर विधवा अमर सिंह गणेश 9 दयानंद नगर लारस रोड गली नं. 1 अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती त्रिपता रानी मंहरा पत्नी रम प्रकाश मंहरा 40 दयानंद नगर गली नं. 2 अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जसा उपर सं. 2 में कोइ कारायदार हाँ।
(वह व्यक्ति, जिसके आधिभाग में समर्पित है)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधाहस्ताकरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूल्य का तमाङ में (1) दिन की अवधि, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हाँ, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताकरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग एक मकान का जो 500 व. ग. है जो करिश्मा नगर (शास्त्री नगर) अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 8326/20-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद भूमि आर्ह आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 15-1-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी एन.एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 15 जनवरी 1982

निक्षम म प एम आर /81-82/346--उत्त में,
आनंद सिंह आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), को
भारा 269-ष के अधीन समाप्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स एक जायदाद है तथा जो करिश्मा नगर, शास्त्री
नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनंतरकी में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र-
प्राप्तिशान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के द्वीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से उल्लिखित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण स हुइ निमी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उभयं बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संविधा के लिए;

बतात बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः--

1 श्रीमती किरण अहजा पुत्री अमर सिंह गरीबर पत्नी
गूरमीत सिंह अहजा एवर इंडिया पोर्ट अफरीका
द्वारा श्रीमती सुरजीत कारे गरीबर पत्नी अमर सिंह
गरीबर, १०-दयानन्द नगर लार्ड रोड अमृतसर।
(अन्तरक)

2 श्री अनूप महरा पत्र राम प्रकाश मेहरा वासी ४०
दयानन्द नगर लौंगी न २ अमृतसर।
(अन्तरिती)

3 जैसा उत्तर म २ मा काई किग्रेंटर है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग म सम्पत्ति है)
4 और कोइ

(वह व्यक्ति, जिसके बार म अधोहस्ताक्षणी
जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तीकरी के पास
लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का जो आयकर¹
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
२०-क मे पारिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग मकान का जो 500 व ग है जो करिश्मा
नगर (शास्त्री नगर) अमृतसर में है जैसा सेल डीड न. 8327/
29-6-1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर मे दर्ज है।

आनंद सिंह आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, अमृतसर

तारीख 15-1-1982
मोहर :

प्रध्यप आर्द्ध. टी. एन. एस. —————

प्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आद्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1982

निवाश मं. ए. एस. आर./81-82/347—यत् मर्फ़े,
आनन्द सिंह आर्द्ध. आर. एस.

आद्यकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर वस्ती, तिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी मं. एक जायदाद है तथा जो करिश्मा नगर, शास्त्री
नगर में स्थित है (और इसमें उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, जून, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के निए प्रन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (प्रन्तरिती) के बावजूद अन्तरग निए तथा पाया
मग्न प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से रुपया नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त प्रविनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी ब्लन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हे भारतीय आद्यकर प्रविनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या
धनकर प्रविनियम, 1937 (1937 का 27)
के प्रयोजनाव अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रविनियम, की भारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रविनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नतिष्ठित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कृष्ण भाटिया पुनी अमर सिंह पत्नी रामेश्वर
पाल सिंह भाटिया, इ-28 पहनी मंजिल राजौरी
गाड़ी नं. ८८ दिल्ली अद अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री अनिल भेहरा पूत्र राम प्रकाश मेहरा, 40 दयानंद
नगर लार्ज रोड अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैगा उपर मं. २ में कोई किरायेवार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई॥
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानका है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

मा इस सूचना जारी करने पूर्वी सम्पत्ति के बजेन के
निए कार्यालयादियां करता है।

उक्त सम्पत्ति न अर्जन न प्रदान्य में कोई भी आक्षेत्र :-

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
पूछना की तामील में 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में लिये जा सकेंगे ।

स्वाक्षीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों प्राय, पदों का, जो उक्त
प्रविनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

1/3 भाग मकान का जो 500 व. ग. है जो करिश्मा नगर
(शास्त्री नगर) अमृतसर में है जैसा सेल डील नं. 8324/29-
6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह आर्द्ध आर एस
सभाम प्राधिकारी
सहायक आद्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, अमृतसर

तारीख : 15-1-82
माहर : ।

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा
२६९-प (१) के अधीन गमन

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक २८ जनवरी १९८२

निर्देश नं. ए.एस.आर/८१-८२/३४८—यतः मूर्ख, आनन्द सिंह, आई आर एस

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य भूमि है तथा जो गुजरात लहरी तहसील पठानकोट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुभूमि में और पर्याप्त में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख जन, १९८१

को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एम्बे इश्यमान प्रतिफल का अन्दर प्रतिशत में अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के दीर्घ एवं अन्तरण के लिए तथा पादा गया प्रतिफल लिमिलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमित में वास्तविक रूप से की भूमि नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्झ किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; और/या

(ल) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में संविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-प की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवतार—

१. श्री देवी दयाल पुत्र वधावा राम वासी गांव गुजरात लहरी तहसील पठानकोट
(अन्तरक)
२. श्री साधू मिंह सुप्रदी श्री भडा मिंह वासी लहरी गुजरात तहसील पठानकोट
(अन्तरिती)
३. जैसा उपर सं. २ में कोई किरायेवार है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
४. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्ट और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपया भौमि ३२ कनाल ५ मरले जो गांव लहरी गुजरात तहसील पठानकोट में है जैसा सेल डीड नं. ७०७/१-६-८१ रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट में दर्ज है।

आनन्द मिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : २८-१-८२
मोहर :

प्रधान पर्याप्त दी० एवं एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
१६५-ए(1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जनवरी 1982

निदेश नं. ए.एस आर/81-82/349—यतः मूर्ख, आनन्द सिंह, आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इम के पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं. कृषि भूमि है तथा जो गुजरां लहरी तहसील पठानकाटे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध बनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकाटे में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्व में कमी करने या उसने बचने में मुविष्वा के लिए; और/या

(ख) ऐसी निम्न आय या किसी धन जो अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविष्वा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमंग में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णतः :—

1. श्रीमती इंद्रा देवी पर्याप्त नेहो जान वारी लहरी गुजरां तहसील पठानकाटे (अन्तरक)
2. श्री नखमीर सिंह अमीर सिंह सर्जीत सिंह प्रीतम सिंह पूर्व माथि सिंह वारी लहरी गुजरां तहसील पठानकाटे (अन्तरिक्ती)
3. जैमा उत्तर सं. 2 में कोई किरायेदार हो (वह अविक्त, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई (वह अविक्त, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए सार्वाधिमा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेष।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, ए भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसूची

कृषि भूमि जो गांव लहरी गुजरां तहसील पठानकाटे में है जैसा मेन डीड नं. 789/5-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकाटे में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, अमृतसर

तारीख : 28-1-82
मोहर :

प्रस्तुत साईं: दी० एन० एम०—

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ही बारा।

269-ष (1) ने अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 जनवरी 1982

निदेश रं. ए.एम आर/81-82/350—यतः मर्फे, आनन्द सिंह, आई आर.एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, को धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में भूमि है तथा जो पठानकोट में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और गत्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या उसका ज्ञान चाहिए था लिखान में सविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमर सिंह पत्र ओकगा जारी सगाती रोड लान्ड-पर पठानकोट

(अन्तरक)

2. श्री गुरदेव शर्मा पत्र धरम देव बारी जोधा मन कलोनी पठानकोट

(अन्तरिती)

3. जैसा उक्त पर सं. 2 में कोई किरायेदार हो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 26 सरला जो आनंदपुर पठानकोट में है जैसा सेत डीड नं. 944/16-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई आर.एस
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 25-1-82
मोहर :

प्रस्तुप आर्ड. टी. एन. एस.-----

1. श्री शामसुन्दर शिकारपुरिया पूत्र जवाहरी लाल 46
राय बहादुर रतन चन्द रांड अमृतसर.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जनवरी 1982

निदेश नं. ए प्र आर/81-82/351--यतः मझे, आनन्द
सिंह, आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी में एक मकान है तथा जो रतन चन्द रांड अमृतसर
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनून्नी में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तर्गत (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीधत नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण में हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने वें सूचिभा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत हैं:—

17-486/81

1. श्री शामसुन्दर शिकारपुरिया पूत्र जवाहरी लाल 46
राय बहादुर रतन चन्द रांड अमृतसर.
(अन्तरक)
2. श्री राम चंद खना पूत्र अमर नाथ खना सुधा खना
पत्नी राम चंद खना वासी 46 राय बहादुर रतन चंद
रांड अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा उक्त प्रकाशन की रायेदार है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्य.—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधोध
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक काठी बसरा नं. 3192/1032 मिन जो राय बहादुर
रतन चन्द रांड अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 7080 तिरिथ
17-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, अमृतसर

तारीख: 30-1-82 .

मंत्री :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जनवरी 1982

निवेश नं. ए.एम.आर/81-82/352—यतः मृम्भे, आनन्द सिंह, आईआरएस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक मकान है तथा जो कवीनज रोड अमृतसर में स्थित है (श्रीरहस्यमेत्युपायवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख : जून, 1981

को प्रवृत्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मृम्भे यह विश्वास बनाने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत न हो अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितानों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिशत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दारत-विक से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती महिन्द्र कौर पत्नी स्वार्य देवी सिंह व मतीश इंद्र सिंह पुत्र चरण सिंह व राजेन्द्र अमृत कौर विधवा चरन सिंह 3 कवीनज रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री कूलदीप सिंह पुत्र बलवंत सिंह, वासी 3, कवीनज रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेवार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान खसरा नं. 1177 मिन व प्राइवेट नं. 2, 3 व 4 जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा सेल लाइन नं. 6806/12-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आईआरएस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, अमृतसर

तारीख: 30-1-82
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 जनवरी 1982

निदेश नं. ए.एस आर/81-82/353—यतः मुझे, आनन्द सिंह, आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लाट है तथा जो तंग पाई अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावदध बनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्राहापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिगत से अधिक है और अन्तरेक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री इन्द्र सिंह पुत्र सूरत सिंह वासी गांव तुंग पाई अमृतसर (अन्तरक)
2. मंसरज करिश्मा प्रिंटर, धरम सिंह मारकाट अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मिलित है)
4. और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मिलित में हितवद्धि है)

को वह सूचना जारी करने पूर्वीकृत समाजों के प्रयोग के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्मति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र गोपनीयन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यावरण सम्बति में दिवाद हिमों प्रथम अक्तिन द्वारा, अधोहस्ताक्षरी ने पास विक्रिय में फिरे जा गये।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधान 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रय होता, जो उन प्रधान में दिया गया है।

अनुसूची

एक भौमि का प्लाट रुमरा नं. 1929/256 जो तंग पाई बटाला रोड अमृतसर में है जैसा संल डीड नं. 5913/5-6-81 रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, अमृतसर

तारीख : 25-1-82
मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जनवरी 1982

निदेश नं. ए पम आर/81-82/354—यतः मुझे, आनन्द सिंह, आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक शेड व खाली प्लाट है तथा जो गोकुल का बाग अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जन, 1981

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगविन्द्र सिंह छिनौं पुत्र प्रीतम सिंह, सुजिन्द्र सिंह पुत्र जगविन्द्र सिंह, वासी 7 लारस रोड, अमृतसर, कृष्णानगर

(अन्तरक)

2. श्री सरजीवन लाल खना व विलास कुमार खना पुत्र राम दास वासी कूचा बिकरम कटड़ा मोती राम अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

1/2 भाग शेड व प्लाट का नं. 56 जो गोकुल का बाग इसट मोहन नगर अमृतसर में है जैसा सेल डोड नं. 8157/29-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई आर एस

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

तारीख : 28-1-82

मोहर :

प्रस्तुत वार्द्धे, ठी. एन. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सज्जना

पात्र विजय

कार्यालय संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जनवरी 1982

निदेश न. ए एस आर/81-82/355--यत. मुझे, आनन्द सिंह, आई आर एस

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की भारा
269-वां के अधीन सभाम् प्राधिकारी को यह विवरास करने का
कारण है कि स्थापत सम्पति, जिसका उपचार बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी म. एक शोड व खाली प्लाट है तथा जो गोकल का
बाग अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावध अनूसन्धी में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिशत फल निम्नलिखित उद्घवेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उसके बच्चने में सुविधा के लिए; और/था

(८) एसोसिएशन की वाया या किसी भव्य या अन्य जातिसमाज को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इत्याकार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहभागी के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जगविन्द्र सिंह छिलो पुत्र प्रीतम सिंह, सूरजिन्द्र सिंह पुत्र जगविन्द्र सिंह, बासी 7 लारस रोड, अमृतसर।

(मन्त्ररक्ष)

2. श्री सरजीवन लाल खना पत्र राम दास, वासी कुचा
बिकरम कटडा मोती राम अमतसर

(अन्तर्रिती)

3. जैसा उपर स. 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताखरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशीलिया करता है।

उक्त सम्प्रतिक्रिया के अर्थात् उसे सम्बन्ध में कोइँ भी जास्तीपें—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की टामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियुक्त पुस्तक;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की दारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्युत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ हैंगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

四

1/2 भाग शेड व प्लॉट का न . 56 जो गोकूल का बाग इस्ट मोहन नगर अमृतसर मे है जैसा सेल डीड सं . 8158/ 29-6-81 रजिस्टरीकर्ता अधिकारी अमृतसर मे दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राक्षिकारी
क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रुद्धा, अमृतसर

तारीख : 28-1-82
माहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०--
आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
289-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जनवरी 1982

निदेश नं. ए एस आर/81-82/356—यतः मूँहे, आनन्द सिंह, आई० आर एस

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ग के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाग करने का कारण है कि स्थावर संगति जिप्ता उचित राजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. इडसट्रीयल इसटेंट है तथा जो गांव काले धनपूर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावृथ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जन, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत प्रथित है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दूरी किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के यशीन करने के प्रतिक्रिया के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 289-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 289-ग की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मोती सागर पुत्र मदन चन्द वासी कवीनज रोड अमृतसर द्वारा श्री रजिन्द्र कुमार पुत्र भावो राम अटारनी (अन्तरक)
2. मैसरज काउन बुलन मिल्ज बटाला रोड अमृतसर द्वारा श्री संत पाल (अन्तरिती)
3. जैसा उक्त सं. 2 में कोई किरायेवार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहणः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, तभी भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध व्यक्ति किसी प्रथा अवधि द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/8 भाग शेड का (इमारत) खसरा नं. 184/203 जो छहराटा धनपूर काले अमृतसर में है जैसा मेन डीड नं. 8041/26-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई० आर एस
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज़, अमृतसर

तारीख : 30-1-82
माहर:

प्रस्तुप आइ०टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जनवरी 1982

निर्देश नं. ए प्रम आर/81-82/357—यतः मूर्ख, आनन्द सिंह, आई आर एस

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. इंडस्टीरियल इंस्टेट द्वारा है तथा जो गांव काले धनपुर अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावृथ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अन्तरितक में अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दनें के अन्तरक के दायित्व में कमां करने या उससे बचने पर संविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर लायपनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में संविधा के लिए।

यतः जब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोती सागर पुत्र मदन चन्द्र वारी कवीनज राऊ अमृतसर द्वारा श्री रजिन्द्र कुमार अटारनी (अन्तरक)
2. मैसरज काउन वूलन मिल्ज बटाला रांड अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा उक्त दो में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तात्पुरता से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं तथा उनका वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

मूल्यांकन

1/8 भाग शेड का (इमारत) लासरा नं. 184/203 जो छह-रटा धनपुर काले अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 7517/23-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 30-1-82

मोहर :

प्ररूप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विकासक 30 जनवरी 1982

निदेश नं. ए.एस आर/81-82/358—यतः मुझे, आनन्द सिंह, आर्द्ध आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी में इडसटिरियल एमटेट है तथा जो गांव काले धनपुर अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाधिक अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवश्यकता उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनपुर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जतः :—

1. श्री शिव कमार कपूर एच यू एफ इवारा शिव कमार कपूर पुत्र मत्या पाल, वासी सरकूलर रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

3. मेसरज काउन बुलन मिलज बटाला रोड, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा उक्त सं. 2 में कोई किरायेवार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानसा है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

लाइसेन्स:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

3/32 भाग शेड/इमारत का संसरा नं. 184/203 जो छह-रुटा धनपुर काने अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 6180/9-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आर्द्ध आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 30-1-82
मोहर :

अस्पृष्ट अवैद० टो० ५०० एस०

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा
२६९-ब (१) के अधीन भूमि

भारत सरकार

कोर्पलय, सहायक आयकर आयकर (नियंत्रण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक ३० जनवरी १९८२

निवेदन नं. ए.एस आर/८१-८२/३५०—यतः मृगे, आनन्द
मिंह, आई आर एस

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-
रु. में अधिक है।

और जिसकी म. इडमटियल एमटट है तथा जो गाव काले
धनपूर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्य अनुमती में
और पूर्ण रूप में वरिष्ठ है), रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कावी-
लय, अमृतसर में रजिस्ट्रेक्टरण प्रधिनियम, १९०८ (१९०८
का १६) के अधीन, नारीम जून, १९८१

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित गई है और मुझे इस विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त यरण्टित न्या उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान गतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का
पन्थ होता तथा उसे अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती
(अंतरिती)। १०.२.१९८२ अन्तरिती के लिए उक्त नारीम धारा २६९-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से होई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर इन्हें के अन्तर्गत के द्वारा उक्त अधिनियम की करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के उक्त अधिनियम की धारा २६९-ब (१) के अन्तर्गत के द्वारा उक्त अधिनियम की करने या उससे बचने में सविधा के लिए;

कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ वि २७) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं दिलाया गया था या किसी जाना जाना गया, जिनमें से सर्विता

१ श्री कामल किशोर कपूर एवं ग. एक सरकारी राज्य
अमृतसर द्वारा मन्या पाल कपूर द्वारा
(अन्तरक)

२. मेसर्स श्री उल्लास मिलज बटाला गोड, अनंतगढ़
द्वारा सम्भाष चन्द्र
(अन्तरिती)

३. जैसा उक्त र. २ में कोई किरणदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिकार में सम्पत्ति है)

४. और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधाहम्ताकारी जानना
है कि वह सम्पत्ति में हितदृढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कौमुदी होय। ५. १. ८.

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में काशन को तारीख नं. ४५
१८८ की अवधि या अन्यसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दृढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहम्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उग्र अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

३/३२ भाग शेड/इमारत का नं. १८४/२०३ जो छह-
लाल अन्तरिती अमृतसर में द्वे जैसा रा० ए० द्वे नं. ६१७०/
००६-११ राजगढ़ीर्ही अधिकारी अमृतसर में हैं।

आनन्द मिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (नियंत्रण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

प्रस्तुप आई. टी. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (j) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 30 जनवरी 1982

निवेदन नं. ए.एस.जार/81-82/360—यतः मेर्भे, अनन्द
सिंह, आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. इंस्टीरियल एस्टेट है तथा जो गांव काले धनपूर
छहरटा अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाध्याय अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिस्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोती साहर कपूर पत्र मदन कन्द तामी कनीनह
रोड अमृतसर।
(अन्तरक)

2. मैमरज काउन वलन मिलज बठाना रोड, अमृतसर
(अन्तरिती)

3. जैसा उक्त सं. 2 में कोई किरायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त क्षब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग शेंड/इमारत का संमान नं. 184/203 जो छहरटा
धनपूर काले अमृतसर में है जैसा संल डीड नं. 6435/11-6-81
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई आर एस
ग्राम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 30-1-82
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जनवरी 1982

निदंश नं. ए एस आर/81-82/361—यतः मूर्ख, आनन्द सिंह, आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. डंडमट्रीयल एसटॉट है तथा जो गंब काले धनपुर शहरटा अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्वध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मूर्खे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों के, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोती सागर एवं यू एफ वासी कवीनज रोड अमृतसर द्वारा रजिस्ट्र कुमार पुत्र माधो राम कवीनज रोड अमृतसर (अन्तरक)
2. मैसरज क्राउन ब्लून मिलज बटाला रोड अमृतसर द्वारा द्याम सुन्दर (अन्तरिती)
3. जैसा उपर सं. 2 में कांई किरायेदार है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कांई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/48 भाग शेड/झारत का खसरा मं. 184/203 जो छह-ठा धनपुर वाले अमृतसर में है जैसा सेत डीप नं. 5525/12-6 81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई आर एस

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 30-1-82

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जनवरी 1982

निदेश नं. ए.एस आर/81-82/362—यतः मूर्ख, जातिन्द्र सिंह, आई० आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी मं. इडसद्वयिल एस्टट है तथा जो गाव काले धनपुर शहर अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावदुक्ष अन्सूची में और पर्ण व्यूप संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पर्वावृत्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्राप्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ववृत्ति संपत्ति का उचित बाजार भुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच पांस अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या ऊन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री मोती सागर एवं यू.एफ द्वारा रजिस्ट्र कमार पुत्र माधा राम कवीनज राड, अमृतसर (अन्तरक)

2. मंसरेज क्राउन ब्लूज मलज बटाला राड, अमृतसर द्वारा पना लाल (अन्तरिती)

3. जैमा उद्दर मं. 2 म कोई किरायेदार हा (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और काई (वह व्यक्ति, जिसके द्वारा में अधाहरात्राक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वावृत्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस मूर्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या लक्ष्मजन्मी व्यक्तियों पर सूचना दर्ता रखा जाना जानकारी भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त अवधि अन्तरक मंसिर में हितबद्ध विषया नियंत्रण अधिकर्ता द्वारा अधाहरात्राक्षरी के पास लाभान्वयन कर जा सकता।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पांसभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/6 भाग रांड शंड/इमारत का संस्कार नं. 184/203 जो गहराई धनपुर काले अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 7084/17-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई० आर एस
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 30-1-82
माह-

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायेक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जनवरी 1982

निवेश सं. ए. प.न. आर./81-82/363—यतः मूल्य, आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जून इमर्ग इसके पश्चात् 'उद्दन वार्षीयम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. इडमाटरियल प्राप्त है तथा जो गांव काले धनपूर छहरा, अमृतसर में स्थित है (और इमर्ग उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वप्न में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जन, 1981 का एकांक गरपति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मूल्य गहर विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिक्ती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण निर्मित में वास्तविक स्वप्न से कर्त्तव्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए;

(ख) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचिधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शिव कुमार कपूर पुत्र भव्या पान, वामी सरकुलर रांड, अमृतसर एच. ग्रू. एफ. करता शिव कुमार कपूर।

(अन्तरक)

2. मैर्सर्स काउन्स ब्लून मिलज, बटाला रोड, अमृतसर। (अन्तरिक्ती)

3. जेता किं ऊपर सं. 2 मार्कोइं किंग्स्टार हैं (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. श्री जाई (वह व्यक्ति, जिसके द्वारा मा अधोहस्ताक्षरी जानवा है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

यह यह सूचना जानी काले दृश्यमान सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त निर्मित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना का तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयोग दोनों ओर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/32 भाग शंड/इमारत का जो सम्बन्ध नं. 184/203 जो छहरा धनपूर काले, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 7142/18-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में वर्द्ध है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन राज, 3 चंद्रपरी, अमृतसर
तारीख : 30-1-1982
मोहर :

श्रृंग आर्द्ध. टी. एव. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जनवरी 1982

निर्देश सं. प्. एस. आर./81-82/364—यतः मुझे, आनंद सिंह, आर्द्ध. आर. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. इंडस्ट्रियल एसटटेट है तथा जो गोब काले धूपुर छहरा, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबृक्ष अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं. कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान शर्तिफल सं., एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिक्षीय (अंतरिक्षियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्पष्ट सं. की अधिकता नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्राप्त अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयाप्तियां प्रतिस्तानी देशां प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अमृतसर अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों की अधिकता :-

1. मोती साहग एच. यू. एफ., बासी सरकालर रोड, अमृतसर देवारा रजिस्ट्र कुमार पुत्र माधो राम। (अन्तरक)

2. मैसर्स क्राउन ब्लॉक मिलज, बटाला रोड, अमृतसर। (अन्तरिक्षीय)

3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में कोइ विवरण दिया गया है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोइ (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबृक्ष है)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां बारता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति देवारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृक्ष किसी अन्य व्यक्ति देवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7/24 भाग शेड/इमारत का जो खसरा नं. 184/203 जो छहरा, धनपुर काले, अमृतसर में है जैसा सेल डील नं. 7289/19-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आर्द्ध. आर. एस.,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 30-1-1982
मोहर :

प्रस्तुत काहूँ ना. पर्स. प्रग. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जनवरी 1982

निदेश सं. ए. प्रस. आर./81-82/365—यतः मर्फ़े,
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. इंडस्ट्रियल इसटेट है तथा जो गोब काले धनुपुर छहरटा, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसंची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), गिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और उसके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का इन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदादेश से उक्त अल्परण लिखित में इन्ड्रियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण ये हाई किंगी अधीन की नामन्, अन्तरिती के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में संविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिस्टर्स को, जिन्हें भागीदारी आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में संविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कमल किशोर कपूर एच. थू. एफ. इवारा सत्या पाल पूर्ण गोकान लंद, वारी मरकालर राड अमृतसर। (अन्तरक)

2. मैमर्स काउन ब्लून मिलज, बठाला रांड, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर में 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्वों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3/32 भाग शेड/इमारत का जो नमस्ता नं. 184/203 जो छहरटा, धनपुर काले, अमृतसर में है जैसा मेल डीड नं. 7141/18-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रँज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 30-1-1982
मोहर :

पराम् ग्राम ८८, दून एस.-----

कानूनकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन भूमि

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, अपनाम

अमृतसर, दिनांक 30 जनवरी 1982

निवेद्य सं. प. एस. आर./81-82/366—यतः मुझे,
आनंद सिंह, आई. आर. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. इंडमटीरियल एसटटे है तथा जो गांव काले
धनुपुर छहरा, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), गिरिस्टीकरी अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में गिरिस्टीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूला में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, पाँसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरार्थी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की बाजत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोती भास्य पुत्र मदन चंद्र, वासी नगरज रोड,
अमृतसर द्वारा रजिस्ट्र कमार अटारनी।
(अन्तरक)

2. मैमर्स क्राउन व्लैन मिलज, बटाला गाड़, अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर में 2 में कोहर किरायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोहर
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितदद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहर भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरियाँ व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

1/2 भाग शेड/इमारत का लक्षण नं. 184/203 जो छहरा
धनुपुर काले, अमृतसर में है जैसा सेल भीड़ नं. 7140/
18-6-81 गिरिस्टीकर्ता/अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 30-1-1982
मोहर :

प्रस्तुत नाइ० टी० ३३० एम०

श्राविका प्राप्ति 1961 (1961 का 43) वारा की

269 (1) के अधीन पुनः

भारत सरकार

कार्यालय, नहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जनवरी 1982

निवेश सं. ए. एस. आर./81-82/367--यतः मुझे, आनंद सिंह, आई. आर. एम. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए में प्रधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को, वृ. विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी में इडमटरियल एसटेट है तथा जो गोव काले के धनुपुर छहरटा, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तराल के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपर्युक्त में उक्त प्रतिरोध नियम में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरालों के दृष्टि अपनी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन रुप देने के अन्तरक के दायित्व में नहीं करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी तिथि पार भा किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए या छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः:—

29-486 G/81

1. ओमेंद्री सागर एस. गु. एफ. द्वारा ओमेंद्री सागर कपूर पञ्च मदन चंद कपूर, वार्मी कवीनज रोड, अमृतसर करता एच. यू. एफ. द्वारा रजिस्ट्र कमार विज पञ्च माधो राम, वार्मी गर्जन एवनय मूल्यांकन आप द्वारा अटारवी।

(अन्तरक)

2. मै. काउन बुलन मिलज, बटाला रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैमा कि उक्तपर में 2 में कोई कियांदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजवन्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि पर तसम्बन्धी अविक्षयों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी अविक्षित होता;

(ख) इस सूचना के राजवन्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20 के परिचायित हैं, वही प्रथम होता, जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

1/6 भाग शेड/विल्डिंग संसरग नं. 184/203 जो छहरटा धनुपुर काले, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 7290/1 तिथि 19-6-1981 रजिस्ट्रीकरी अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एम. सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 30-1-1982

मोहर :

प्रस्तुप आहू. टो. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भारतीय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1982

निदेशी सं. ए. एम. आर./81-82/368—यतः मुझे,
आनंद मिंह, आहू. आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. एक मकान है तथा जो जी. टो. रोड, सामने
सिटी लाइट सिनेमा में स्थित है (और इससे उपावध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है—

(ए) अन्तरण से हूँ जिसी कारण की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
जाहू/वा

(इ) एसी किसी कारण या किसी भूत या बन्य आँसुसमाँ
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती दबाव प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रघुनंद पाठ कोर विद्वा दासार मिंह, वार्गी
3-डी, माडल टाउन, करनाल (हारयाणा)।
(अन्तरक)
2. श्रीमती (डॉक्टर) प्रकाश कोर पत्नी उपकार मिंह,
मकान नं. 289, जी. टो. रोड, अमृतसर मामने
सिटी लाइट सिनेमा, अमृतसर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर मं. 2 में कोइ विवरण दिया गया है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिकारी में सम्पत्ति है)
4. और कोइ
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :——इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के व्यापार 20-क में परिभाषित हैं,
वहाँ वर्ण होना जो उक्त व्यापार में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी नं. 289 जी. टो. रोड मामने सिटी लाइट
सिनेमा अमृतसर में है जैसा मेल डीड नं. 6373/11-6-81
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

आनंद मिंह, आहू. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 15-1-1982
मोहर :

प्रकृष्ट धाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जनवरी 1982

निर्देश सं. ए. एस. आर./81-82/369—यतः मुझे,
आनंद सिंह, आई. आर. एस.

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-प के अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं. भकान है तथा जो बटाला में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जन.
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्वरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
रूप से उक्त अन्तरण निविन में वास्तविक रूप से कठिन
नहीं पाया गया है:—

(३) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(४) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर-प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 260-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीक्त :—

1. श्री राम लूभाया पुत्र अमर नाथ, डेरा बाबा नामक।
(अन्तरक)
2. श्री सुलखान सिंह पत्र दयाल सिंह महला सिंबल
काहनूवान रोड, बटाला।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेवार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई^१
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यालयिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के घरेन के मम्बल्पुर में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या नसंबंधी अवित्तियों पर
सूचना की तामोचि से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भकान जो सिंबल काहनूवान रोड, बटाला में है जैसा
सेल डिल नं. 2041/8-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला
में दर्ज है।

वानंद सिंह, आई. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
घरेन रोज़, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 28-1-1982
मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 28 जनवरी 1982

निर्देश सं. ए. एस. आर./81-82/370—यतः मुझे,
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान है तथा जो बटाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून,

1981

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति कार्त्ति चत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकारी नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विविधत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या, अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यावारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम लूभाया पुत्र अमर नाथ, डंडा बाबा नानक।
(अन्तरक)

2. श्री भरम सिंह पुत्र दयाल सिंह महला सिंबल काहनु-वान रोड, बटाला।
(अन्तरित)

3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो सिंबल काहनुवान रोड, बटाला में है जैसा मल डीड नं. 2042/8-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, ३ चंद्रपुरी अमृतसर

तारीख : 28 १-१९८२
मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) की मूल्यना

भारत मरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रोज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जनवरी 1982

निदेश सं. प. एस. आर./81-82/371—यतः मर्फ़े,
आनंद सिंह, आई. आर. एस.

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अन्तर्गत उन प्राचिकारों में, यदि विश्वान करने का कारण
है कि स्थारा सम्पत्ति जिता उत्तरावाजार मूल्य 25,000/-
का पूर्णतः विवेचित है

और जिसकी सं. एक मकान है तथा जो मकबूल रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप सं वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण
प्रतिकूल के चिह्न प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वान
करने का कारण है कि वयपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृष्टिकोण प्रतिकूल से, ऐसे दृष्टिकोण प्रतिकूल का
पन्द्रह प्रतिशत ने अधिक है और अन्तररक (प्रत्यारको)
अर्थ अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिए
तभा पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वान्निःकर रूप से लिखित नहीं लिया गया है:—

(३) प्रत्यरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रशीन कर देने के प्रत्यरक के
शब्दित में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा
के लिए और/या;

(४) ऐसी किसी घाय का फिरी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे आनंदीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11 या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ प्रत्यरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनुपरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दी टेक्सटाइल मैन्यूफैक्चर एंगोगिंग्स अमृतसर
द्वाग चमन लाल पृष्ठ फकोर चंद, वासी बाग गमा
नंद, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मुशीला गुप्ता पत्नी लंब गज कमल गुप्ता
पृष्ठ लंब गज, वासी मकबूल रोड, अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैमा कि उपर नं. 2 में कोई किरायेदार है
घरदीदार के पास 300/- महीना 1963 में
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई¹
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधाहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह दूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रज्ञन के वर्षमध्ये यही भी प्राप्तेः—

(क) इस मूचना के राजपत्र में ग्रज्ञन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तरवाच्चा अविक्तियों पर
मूचना को तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में नमामी हानि हो के भोनर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी भास्त्रा द्वारा,

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी पर्याप्त व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी वे पास
निखिल में किए जा सकेंगे।

• स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिमापित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान बना हुआ जो मकबूल रोड, अमृतसर में है जिसा
संल डिन नं. 8673/30-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृत-
सर में वर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रोज, 3 चंद्रपरी, अमृतसर

तारीख : 30-1-1982
मोहर

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 जनवरी 1982

निवेदित सं. प. एस. आर./81-82/372—यतः मूर्ख,
आनंद सिंह, आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लाट है तथा जो वाइट एवन्यू,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावदाय अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेद्य, से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्दर्ह किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बार/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. श्रीमती सुहाग बती पत्नी संस्पृष्ट लाल, बासी गांधी
नगर, पठानकोट।
(अन्तरक)
2. श्री जिया लाल सुकेश कुमार पूर्व ब्रज नान स्वरूप
बाला, अमृतसर।
(अन्तरिती)
3. जैमा कि उपर सं. 2 में कोइ किनायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोइ
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आशेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो मकबूल रोड, (वाइट एवन्यू/स्टेट
बैंक कालोनी) अमृतसर में है जैसा स्ल डीड नं. 7500/
23-6-1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

जानंद सिंह, आई. टी. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, चंद्रधरी, अमृतसर

तारीख : 25-1-1982
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 जनवरी 1982

निदेश नं. ए. एस. आर. /81-82/373—यतः मर्फ़े,
आनंद सिंह, आई० आर. एस.,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक हैऔर जिसकी मं. भूमि है, तथा जो पठानकोट में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जून, 1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फ़े यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक
रूप से क्रियत नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण भूमि हूँ किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के बाबत के दार्यालय में
किसी करने या उसमें बचने में सूचिया के लिए;
और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में संविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. "मी अमर गिंज, पन नोडल, नागी नामी रोड,
पठानकोट।"

(अन्तरक)

2. श्री रम आसरा पूर्व लक्ष्मण दास, वासी ढांग रोड,
पठानकोट।

(अन्तरिती)

3. जैमा उपर सं. 2 में कोइ किरायेदार हूँ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)4. और कोइ।
(वह व्यक्ति, जिनके वारं में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यालयां जारी है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे;स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 1 कनाल, 17 मरले जो गांव आनंदपुर, पठानकोट में
है जैमा कि मने डोड नं. 976/19-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
पठानकोट में दर्ज है।आनंद गिंह, आई० आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, 3, चंद्रपर्णी, अमृतसरतारीख : 25-1-1982
मोहर :

ग्रन्थ श्राई०टी०एन०एस०--

अन्तर्गत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन मूल्यन।

मारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 जनवरी 1982

निम्नों सं. प. एम. आर./81-82/374—यतः मर्भे,
आनंद सिंह, आई. आर. एम.,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. भूमि है, तथा जो पठानकोट में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अन्यभी में और पूर्ण रूप से वरित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जन, 1981

को पूर्वीकृत प्रम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यारित की गई है और यह वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पद्धति शरिष्ठि अधिक है और अन्तरक
(प्रस्तरकों) और प्रस्तरिति (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए उम्मीद आया वहां प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उपस्थिति निखित में वास्तविक रूप से करित
किया जानी चाहिए।

(क) अन्तरण से दूड़ि किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद भूमि
करने पर उससे बचने में मुविष्या के लिए; और/या

(ख) ऐसे दूड़ि आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें सारलीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
मुविष्या के लिए।

तब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लग्न गिंग एन ब्रोकर, नामी लग्नी गो,
पठानकोट।

(अन्तरक)

2. श्री सतीन्द्र महाजन पत्र आन चंद, वामी ढांग गोड,
पठानकोट।

(अन्तरीक्षी)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हैं।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को वह मूल्या जारी करके पूर्वीकृत प्रम्पति के अंतर्गत के
लिए जारीकृत करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आश्रेप।—

(क) इस मूल्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की प्रबंधि या वस्तुबंधी व्यक्तियों पर
मूल्या की तारीख से 30 दिन की अवधि
ओ भी प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ग्राहा;

(ख) इस मूल्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रधानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के प्रधान 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उम्मीद व्यायाम में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 1 कनाल, 9 मर्ले 118 सरमाही, जो गांव आनंदपुर
के पूर्व. एम. गोड, पठानकोट में है जैसा कि मन्त्र डीड नं.
945/16-6-8। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पठानकोट में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एम.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, 3, चक्रपरी, अमृतसर,

प्रस्तुति आई. टॉ. एन. एस. ----.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 जनवरी 1982

निवेश नं. ए. एस. आर./81-82/375—यतः मझे,
आनंद सिंह, आई. आर. एस.,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इच्छके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है, तथा जो पठानकोट में स्थित है
(और इससे उपावड़ अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उपचेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशासन (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

20-486 GI/81

1. श्री अमर सिंह पुत्र चोकश, वासी स्थाली रोड,
पठानकोट।

(अन्तरक)

2. श्री कुलदीप चंद पुत्र ज्ञान चंद, वासी ढांगु रोड,
पठानकोट।

(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेवार है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 1 कनाल, 17 मरले जो गांव आनंदपट के एम. एम.
रोड, पठानकोट में है जैमा दिल मने डील नं. 1082/
29-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पठानकोट से दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, 3 अंडपुरी, अमृतसर

तारीख : 25-1-1982
मोहर :

प्रखण्ड पाईं द्वारा एन्टरेंसः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का ५३। का धारा

२०३-व (१) के अन्तर्गत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 जनवरी 1982

निदेश नं. ए. एस. आर./81-82/376—यतः मृभे, आनंद सिंह, आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का ५३। (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), धा 269-ग के अधान सक्रम प्राधिकारी का, वह विवात करने का भारत है कि रुदावर सम्पत्ति, जिसका उल्लिङ्ग द्वारा अन्तर्गत ८० रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है, तथा जो पठानकोट में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीफर्म अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे ये विवात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उल्लिङ्ग द्वारा मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐस दुष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ५ और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच में से अन्तरण है) का अर्थ होगा, जिन्हें विवात में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुक्षित नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण से इर्दि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन रुक्ष वा अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/एवं

(ब) ऐसी हिसी आय या नियोग वा या अन्य अन्तरण को जिन्हें गारीबी आयकर अधिनियम, 1921 का 11। के उक्त अधिनियम के पदोन्नतीय प्रतिनियोगी द्वारा प्रदान नहीं की गया था या नियोग वा या अन्य अन्तरण में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमर मंह पूद चौकां, वासी स्थाली रोड, पठानकोट। (अन्तरक)

2. श्री चराजीलाल पट्ट तक्षण दारा, वासी ढांगू रोड, पठानकोट। (अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पर असम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना भी तानील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले लमात होता है, के भारत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अंतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ॥

अनुसूची

कृषि भूमि 1 कनाल, जो आनंदपुर, के. एस. एम. रोड, पठानकोट पर है जैसा कि सेल डाइड नं. 1008/23-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पठानकोट में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3 चंद्रपरी, अमृतसर

तारीख : 25-1-1982
महीने :

प्रसूत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 जनवरी 1982

निदेश न. ए. एस. आर./81-82/377—यतः मुझे,
आनंद सिंह, आई.आर.एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूचना का उपाय अन्तर्कारण
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका रजा अन्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संभूमि है, तथा जो पठानकोट में स्थित है
(और इससे उपायबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमर सिंह पुत्र जमीत राय, वासी मल पुर,
तहसील, पठानकोट।

(अन्तरक)

2. श्री राम प्रकाश पत्र लक्ष्मन दास, वासी ढांग रोड,
पठानकोट।

(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 1 क्लान, 17 भरले, जो आनंदपुर, के. एम.
एम. रोड, पठानकोट में है जैसा कि सेल डीड सं. 983/
23-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पठानकोट में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रज, 3 चंद्रपरी, अमृतसर

तारीख : 25-1-1982
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 जनवरी 1982

निदेश नं. ए एस आर/81-82/378—यतः मुझे, आनन्द सिंह, आई.आर.एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी संभूमि है तथा जो पठानकोट में स्थित है (और उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नोन्नति नहीं दिया गया अन्तराज लगाया मा वालावक रूप से कांथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अमर सिंह पुत्र चौकशा वासी सयाती रोड पठानकोट (अन्तरक)
2. श्री पंकज महाजन, नीरज महाजन पुत्र कूलदीप चंद ढांगू रोड, पठानकोट (अन्तरिती)
3. जैसा उम्पर से 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबूध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आशेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसरी

कृषि भूमि 1 कनाल 14 मरले जो आनन्द पूर के एम. एम. रोड, पठानकोट में है जैसा सेल छीड़ नं. 1051/25-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई.आर.एस.
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 25-1-82

माहेश :

प्रस्तुप बाई^१, टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 फरवरी 1982

निदेश नं. ए एस आर/81-82/379—यतः मुझे, आनन्द सिंह, आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं। एक प्लाट है तथा जो महिन्द्रा कालोनी अमृतसर में स्थित है (और इससे उपार्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रयोक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिनियन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निरित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ह्रौं किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यत, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :—

1. श्री गुरुद्वचन सिंह पूत्र के रतार सिंह घासी माडल टाउन अमृतसर (अन्तरक)
2. श्रीमती रघबीर कोर पत्नी सवरण सिंह पूत्र वधावा सिंह, वासी सकाइलाक होटल अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट न. 220 जो 275 व. मी. है जो महिन्द्रा कालोनी/रानी का बाग अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 7220/19-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, 3 चंदपुरी, अमृतसर

तारीख : 1-2-82
मोहर []

प्रस्तुप वाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जनवरी 1982

निदेश नं. ए एस आर/81-82/380—यतः मुझे, आनन्द सिंह, आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो श्री हरगोविन्द पर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराने प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसराने प्रतिफल से, ऐसे दूसराने प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाष्ठ, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तीयों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किस जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती करतार कारे पुश्त्री हरी सिंह वासी गांव सलोह-पुर कला पास काहनुवान तहसील गुरदासपुर (अन्तरक)
2. प्ररतेल सिंह सरवन् सिंह गुरनाम सिंह पुत्र इन्ह सिंह वासी मोहल्ला संतोख पुरा श्री हरगोविन्दपुर, तहसील बटाला (अन्तरिती)
3. जैसा उक्तर सं. 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाव भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 15 कनाल 8 मरले जो श्री गुरुहरगोविन्द पुर में है जैसा सेल डोड नं. 3327/7-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख 30-1-82
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 फरवरी 1982

निदेश नं. ए एस आर/81-82/381—यतः मुझे, आनन्द
सिंह, आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. इंडस्ट्रियल कम्पनी है तथा जो वेरका अमृत-
सर में स्थित है (और इससे उपावदध अनुमूली में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पूर्व ही प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से की थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्हाद् :—

1. श्री मोहन लाल अरोड़ा पुत्र राधा कोरिशन, दासी
राधा स्वामी रांड आफ मालवीय रांड अमृतसर
2. मेहरज प्रदीप कमार पांड ब्रदरज सामने मिल्क प्लाट
वेरका अमृतसर
3. जैसा उक्त सं. 2 में कोई किरायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पूरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है [1]

अनुसूची

एक शब्द (5539 व. ग.) जो बाई पास वेरका अमृतसर में
है जैसा सेल डीड नं. 8336/29-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1-2-82

मोहर :

प्रस्तुप आई., टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रोड, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 फरवरी 1982

निवेदन नं. ए एस आर/81-82/382—थत: मुझे, आनन्द सिंह, आई आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो गांव अठवाल सब तहसील कलानोर में स्थित है (और इसमें उपामदध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलानोर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का दृश्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करा देने के अन्तरक के हायिस्टम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

थत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती महिन्द्र कौर विधवा जसवंत सिंह अजेपाल सिंह पुत्र व विकामजीत कौर जसवंत पाल कौर पूत्रिया जसवंत सिंह पुत्र बूर सिंह, वासी पठानकोट अब अठवाल सब तहसील कलानोर, जिला गुरदासपुर (अन्तरक)

2. श्री प्रितपाल सिंह गुरपाल सिंह व मनवीर सिंह पुत्र कुलवंत सिंह गांव अठवाल तहसील कलानोर जिला गुरदासपुर (अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो चर्च अध्याय में दिया गया है [1]

अनुसूची

कृषि भूमि 36 कनाल 19 मरले जो गांव अठवाल तहसील कलानोर जिला गुरदासपुर में है जैसा सेल डीड नं. 336/9-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कलानोर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रोड, अमृतसर

तारीख : 1-2-82
मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयोग (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, अमृतसर

- अमृतसर, दिनांक 2 फरवरी 1982

निवेश नं. ए एस आर/81-82/383—यतः मुझे, आनन्द सिंह, आई आर एस
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी मं. बिलअ अप कंपेलेक्स है तथा जो सराय संत राम अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाहदध अनुसूची में और पृष्ठ रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्व ह प्रतिवाद से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा याद गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक है स कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(न) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती कृत्तिप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आनन्द सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयोग (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, अमृतसर

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 296-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उर्थात् :—

21-486GT/81

1. श्री कर्णिन गोपाल सपरा पुत्र परसूल चद वासी कटडा हरी सिंह अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री किरणल सिंह पुत्र लाभ सिंह कशमीर सिंह पुत्र अरजन सिंह, वासी पंजाब तहसील तरन तारन बलदेव सिंह पुत्र बलवंत सिंह, वासी सराय तलबड़ी तहसील तरन तारन (अन्तरिती)
3. जैसा उपर में 2 में कोई किरायेदार हो डिस्ट्रिक्ट ट्रान्सपोर्ट कोआपरेटिंग सोसाइटी लिमिटेड, अमृतसर (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वहो अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया गया है।

तारीख : 2-2-82

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 फरवरी 1982

निवेदन नं. ए एस आर/81-82/384—यतः मृझे, आनन्द
सिंह, आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. बिलट अप कम्पेलेक्स है तथा जो सराय संत
राम अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाखद्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उभयं बनने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिन्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री करशिने गोपाल पूर्ण परतूल चन्द वासी कटड़ा हरी
सिंह अमृतसर .

(अन्तरक)

2. श्री हरपाल सिंह पूर्ण लाल सिंह हरबंस सिंह पूर्ण अर-
जन सिंह वासी पंजवड़ तहसील तरन तारन अजीत सिंह
पूर्ण बलवंत सिंह वासी सराय तलवंडी, तहसील
अमृतसर

(अन्तरिती)

3. जैसा उक्तपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जने के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन को अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसरी

एक बिलट अप कम्पेलेक्स जो सराय संत राम बेरुन हाल गेट
अमृतसर में है जैसा सकल डीड नं. 8321/29-6-81
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई.टी.एन.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, अमृतसर

तारीख : 2-2-1982
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदेश नं. ए.एस आर/81-82/385—यतः मुझे, आनन्द
सिंह, आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. कृषि भूमि है जो गुरदासपुर में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अन्यभी में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुरदासपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पञ्चवें प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकां) और अन्तरिती
(अन्तरिनियमों) के द्वारा एमं अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर खेने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री रविंद्र नाथ पूत्र नरिन्द्र नाथ वासी गुरदासपुर
(अन्तरक)
2. श्री महेश सिंह पुत्र जगत सिंह वासी गांव पीरां बाग
डा. हयात नगर जिला गुरदासपुर
(अन्तरिती)
3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तर्ज्ञाची

कृषि भूमि 1 कनाल 16 मरने जो गुरदासपुर में है जैसा सेल
छीड़ नं. 1752/3-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरदासपुर
में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, अमृतसर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 4-2-1982
मोहर :

प्रलेप आई टी एन. एस.-----

आयवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर
अमृतसर, विनाक 4 फरवरी 1982

निदाश न ए एस आर/81-82/386—यत मूर्ख, आनन्द
सिह, आई आर एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं कृपि है तथा जो गुरदासपुर में स्थित है
(और इससे उपाङ्कु अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुरदासपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जून, 1981

कां पूर्वान्त मपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एस दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वान्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अतिरिक्ती
(अन्तरिक्षियाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तथ पाया गया अन्तरण
रूप म कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण स हूर्दे किसी आय को बांटते, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एस विसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को जिन्हे भारी आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

यतः प्रथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ---

- 1 श्री गुरदीप सिह हरदीप सिह पुत्र अजीत सिंह वारी
गाव जैनपुर व द्वी पुत्र सुन्दर सिह वारी
गाव नबीपुर, तहसील व जिला गुरदासपुर
(अन्तरक)
- 2 कैप्टन हरमीत सिह सुपुत्र जसवन्त मिह, निवासी
गुरदासपुर
(अन्तरिती)
3. जैसा उपर म. 2 में कोई किरायेदार हैं
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जो गाव जैनपुर में है रकबा 96 कनाल है जैसा
सल डीड 2882/24-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरदासपुर
में दर्ज है।

आनन्द सिह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 4-2-1982
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 2nd January 1982

No. A. 32011/1/80-Admn. III.—On being nominated to the C.S.S. Cadre of U.P.S.C. for appointment as Section Officer under the zoning Scheme, Shri V. C. Kajla, a permanent Assistant of the cadre of Planning Commission is hereby appointed to officiate as Section Officer on long-term basis with effect from the forenoon of 16th December 1981.

Shri V. C. Kajla may note that he will be reverted as and when Select List Officers become available, in the event of non-availability of vacancies at that time.

The 31st January 1982

No. A. 38013/5/81-Admn. III.—The President is pleased to permit Shri B. K. Bhattacharya, a permanent Section Officer of Central Secretariat Service, Cadre and officiating in Grade I of Central Secretariat Service as under Secretary in the Office of Union Public Service Commission to retire from Government Service after attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 31st January 1982.

No. A. 38013/4/81-Admn. III.—The President is pleased to permit Shri Bisheshwar Prasad, a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st January 1982 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests.(A) dated the 24th November, 1973.

No. A. 38013/5/81-Admn. III.—The President is pleased to permit Shri S. P. Nayar, a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st January 1982 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests.(A) dated 24th November 1973.

Y. R. GANDHI
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 11th February 1982

No. A-19020/1/79-AD. V.—The services of Shri R. C. Jha, IPS (MP-1961) Dy. Inspector General of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment are placed back at the disposal of the Govt. of Madhya Pradesh with effect from 8-2-1982 afternoon on repatriation.

No. A-19035/3/79-AD. V.—On attaining the age of superannuation, Shri S. C. Das Gupta, Office Superintendent, CBI relinquished charge of the office of Office Superintendent with effect from the afternoon of 31-1-1982.

No. A-22013/1/82-AD. V.—The Director/CBI and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri T. Sudersana Rao, Crime Assistant as Office Supdt./CBI on promotion on *ad hoc* basis in the CBI for a period of 3 months from 1-2-1982 or till the panel is drawn and the post is filled on regular basis whichever is earlier.

The 12th February 1982

No. A-31016/2/81-AD. I(DPC).—In exercise of the powers conferred by Rule 9(2) of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965, Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, S.P.I., hereby appoints Shri Jaspal Singh substantively to the post of Senior Scientific Assistant, in the Central Forensic Science Laboratory, C.B.I. w.e.f. 31-12-81.

The 15th February 1982

No. A-19028/1/78-AD. V.—The services of Shri A. V. Rajaraman, Executive Engineer/CBI are placed back at the disposal of Director General of Works, CPWD on repatriation with effect from 4-2-1982 (F.N.) after the expiry of leave from 25-5-81 to 21-1-1982 and joining time.

No. A-19020/1/82-AD. V.—The President is pleased to appoint Shri A. S. Bal IPS (MP-1963) as Deputy Inspector General of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the afternoon of 8-2-1982.

The 16th February 1982

No. A-19013/1/81-AD. V.—The Services of Shri Bajrang Lal, IPS (Rajasthan-1953) Joint Director, Central Bureau of Investigation and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment were placed at the disposal of Delhi Administration with effect from the afternoon of 23-12-1981.

HERO A. SHAHANEY
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

New Delhi, the 15th February, 1982

No. A-22020/71/80-Adm.III.—Consequent upon his promotion on *ad hoc* basis to the post of Stenographer Grade 'B' in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-800-EB-40-920-40-1040, Shri G. K. Guha has taken over charge of the post of Sr. P. A. (Grade 'B' Stenographer) in the C.B.I. with effect from 5-2-1982 (F.N.).

DWARKA NATH
Supdt. of Police (HQ), C.B.I. (HO).

DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110022, the 10th February 1982

No. O. II-1518/80-Estt.—The President is pleased to receive Dr. Sreekant Swamy, GDO; Grade-II of group Centre CRPF Avadi with effect from the afternoon of 22-1-82 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (Temporary Service) Rules, 1965.

No. O. II-1592/81-Estt.—The President is pleased to receive Dr. Prakash Chavali, GDO; Grade-II of Group Centre-I CRPF Ajmer with effect from the afternoon of 1-2-82 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) the CCS (Temporary Service) Rules, 1965.

The 11th February 1982

No. P. VII-4/80-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion, the following Inspectors of CRPF to the post of Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity till further orders:—

2. They took over charge of the post in the units on the dates indicated against their names:—

Sl. No.	Name of Officer	Unit to which posted	Date of taking over charge.
1	2	3	4
1.	Shri Hari Singh .	26 Bn	26-2-81
2.	Shri Virender Singh .	49 Bn	11-3-81
3.	Shri Karam Singh .	4 Bn	9-3-81 (AN)
4.	Shri G. Prema Sagran .	21 Bn	23-2-81
5.	Shri Rati Ram Yadav .	23 Bn	14-2-81
6.	Shri Bhanwar Singh .	70 Bn	19-3-81

1	2	3	4
7.	Shri Virender Singh	47 Bn	9-3-81
8.	Shri Amin Lal	64 Bn	20-3-81
9.	Shri D. S. Rana	64 Bn	10-3-81 (AN)
10.	Shri Lekhraj Singh	65 Bn	14-2-81
11.	Shri Daya Nand	9 Bn	18-2-81
12.	Shri Gurcharan Singh	28 Bn	14-2-81
13.	Shri Gulab Singh	42 Bn	26-2-81
14.	Shri Prem Singh	65 Bn	18-2-81
15.	Shri Sattar Singh	38 Bn	29-3-81
16.	Shri Umrao Prasad Yadav	GC BBSR	7-3-81
17.	Shri Hardev Singh	63 Bn	14-2-81
18.	Shri Jagdish Chand	43 Bn	28-2-81
19.	Shri P. B. Gurang	33 Bn	14-2-81
20.	Shri Mohd. Wasim	32 Bn	14-2-81
21.	Shri Joginder Pal Singh	63 Bn	22-4-81
22.	Shri O. P. Khola	21 Bn	14-2-81
23.	Shri Astosh Maithani	GC PPM	14-2-81
24.	Shri Komal Singh	6 Bn	14-2-81
25.	Shri G. Sukumaran Nair	Dte	16-2-81
26.	Shri Puran Chand	27 Bn	21-2-81
27.	Shri Roshan Lal	64 Bn	23-3-81
28.	Shri Prem Singh	10 Bn	6-3-81 (AN)
29.	Shri Sona Pathak	37 Bn	18-2-81
30.	Shri Jaibir Singh	65 Bn	14-2-81
31.	Shri Dhani Ram	GC NGR	2-3-81 (AN)
32.	Shri Sobha Chand	10 Bn	14-2-81
33.	Shri Ved Prakash	53 Bn	21-2-81
34.	Shri M. S. Malik	30 Bn	14-2-81
35.	Shri Kasim Khan	62 Bn	14-2-81
36.	Shri Chhajju Ram	46 Bn	16-2-81
37.	Shri R. S. Mishra	44 Bn	18-2-81
38.	Shri Yashpal Sharma	HC NGR	14-2-81
39.	Shri Gurmukh Singh	GC AVD	7-3-81
40.	Shri Kewal Krishan	5 Bn	14-2-81

A. K SURI
Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 10th February 1982

No. 10/8/80-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated the 6th July, 1981, the President is pleased to appoint, Shri N. G. Nag, Assistant Registrar General, (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Registrar General (Social Studies) in the same office on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a further period upto the 30th June, 1982 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The head-quarters of Shri Nag will be at New Delhi.

No. 10/31/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. L. Kumawat, Senior Geographer in the office of the Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur, as Research Officer (Drawing) in the office of the Registrar General, India New Delhi, by transfer on deputation on *ad hoc* basis, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 1st February, 1982 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The head-quarters of Shri Kumawat will be at New Delhi.

3. The appointment, on deputation, of Shri Kumawat to the Post of Research Officer (Drawing) in this office will be regulated under the terms and conditions as contained in the Government of India, Ministry of Finance O. M. No. F. 1 (H) E III(B)/75 dated 7-11-1975.

No. 10/4/81-A.D.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Shri H. R. Ghulyani, Assistant Director (Data Processing) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Director (Data Processing) in the same office, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a period not exceeding one year with effect from the forenoon of the 19th January, 1982 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Ghulyani will be at New Delhi.

3. The above-mentioned *ad hoc* appointment will not bestow upon Shri Ghulyani any claim to regular appointment to the post of Deputy Director (Data Processing). The services rendered by him on *ad hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above mentioned *ad hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without mentioning any reason therefor.

No. 10/5/82-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion Shri K. R. Unni, Deputy Director (Programme) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, as Senior Systems Analyst in the same office, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a period not exceeding one year with effect from the forenoon of the 19th January, 1982 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The head-quarters of Shri Unni will be at New Delhi.

3. The above-mentioned *ad hoc* appointment will not bestow upon Shri Unni any claim to regular appointment to the post of Senior Systems Analyst. The services rendered by him on *ad hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned *ad hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without mentioning any reason therefor.

No. 10/6/82-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, S/Shri R. P. Gupta and Pradeep Mehra, Assistant Director (Programme) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Director (Programme) in the same Office, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a period not exceeding one year with effect from the forenoon of the 19th January, 1982 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of S/Shri Gupta and Mehra will be at New Delhi.

3. The above-mentioned *ad hoc* appointments shall not bestow upon the officers concerned any claim to regular appointments to the post of Deputy Director (Programme). The services rendered by them on *ad hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned *ad hoc* appointments may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without mentioning any reason therefor.

P. PADMANABHA
Registrar General, India.

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) (BANKING DIVISION) REHABILITATION FINANCE ADMINISTRATION UNIT

New Delhi, the 11th February 1982

No. REAU/2(8)/ESTT/81.—Shri B. Brahma, Superintendent, Branch Office, Rehabilitation Finance Administration

1	2	3	4	5
S/3hr				
24. S. K. Bhattacharjee, P/101	Pt. Accounts Officer	30-11-81	Controller of Defence Accounts, Patna.	
25. S. Ramamurthy, P/87	Do.	30-11-81	Controller of Defence Accounts (Navy), Bombay.	
26. G. S. Ramachandran, P/444	Do.	31-12-81	Joint Controller of Defence Accounts, (Funds), Meerut.	
27. Sham Lal Narang, O/52	Officiating Accounts Officer	31-12-81	Controller of Accounts (Factories), Calcutta.	
28. A. Srinivasan, O/116	Do.	31-12-81	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.	
29. P. R. Nagraj, O/216	Do.	31-12-81	Do.	
30. Dev Raj Khattar, P/130	Pt. Accounts Officer	30-11-81	Controller of Defence Accounts (Other Ranks), North, Meerut.	
31. Birendra Narain Saxena, P/125	Do.	31-12-81	Do.	
32. Radhakrishan Thukral, P/236	Do.	31-12-81	Controller of Defence Accounts (Other Ranks), North, Meerut Cantt.	
33. Sadananda Sarkar, P/231	Do.	31-12-81	Controller of Defence Accounts, Patna.	
34. G. L. Sarkar, P/411	Do.	31-12-81	Do.	
35. Santosh Kumar Mukherjee, P/511	Do.	31-12-81	Controller of Accounts (Factories) Calcutta.	
36. P. K. Mukherjee, P/126	Do.	31-12-81	Do.	
37. B. K. Chatterjee, O/42	Offg. Accounts Officer	31-12-81	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	
38. Om Prakash Jerath, P/401	Pt. Accounts Officer.	31-12-81	Controller of Defence Accounts (Other Ranks), Central, Nagpur.	
39. Suraj Prakash Anand, O/63	Offg. Accounts Officer	31-7-81	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.	
40. Manohar Lal Dua, P/168	Pt. Accounts Officer	31-8-81	Do.	
41. Prem Sagar Gupta, P/323	Do.	31-8-81	Do.	
42. Ram Dev Verma, P/321	Do.	31-10-81	Do.	
43. P. R. Mukherjee, P/84	Do.	31-10-81	Do.	
44. Om Prakash Saini, O/357	Offg. Accounts Officer	31-12-81	Do.	
45. Jagdish Nath Jain, P/385	Pt. Accounts Officer	31-12-81	Do.	
46. Jit Singh, P/258	Pt. Accounts Officer	31-8-81	Controller of Defence Accounts Northern Command, Jammu.	
47. Sukh Dev Sharma, O/254	Offg. Accounts Officer	31-8-81	Do.	
48. Sohan Lal Bhasin, P/374	Pt. Accounts Officer	30-9-81	- Do.	
49. Om Prakash Aggarwal, P/215	Do.	30-11-81	Do.	
50. Inder Kumar Kapila, P/553	Do.	31-10-81	Do.	

The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of the undermentioned Accounts Officer.

Sl. No.	Name with Roster No.	Grade	Date of death	Struck off strength	Organisation
1. Shri A. Sriraman, (O/347)	Offg. Accounts Officer	31-10-81	1-11-81	Controller of Defence Accounts (FN)	Southern Command, Poona.

A. K. GHOSH,
Deputy Controller General of Defence Accounts (Proj.)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD
Calcutta-16, the 6th February 1982

No. 5/82/G.—Shri P. R. Rao, (Substantive & Permt. DDGOF/GM(SG) retired from service w.e.f. 1-11-81 (FN) consequent on his Permanent absorption in National Instruments Ltd., Calcutta with effect from the same date.

The 8th February 1982

No. 6/G/82.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Ty. Assistant Manager with effect from the dates shown against them until further orders :—

Sl. No., Name & Date of Joining

1. Shri C. B. Vadgaonkar—08-06-1981
2. Shri M. Chengalvarayan—29-11-1981

The 9th February 1982
No. 7/G/82.—On attaining the age of superannuation (58 yrs) Shri H. P. Saha Offg A.M./Subst. & Permt Foreman retired from service w.e.f. 31-10-81 (AN).

V. K. MEHTA
Asstt. Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 6th February 1982

No. A-19018/569/81-Admn.(G).—Consequent on his promotion, Shri S. R. Sengupta, a Grade III Officer of I.E.S.

and Deputy Director General, in the Directorate General, Commercial Intelligence and Statistics, Calcutta has assumed charge as Director (Gr. II) (Economic Investigation) in the office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi with effect from the forenoon of 28th October, 1981.

The 11th February 1982

No. A-19018/297/77-Admn.(G).—Consequent upon her appointment as Assistant Manager in the Bihar State Pharmaceutical and Chemical Development Corporation Ltd., Patna, Smt. Sunita Kumar, relinquished charge of the post of Asstt. Director (Gr.I) (Chemical) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi with effect from the afternoon of 13th January, 1982.

C. C. ROY,
Dy. Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 6th February 1982

No. 1125B/A-32013(AO)/78-80/19A.—The following Superintendents, Geological Survey of India are appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the date shown against each, until further orders.

Sl. No.	Name	Date of Appointment
S/Shri		
1.	Shri N. K. Pasin,	17-12-1981 (FN).
2.	Shri Amalendu Chatterjee,	31-12-81 (FN).

The 8th February 1982

No. 1150B/19012(1-SG)/80/19A.—Mrs. Sikha Ghosh (nee Mondal) is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 16th December, 1981, until further orders.

J. SWAMI NATH
Director General.

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 8th January 1982

No. F. 11-9/80(A1)-Estt.—The Director of Archives, Govt. of India hereby appoints Shri V. N. Kholi, Asstt. Archivist Gr. I (G), and Offg. Archivist (General) on *ad hoc* basis as Archivist (General) on regular temporary basis w.e.f. 1-1-82 (F.N.), until further orders.

B. R. SHARMA,
Administrative Officer,
National Archives of India,
for Director of Archives.

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 11th February 1982

No. 4(33)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. M. S. Vijaya, Junior Announcer, All India Radio, Mysore as a Programme Executive, All India Radio, Gulbarga in a temporary capacity with effect from the 28th January, 1982 and until further orders.

No. 4(36)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri R. Muthusubramanian, Programme Announcer, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Madras as Programme Executive, All India Radio, Tirunelveli in a temporary capacity with effect from the 27th January, 1982 and until further orders.

22—486GI/81

No. 4(25)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Krishan Chand Dubey, Assistant Editor, Radio Kashmir, Jammu as Programme Executive, All India Radio, Rohtak in a temporary capacity with effect from the 18th January, 1982 and until further orders.

No. 4(45)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Mira Pahuja, Transmission Executive, All India Radio, New Delhi as Programme Executive, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from the afternoon of 15th December, 1981 and until further orders.

The 12th February 1982

No. 5(30)/68-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri B. K. Ghosh, Transmission Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Calcutta as Programme Executive, All India Radio, Siliguri in a temporary capacity with effect from the 16th January, 1982 and until further orders.

The 16th February 1982

No. 10/6/78-SII.—Consequent upon his selection for the post of Technical Officer in the Aeronautical Communication Organisation in the Civil Aviation Deptt. Shri Arun Kumar Assistant Engineer, A.I.R., Darbhanga has been relieved of his duties in all India Radio w.e.f. 27-1-82 (AN).

H. C. JAYAL
Dy. Director of (Admn.)
for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 9th February 1982

No. 13-18/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to terminate the service of Dr. Naresh Kumar, Dental Surgeon Safdarjang Hospital, New Delhi, with effect from the afternoon of 31st January, 1981.

T. C. JAIN
Dy. Director Administration (O&M).

New Delhi, the 10th February 1982

No. A.19018/17/80-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. I. M. Merchant to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt. Health Scheme, Pune in a temporary capacity with effect from the 24th December, 1981 (Forenoon), until further orders.

No. A.19018/25/80-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. S. Lyngdoh to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt. Health Scheme in a temporary capacity with effect from the 1-12-1981 (forenoon), until further orders.

No. A.19018/30/80-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Sandhya Ray to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 2nd March, 1981 until further orders.

No. A.19018/22/81-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Guru Prasad Bhar to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt. Health Scheme, Bombay in a temporary capacity with effect from the 7th December, 1981 (Forenoon), until further orders.

T. S. RAO
Dy. Director Admn. (CGHS.I).

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 18th January 1982

No. A.19025/56/81-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission under mentioned persons have been appointed to officiate as Assistant Marketing

Officers (Group I) in this Directorate w.e.f. the date shown against each :—

1. Shri K. P. Upadhyay 26-11-1981 (FN).
2. Shri Pradeep Vyas, 26-11-1981 (AN).
3. Shri M. Pappi Reddy, 30-11-1981 (FN).
4. Shri C. Anjaneyulu, 1-12-1981 (FN).
5. Shri K. Sukumaran Acharya, 1-12-1981 (FN).

No. A.19025/70/81-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the undermentioned persons have been appointed to officiate as Assistant Marketing Officers (Group I), in this Directorate at Nagpur with effect from the date mentioned against each :—

1. Shri Mrinal Kumar Dwivedi, 19-12-1981 (FN).
2. Shri Nallapati Steeramulu, 21-12-1981 (FN).
3. Shri Gudipati Vidyesagar, 21-12-1981 (FN).
4. Shri Dil Prakash, 21-12-1981 (FN).
5. Shri Gadiraju Ramamohana Raju, 21-12-1981 (FN).
6. Shri Nand Lal Ram, 28-12-1981 (FN).

B. L. MANIWAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION**

Bombay-400 085, the 15th February 1982

No. PA/73(11)/80-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Dr. Chavali Prakash as Resident Medical Officer in Medical Division of Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 5, 1982 until further orders.

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer.

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
REACTOR RESEARCH CENTRE**
Kalpakkam, the 29th January 1982

No. RRC/PF/3688/82/1290.—The Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri CHINNAPAN NANDAGOPAL, as Scientific Officer/Engineer Grade "SB" in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 in the Reactor Research Centre, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of January 18, 1982 until further orders.

No. RRC/A32023/1/77/R/1291.—The Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri MUTHIAH KRISHNA MOORTHY, a permanent Senior Stenographer and officiating Stenographer Grade-III of the Reactor Research Centre in an officiating capacity on an *ad hoc* basis as Assistant Administrative Officer in the same Centre for the period from 8-1-82 to 23-2-82 *vice* Shri R. Raghunathan, Assistant Administrative Officer attending Training at Institute of Secretariat Training and Management, New Delhi.

S. PADMANABHAN
Administrative Officer.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 16th February 1982

No. A. 38019-1/E. I.—The undermentioned officers of India Meteorological Department have retired from the Government

service on dates mentioned against their names, on attaining the age of superannuation :—

S. No.	Name	Designation	Date on which officer retired
1.	Shri K. D. Tenpe	Assistant Meteorologist	31-8-1981
2.	Shri S. M. Rudra	Do.	Do.
3.	Shri T. G. Changrancy	Do.	30-9-1981
4.	Shri N. M. Sundram	Do.	Do.
5.	Shri J. J. Masillamani	Do.	Do.
6.	Shri S. Vankataramani	Do.	Do.
7.	Shri Harbans Singh	Do.	Do.
8.	Shri R. L. Joshi	Do.	31-10-1981
9.	Shri T. M. Sambamurty	Do.	30-11-1981
10.	Shri P. Manickam	Do.	30-11-1981
11.	Shri N. R. Wadnap	Do.	Do.
12.	Shri B. A. Kalyankar	Do.	31-12-1981
13.	Shri A. K. Nandy	Do.	Do.
14.	Shri V. Nagar	Do.	Do.
15.	Shri K. S. Krishnaswamy	Do.	Do.
16.	Shri M. L. Vadehra	Do.	31-1-1982
17.	Shri Y. K. Joglekar	Do.	31-1-1982
18.	Shri S. N. Saxena	Do.	Do.
19.	Shri S. Govindarajan	Do.	Do.
20.	Shri B. T. Chakraborty	Do.	Do.

The 16th February 1982

No. A.38019/1/E.I.—Shri A. R. Ramakrishnan, Officiating Director of India Meteorological Department has, retired from the Government service with effect from 31-8-1981 on attaining the age of superannuation.

K. MUKHERJEE
Meteorologist
for Director General of Meteorology.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 4th February 1982

No. A.32013/16/81-E.I.—The President has been pleased to appoint Shri R. Narasimhan, Senior Scientific Officer to the grade of Deputy Director (Research & Development) on an *ad hoc* basis for a period of six months (from 30-1-82 to 29-7-82) or till the regular appointment to the grade is made, whichever is earlier.

S. GUPTA
Dy. Director of Administration
For Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 5th February 1982

No. A. 32013/2/80-EC.—In continuation of this Department's Notification No. A. 32013/2/80-EC dated 8/9th April, 1981, the President is pleased to continue the *ad-hoc* appointment of the undermentioned Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer for a further period of six

months beyond 31-5-81 or till the regular appointments to the grade are made, whichever is earlier:—

Sl. No.	Name	Station of posting
1	2	3
S/Shri		
1.	H. S. Gahley	ACS, Lucknow.
2.	D. S. Gill	RCDU, New Delhi.
3.	S. K. Das	ACS, Calcutta.
4.	P. V. Subramaniam	ACS, Bombay.
5.	S. Rajaraman	ACS, Bombay.
6.	M. V. Darbhc	ACS, Bombay.
7.	N. S. Sidhu	CRSD, N. Delhi.
8.	S. R. Padmanabhan	CATC, Allahabad.

No. A. 32013/2/81-EC.—The President is pleased to appoint the following Asstt. Technical Officers in the C.A.D. to the grade of Tech. Officer on ad-hoc basis for a period of six months w.e.f. the dates indicated against each and to post them to the stations indicated against each:—

Sl. No.	Name	Present Stn. of posting	Stn. to which posted	Date of taking over charge
S/Shri				
1.	Y. P. Bhatia	Lucknow.	ACS Palam.	22-1-1982 (FN)
2.	I. M. Krishnan	Madurai	ACS, Trivandrum	18-1-1982 (FN)
3.	N. S. Apte	Jabbalpore	ACS Bombay	22-1-1982 (FN)
4.	P. K. Sen Gupta	Silchar	ACS Calcutta.	7-1-1982 (FN)

PREM CHAND,
Asstt. Director of Admn.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 1981

No. 1/32/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service hereby appoints Shri M. Nampoothiri M., Tech. Asstt., Switching Complex, Bombay as Asstt Engineer, in an officiating capacity, in Bombay Branch, with effect from the forenoon of the 1st December, 1981 and until further orders, on a regular basis.

The 28th November 1981

No. 1/496/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri T. S. N. Moorthy, Traffic Accountant, Hqrs. Office, Bombay, as Traffic Accounts Officer, in an officiating capacity, in the same office for the period from 19-10-81 to 5-12-81, against short-term vacancy, purely on *ad hoc* basis.

The 23rd December 1981

No. 1/194/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. B. Sil, Offg. Tech. Asstt. Switching Complex, Bombay as Asstt. Engineer, in an officiating capacity, in the same office, with effect from 1st December, 1981, and until further orders, on a regular basis.

The 24th December 1981

No. 1/45/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri N. M. Makwana, Tech. Asstt. Switching Complex, Bombay as Asstt. Engineer, in an officiating capacity, in the same office with effect from the forenoon of the 1st December, 1981, and until further orders, on a regular basis.

The 23rd January 1982

No. 1/27/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. K. Gupta, Technical Assistant, Bombay Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity in Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 1st December, 1981 and until further orders, on a regular basis.

1	2	3
S/Shri		
9.	S. Ramaswamy	ACS, Portblair.
10.	P. A. Shastri	ACS, Calcutta.
11.	K. B. Nanda	ACS, Srinagar.
12.	L. R. Goyal	RCDU, N. Delhi.
13.	H. S. Bajwa	ACS, Jaipur.
14.	R. G. Rao	ACS, Madras.
15.	H. S. Grewal	RCDU, N. Delhi.

The 9th February 1982

No. A. 32013/5/80-EC.—The President is pleased to appoint Shri R. S. Gahlot, Asstt. Dir. of Communication, D.G.C.A. (HQ), to the grade of Dy Director/Controller of Communication for a period of six months w.e.f. 27-1-1982 (FN), and to post him in the same office.

No. 1/73/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. S. Malik, Technical Assistant, Bombay Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in Switching Complex, Bombay with effect from the forenoon of the 1st December, 1981, and until further orders, on a regular basis.

The 3rd February 1982

No. 1/11/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. K. Mastey, Tech. Asstt., SWC, Bombay as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same office, with effect from the forenoon of the 1st December, 1981 and until further orders, on a regular basis.

P. K. G. NAYAR
Director (Admn.).
for Director General.

Bombay the January 1982

No. 1/357/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. V. Vardan, Technical Assistant, Switching Complex, Bombay as Assistant Engineer, in an officiating capacity in Headquarters Office, Bombay with effect from the forenoon of the 4th May, 1981, and until further orders.

No. 1/235/82-EST.—Shri F. P. D'Souza, Deputy Traffic Manager, Bombay, retired from service, with effect from the afternoon of the 31st January, 1982, on attaining the age of superannuation.

The 23rd January 1982

No. 1/109/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri G. R. Gogoi, Tech. Asstt., A.S.E.S., Lachhiwala, Dehra Dun as Asstt. Engineer, in an officiating capacity, in the New Delhi Branch with effect from the forenoon of the 15-12-81 and until further orders.

No. 1/497/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Francis Thomas, Technical Assistant, New Delhi as Assistant Engincer, in an officiating capacity, in the same Branch, with effect from the forenoon of the 1st December, 1981 and until further orders.

The 6th February 1982

No. 1/5/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. K. Arya, Technical Assistant, Switching Complex, Bombay, as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same office with effect from the forenoon of the 1st December, 1981, and until further orders.

The 12th February 1982

No. 1/257/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri G. C. D'Lima, Supervisor, Bombay Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 2-5-81 to 18-8-81, against short-term vacancy, purely on *ad hoc* basis.

No. 1/84/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. Tirkey, Supervisor, Calcutta as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 26-10-81 to 10-11-81, against short-term vacancy, purely on *ad hoc* basis.

No. 1/459/82-EST.—Shri S. Jayaraj, officiating Assistant Engineer, Switching Complex, Bombay, was permitted to resign his appointment, with effect from the afternoon of the 23rd January, 1982.

No. 1/498/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. Ashtikar, Technical Assistant, Arvi as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, with effect from the forenoon of the 1st December 1981 and until further orders.

No. 1/499/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri J. D. Ketkar, Supervisor, Bombay Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the periods indicated below :—

1. From 12-10-81 to 14-11-81.

2. From 16-11-81 to 31-12-81.

against short-term vacancy, purely on *ad hoc* basis.

No. 1/501/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Matal Madhusudan, Technical Assistant, Calcutta as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the A.S.E.S., Lachhiwala, Dehra Dun Branch with effect from the forenoon of the 29-12-81 and until further orders.

No. 1/502/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Ram Prakash, Technical Assistant, New Delhi as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the A.S.E.S., Lachhiwala, Dehra Dun with effect from the forenoon of the 19-12-81 and until further orders.

No. 1/503/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri K. P. Varma, Technical Asstt. Arvi as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch with effect from the forenoon of the 1-12-81 and until further orders.

No. 1/508/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri G. S. Chhatwal, Technical Assistant, New Delhi as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the A.S.E.S., Lachhiwala, Dehra Dun Branch with effect from the forenoon of the 24-12-81 and until further orders.

The 15th February 1982

No. 1/125/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri H. G. Kanakachalam, Supervisor, New Delhi as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 1-9-81 to 24-9-81 against short-term vacancy, on *ad hoc* basis.

H. L. MALHOTRA
Dy. Director (Admn.)
for Director General.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE, AND CUSTOMS

Bombay-1, the 16th February 1982

No. St.-2/80-81.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1) of Rule 232-A of Central Excise Rules, 1944 the names and addresses, and other particulars specified in sub-rule (2) of the person who have been convicted by the Court under Section 9 of the Central Excises and Salt Act, 1944 and persons on whom a penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act are published as follows :—

I—COURT CASES

Sl. No.	Name of the persons	Address	The provisions of the Act Contravened	The amount of penalty imposed
1	2	3	4	5
1.	Shri Kakubhai Kalyanji Saraiya, Proprietor of M/s. Saraiya Engineering Company.	159/3, Cavel Cross Lane No. 6, Bombay-2.	Under Section 9(1)(ii) R/W (a) Under Section 9(1)(a) (b) Under Section 9(1) (b) (c) Under Section 9(1) (bb) (d) Under Section 9(1) (bbb)	(a) Fine of Rs. 100/- i.d. to 7 days S.I. (b) Fine of Rs. 100/- i.d. to one month S.I. (c) Fine of Rs. 100/- i.d. to one month S.I. (d) Fine of Rs. 100/- o.d. to one month S.I.

II. DEPARTMENTAL ADJUDICATIONS

Sl. No.	Name of the persons	Address	Provisions of the Act or Rules made thereunder contravened	Amount of penalty imposed.	Value of excisable goods adjudged by an officer under section 33 to be confiscated.	Amount of fine in lieu of confiscation under section 34 of the Acts.
---------	---------------------	---------	--	----------------------------	---	--

— NIL —

K. S. DILIPSINHJI,
Collector of Central Excise
Bombay-1.

**DIRECTORATE OF INSPECTION AND AUDIT
CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE**

New Delhi, the 11th February 1982

No. 2/82.—Shri Mohontosh Chatterjee, lately posted as Appraiser in the Central Excise Collectorate, Delhi assumed charge of the post of Junior Departmental Representative Group 'B' in the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise, New Delhi Bench of the Appellate Tribunal for Customs, Central Excise and Gold Control on 13-1-82 (FN).

No. 3/82.—Shri Raminder Singh, lately posted as Superintendent Central Excise Group-B in Meerut Collectorate, assumed charge of the post of Inspecting Officer Group-B in the Directorate Headquarters office New Delhi w.c.f. 1-2-82 (forenoon), *vide* Directorate letter C. No. 1041/2/81 dated 10-12-81.

S. B. SARKAR,
Director of Inspection.

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 10th February 1982

No. 22/1/81/22/4/81-Adm-I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri Mange Ram, Super-

visor, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B), Service in the Central Electricity Authority, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 13th January, 1982, until further orders.

S. S. BISWAS
Under Secretary.

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD**

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Imam Properties & Fabricators Private Limited*
Patna, the 10th February 1982

No. (1226)560/78-79/4641.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the IMAM PROPERTIES AND FABRICATORS PRIVATE Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

A. W. ANSARI
Registrar of Companies,
Bihar, Patna.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX,

Cochin-682016, the 27th January 1982

ORDER

SUB :—*Estt -ITO Group 'B'—promotion and postings—orders issued of—*

No. 2/Estdt./Con/81-82.—The following promotion and postings are hereby ordered :—

1. Shri K. S. Vijayan, Inspector of Income-tax, I. T. Office, Ernakulam, is hereby appointed to officiate as Income-tax Officer, Group 'B' in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 1-2-1982 or from the date he takes over charge, whichever is later and until further orders. He will be on probation for a period of 2 years. The above appointment is made on a purely temporary and provisional basis and is liable to termination at any time without notice.

II. TRANSFERS AND POSTINGS :—

Sl. No.	Name	From	To	Remarks
1.	Shri H. Subba Rao	ITO A-Ward, Survey Cir., Ernakulam.	ITO, B-Ward, Survey Cir., Ernakulam.	(Vice Shri T.T. Joseph retiring from service on 31-1-1982).
2.	Shri M. Gopalakurup	ITO, B—Ward, Survey Cir., Ernakulam.	ITO, A-Ward, Survey Cir., Ernakulam.	Vice H. Subba Rao (fd.)
3.	Shri K. S. Vijayan	ITI (On pro- motion as ITO Gr. 'B').	ITO, B—Ward, Survey, Cir., Ernakulam.	Vice M. Gopalakurup. fd.

Shri Gopalakurup will hold the charge of B-Ward, Survey Circle, Ernakulam, as an additional charge till relieved by Shri K. S. Vijayan.

M. S. UNNINAYAR,
Commissioner of Income-tax,
Cochin.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS"
ANAND BAZAAR, COCHIN

Coch'n-682 016, the 8th December 1981

Ref. I.C. No. 543/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule

situated at Kaipattoorkara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mulanthuruthy on 5-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Gopi, S/o Krishnan Nair, Pariyarathu Puthen Purayil, Kaipattoor P.O.,
(Via) Arakunnam, Kanayannoor Taluk,
(Transferor)

(2) Shri P. N. Velayudhan,
S/o Narayanan, Parakkattu Muttathu Lane,
Kadavanthara, Ernakulam desom, Ernakulam.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2 Acres of land in Sy. No. 416/1 of Azhakathur Desom, Kaipattoor Kara, Kanayannoor Taluk.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-12-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Rep. by Mr. A. J. Mathew (for Super Sea Foods, Cochin) (Mg. Partner & Power Holder)
Choolakkat House, Kakkanad, Cochin-21.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Koyas Refrigeration,
Cochin-25.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR
COCHIN

Cochin-682 016, the 8th December 1981

Ref. L.C. No. 542/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule

situated at Cochin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Cochin on 4-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

72 cents of land and buildings in Sy. Nos. 1033/1.1034/2, 1033/3 and 1034/1 as per document No. 2355 dated 4-6-1981 registered at Sub Registrar Office, Cochin. The properties are situated in Palluruthy vadakkum Muri, Rameswaram village, Cochin Taluk.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 8-12-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Roopa Ram S/o Amolak Suthar & Dana Ram
s/o Prahalad Ram Jangid, Shastri Nagar, Jodhpur.
(Transferor)

(2) Shrimati Heji Bai, w/o Shri Thanwar Das & Mahesh
Kumar S/o Thawar Das Dhankani Sindhi, R/o
Plot No. 309, Shastri Nagar, Jodhpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq/1099.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 309 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jodhpur on 24-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of house property at Plot No. 309, Sector A, Section 4, Shastri Nagar, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur, vide his registration No. 1743 dated 24-7-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-81
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Roopa Ram S/o Amolak Suthar & Dana Ram
S/o Shri Prabhalal Jangid, R/o Shastri Nagar, Jaipur.
(Transferor)

(2) Dr. Sunder & Shri Harish sons of Thawar Das
Sindhi R/o Plot No. 309 A, Masuria,
Shastri Nagar, Jodhpur

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq/1102.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 309, situated at Jodhpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 24-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of house property at Plot No. 309, Masuria, Section-4, Sector-A, Shastri Nagar, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide his registration No. 1744 dated 24-7-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 9-12-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23-486GI/81

FORM ITNS—

(1) Shri Roopa Ram S/o Amolak Suthar & Dana Ram
s/o Prahalad Ram Jangid, Shastri Nagar, Jodhpur.
(Transferor)

(2) Shri Kishan & Naresh sons of Shri Thanwar Das Ji
Dhankani, R/o Plot No. 309, Masuria, Shastri
Nagar, Jodhpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq/1103.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 309 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 ('16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 24-7-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of house property at Plot No. 309, Masuria, Section-4, Sector-A, Shastri Nagar, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jodhpur vide his registration No. 1745 dated 24-7-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 9-12-81
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shrimati Bano Begam, w/o Shri Abdul Rasheed,
Nagori, Silawaton Ka Bas, Jodhpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq/1100.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 53 situated at Jodhpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 22-6-1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shrimati Ganeshi Devi W/o Ram Swaroop, Shri Ram Ratan S/o Ram Swaroop, Shri Ram Kishore S/o Ramswaroop, Dondi Daron Ka Mohalla, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 53, Sector-B, Shastri Nagar, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jodhpur vide his registration No. 1435 dated 22-6-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) S/Shri Moti Ram & Jetha Nand sons of Nanumal
R/o Residency Road, Sardarpura, Jodhpur.
(Transferor)

(2) Shrimati Veena, W/o Shri Jagdish Kalwani,
Inside Sojati Gate, Jodhpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq/1101.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 660A situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 17-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 660A, Residency Road, Sardarpura, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jodhpur vide No. 1411 dated 17-6-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq/1104.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 15 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 28-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Krishna Kant Vyas S/o Shri Ramkishore Vyas, Shri Kamal Kant Vyas & Shrikant Vyas sons of Shri Krishnakant Vyas, R/o C-60, Tilak Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Rajkumari, Shri Shikhar Chand Palawat, Shri Gyanchand Palawat & Shri Tilak Singh Palawat, R/o Haldiyon Ka Rasta, Johari Bazar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 15, Shiva Ji Marg, Diggi House, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his registration No. 2009 dated 28-7-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 9-12-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-31A situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 23-6-1981. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Vinod Thakkar S/o Shri Vilfrad Thakkar R/o C-31 A, Chomu House, C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(2) Major Fateh Singh S/o Thakur Amba Dan Singh R/o D-42, Subhash Marg, C-Scheme Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. C-31 A, Sardar Patel Marg, Jagan Path, Chomu House, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his registration No. 1539 dated 23-6-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 28-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shrimati Preetam Kunwar W/o Thakur Narpat Singh Ji, Rai Ka Bagh, Jodhpur.
(Transferor)

(2) Shrimati Manohar Devi W/o Kanhaiyalal Ji, R/o Kesarbadi, Jodhpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE I.A.C. ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 28th January 1982

Ref. No. IAC/Acq./1126.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2/A/4 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 3-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 2/A/4, Paota B-Road, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jodhpur vide his registration No. 2265 dated 3-10-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 28-1-82.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Shrimati Preetam Kunwar W/o Narpat Singh
Rajput R/o Paota, Jodhpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jamnalal S/o Kanhya Lal Thathiya,
Jodhpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.1137.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed, hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Jodhpur on 3-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein in are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot situated at outside Medati Gate, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jodhpur vide his registration No. 2262 dated 3-10-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 28-1-82.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shrimati Freetam Kunwar W/o Naipat Singh Ji
Rajput, R/o R/o Ka Bagh, Jodhpur.
(Transferor)

(2) Shri Kesari Mal Ved S/o Sukhlal Ved,
R/o Mohanpura, Jodhpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR
JAIPUR

Jaipur, the 28th January 1982

Ref. No. IAC/Acq/1025.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, HAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2/A/1 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 3-10-1981

for in apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 2/A/1 at Paota B-Road, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jodhpur vide his registration No. 2264/A dated 3-10-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 28-1-82.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21 186GT/81

FORM I.T.N.S.—

- (1) Smt. Preetam Kunwar W/o Narpat Singh Ji Rajput,
R/o Tehsil Phuleria, at present
Rai Ka Bagh, Jodhpur.
(Transferor)
- (2) Shri Anand Kumar S/o Kesari Mal Ji Ved.
R/o Mohanpura, Jodhpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th January 1982

Ref. No. IAC/Acq/1124.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2/A/2 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 3-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 2/A/2 at Paota B-Road, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jodhpur vide his registration No. 2263 dated 3-10-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 28-1-82.
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th February 1982

Ref No 235/81-82.—Whereas I, BIBEK BANERJI, being th^o Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 17-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

(1) Shri Nand Kishore Kedia S/o L. Lala Dwarika Das, K/o R/o Siljo Siswan Bazar, Distt. Gorakhpur Through Mukhtaram Jugul Kishore Agarwal, S/o Shri Hira Lal Agarwal R/o 3-B Sarvodaya Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Gyani Ram S/o Shri Naresh Singh Das, Smt Shri Rani Agarwal W/o Shri R. K. Agarwal, Master Surendra Kumar Agarwal (14 years) legal heir Shri R. K. Agarwal (Guardian & Father) R/o 111/324, Ashok Nagar, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
LBN/1/82

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

immovable property situated at 123/738, Fazalganj, Kanpur measuring 2333.3 sq. yds.

BIBEK BANERJI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-2-1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : —

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th February 1982

Ref. No. 230/KNP/81-82.—Wheeras I, BIBEK BANERJI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 3-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Pradip Kumar Bajaj S/o Shri Dwarika Prasad Bajaj, R/o 73/28, Collectorganj, Kanpur.
(Transferor)

(2) Smt. Prem Lata W/o Shri Ram Gopal, Sudhir Kumar, Sanjaya Kumar S/o Shri Ram Gopal, R/o 52/17, Sakkar Patti, Kanpur & Smt. Krishna Devi W/o Shri Om Prakash and Sandip Kumar S/o Shri Om Prakash, R/o 74/218, Dhankutti, Kanpur.
(Transferee)

(3) S/Shri Hira Lal Bhatia and Maksood Ahmed.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property situated at 85/30, Cooperganj, Kanpur measuring 800 sq. yds.

BIBEK BANERJI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-2-1982.
Seal :

FORM ITNS ——

(1) M/s. Vithal Construction;
Through : Partners : Shri Pranlal Vithaldas Rajdev
& others; C/o Vithal Apartment, Race Course
Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant Chunilal & others;
Flat No. E-2, Vithal Apartment,
Race Course Road, Rajkot.

(Transferee(s))

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 21st January 1982

Ref. No. P. R. No. 1600 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. E-2, situated at Vithal Apartment, Race Course Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 6-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E-2 of Vithal Apartment, Race Course Road, Rajkot, duly registered by Sub-Registrar, Rajkot vide sale deed No. 4036/6-6-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21st January, 1982
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDIOLI HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 21st January 1982

Ref. No. P. R. No. 1601 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. J-2 situated at Vithal Apartment, Race Course Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 5-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Vithal Construction; through partners: Shri Pranlal Vithaldas Rajdev & others; C/o Vithal Apartment, Race Course Road, Rajkot.

(Transferor)(s)

(2) Shri Bharatkumar Laxmidas Samani; Flat No. J-2, Vithal Apartments, Race Course Road, Rajkot.

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. J-2 of Vithal Apartment, Race Course Road, Rajkot, duly registered by Sub-Registrar, Rajkot vide sale-deed No. 4035/5-6-81 i.e. property as fully described therein, Ahmedabad.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 21st January, 1982.
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (17 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 12th January 1982

Ref. No. P. R. 1605 Acq 23-II/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. B. IND. 129A, Central Road situated at Udhna Udyognagar, Udhna
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Surat on 15-6-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11
of 1972) or the said Act, or the Wealth tax Act
1957 (27 of 1957);

(1) The Udhna Udyognagar Sahakari Sangh Ltd.
Central Road No. 10, Udhna.

(Transferor(s))

(2) Shri Shiydas Kanji Patel;
17A Ram Nivas, Matunga Road,
Matunga, Bombay-400019.

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Udhna B-Ind-129 A, Central Road, duly
entered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dt : 21st January, 1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269D(1) of the
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
 GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
 HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 20th January 1982

Ref. No. P. R. No. 1406 Acq. 23-II '81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 26 paiki situated at Bholav (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Shri Harshadbhai M. Patel;
 Sonal Enterprise,
 Buddhdev Market, Broach.

(Transferor)s

(2) President :
 Shri Rajubhai P. Patel;
 Shri Radha Krishnanagar Coop. Hsg. Society Ltd.
 Broach.

(Transferee)s

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 26 (Paiki) at Bholav, duly registered in June, 1981.

G. C. GARG
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dt.: 20th January, 1982.

Sigl.:

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 20th January 1982

Ref. No. P. R. No. 1407 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 18, Majampur situated at Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Narhariprasad & Co.,
Managing Partner Shri Dilipkumar N. Bhatt,
Pritam Society, Broach.

(Transferor)(s)

(2) Chairman :
Nutan Flat Coop. Housing Society,
Shri M. A. Bangwala;
C/o Shalimar Shopping Centre, Broach.

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property at S. No. 18 at Majampur, Sub-Plot No. 5-6, duly registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely—
25—486GI/81

Dt.: 20th January, 1982.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chandubhai Mathurbhai Patel;
Shri Bhagwanbhai Mathurbhai Patel;
Zadeswar, Taluka; Broach.
(Transferor)(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 20th January 1982

Ref. No. P. R. No. 1408 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as described in 37-G registered vide No. 1208/81 situated at Broach District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) Partners of Sanjay Organizer;
1. Shri Farasram Ratilal Bhamwala;
Pritam Society, Broach.
2. Shri Nagibhai Maneklal Chunawala;
Vadapada Road, Broach.
3. Shri Rajen Baldevdas Shah;
Gandhigram Society, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property as described in 37G registered vide No. 1208/81 in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dt: 20th January, 1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Sapurji Dadabhai Vansikusi,
Padvel Tal Chikhali, Dist Valsad
(Transferor(s))

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad 380 009, the 21st January 1982

Ref No P R No 1409 Acq 23 II 81 82—Whereas, I G C GARG, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S No 417/A parki (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at situated at Billimora for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(2) Trustees of Hamir Family Trust,
Di Hamir Sorab Billimora,
Desara Road, Billimora
Di Suresh Jayantilal Sanghvi,
Anandbag, Billimora

(Transfece(s))

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Desara—S No 417/A parki land duly registered in June, 1981

G C GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated 21st January 1982
Seal

FORM ITNS

(1) Mangalbhai Bhulabhai,
Vavol Village, Gandhinagar Taluk.
(Transferee)s

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd January 1982

Ref. No. P. R. No. 1410.Acq.23-II, 81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 833 situated at Vavol village, Gandhinagar Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registered Officer at Gandhinagar on 22-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Kashiben Girdharlal Dalal;
2. Shantilal Mangaldas Patel;
3. Mahendrabhai Maganbhai;
4. Jay Vidaben Girdhari Dalal;
5. Sushilaben Surendrabhai Dalal;
6. Prabodhbhai Jaswantilal Shah;
All staying at Ahmedabad.

(Transferee)s

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of an income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land bearing Survey No. 833 situated in village Vavol in Gandhinagar Taluka and as fully described in sale deed bearing Regn. No. 1192 registered in the office of Sub-Registrar, Gandhinagar on 22-6-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

"Dated : 22nd January 1982
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Sanduben Gidharbhai Bhatt;
Vavol village, Gandhinagar Taluka.
(Transferor)(s)

(2) Prashantkumar Prafullbhai Bhatt;
Javeraj village, Dholka Taluka,
Ahmedabad District
(Transferee)(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd January 1982

Ref. No. P. R. No. 1411 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gandhinagar District and as fully described in sale-deed Survey No. 779 situated at Vavol village, Gandhinagar District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 4-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 779 situated in Vavol village in bearing registration No. 1001 registered in the office of Sub-Registrar, Gandhinagar, on 4-6-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 22nd January 1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd January 1982

Ref. No. P.R. No. 1412, Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 87/1, 87/2 and 87/3 situated at Vavol village, Gandhinagar District (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 2-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Nayi Vallabhbhai Naranbhai;
2. Nayi Vithalbhai Naranbhai;
3. Nayi Vithalbhai Naranbhai;
4. Nayi Kantibhai Mangaldas;
All staying at Vavol village, Gandhinagar Taluka,

(Transferor)

- (2) Vasundhara Coop. Housing Society;
Through :
1. Punjiram Kuchrabhai of Vavol village &
2. Prabhudas Madhabhai of Pamol village,
Gandhinagar Taluka.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 87/1, 87/2 and 87/3 situated at Vavol village in Gandhinagar Taluka and as fully described in sale deeds bearing registration Nos. 979, 980 and 981 registered in the office of Sub-Registrar, Gandhinagar on 2-6-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 22-1-1982

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Patel Shydas Govind Chhabaiya.

(Transferor)

(2) Shri Patel Lalji Ramji;
Village : Nagalpur,
Tal. Mandvi, Kutch.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1605 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, J. G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 823 paiki & New S. No. 367 paiki situated at Bhuj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhuj on 4-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :...

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land situated at Bhuj, bearing S. No. 823 paiki and new S. No. 367 paiki, adm. 2 A. 4 Gun, as fully described in the sale-deed fully registered with the Sub-Registrar, Bhuj, vide Regn. No. 1301 dated 4-6-81.

G. C. GARG.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-1-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1604 Acq.23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Lalpur, Tal. Lalpur, Dist. Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamjodhpur, on 20-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Daria Arjan Soni;
P.A. Holder : Shri Bhagwan Arjan Soni;
Shri Chhaganlal Arjan Soni;
P.A. Holder : Pranlal Arjan,
Lalpur, Dist. Jamnagar.

(Transferor)

(2) Kunverben Tarsibhai Bhensadia;
Lalpur, Dist. Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Property situated at Lalpur Dist. Jamnagar admeasuring 7200 sq. ft. as fully described in the sale-deed duly registered with the Sub-Registrar, Jamjodhpur, Dist. Jamnagar vide Regn. No. 153 dated 20-6-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 25-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Ramaniklal Varjal Vyas;
1186-B, Ghogha Circle, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Smt. Ramalaxmi Kalidas Dave;
Hafesh Kalidas Dave;
Sardar Nagar, Behind Gurukul,
Bhavnagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1603 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I.

G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1656-A situated at Sardarnagar, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 20-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property situated at Sardarnagar, Bhavnagar bearing Plot No. 1656-A admeasuring 800-00 sq. yds. as fully described in the sale-deed fully registered with the Sub-Registrar, Bhavnagar vide Regn. No. 1469 dated 20-5-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Dated : 25-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—486GI/81

FORM ITNS

(1) Shri Vinodrai Keshavlal Trivedi;
Village : Pachegam, Tal. Gariadhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1602 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 212 situated at Chitra Society, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 18-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifty per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 212 of Chitra Society, Bhavnagar admeasuring 428 sq. yds. i.e. 357.82 sq. mts. as fully described in the sale-deed duly registered with the Sub-Registrar, Bravnagar vide Regn. No. 1436 dated 18-6-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-1-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Jayendrabala A. Mankodi,
Amarnath Plot, Kalawad Road,
Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Lalitbhai Madhvajibhai Nathwani;
Dharmendra Road, Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDIOMM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1606 Acq.I/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

S. No. 780—"D" paiki situated at Rajkot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Rajot on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building bearing S. No. 780—"D"—paiki standing on land
adm. 473.4-0 sq. yds. situated at Rajkot, duly registered by
Sub-Registrar, Rajkot, vide sale-deed No.4701/June, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 1-2-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Memon Haji Mamad Haji Ismail; Zaveri;
Through : P.A. Holder, Shri Rajabali Bhajibhai,
Vorawad, Porbander.
(Transferor)
- (2) Shri Bhanushankar Liladhar Joshi & another;
Chhaya Plot, Porbander.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1607 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. II, Sheet No. 121—S. No. 6132 situated at Porbander (Dist. Junagadh)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Porbander; on 4-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land adm. 5275 sq. yds. situated at Porbander, duly registered by Sub-Registrar, Porbander, vide sale deed No. 2068/4-6-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-2-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASIRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1608 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Open land situated at Mulband's Street, Dudhrej, Dist. Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on 15-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Vadvalla Mandir Goushala Trust;
Trustee : Shri Kalyandasji Gomatidasji;
Dudhrej, Tal. Wadhwan.

(Transferor)

(1) Shri Vadwalanagar Coop. Housing Society Ltd.
President : Shri Karnabhai Bhayabhai Bharwad,
Dudhrej, Dist. Wadhwan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 13A-08 Gun, situated at Dudhrej Dist. Wadhwan, duly registered by Sub-Registrar, Wadhwan vide sale-deed No. 2639/15-6-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 1-2-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kantilal Manilal Bhayani;
Kalapinagar Lathi (Dist. Amreli).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Adarsh Construction Company,
1761/1, Gandhi Road, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASURAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1609 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 295 & 283 situated at Amreli (Saurashtra) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amreli on 11-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 459.65 & 356.38 sq. mts. bearing Plot No. 295 & 283 situated at Amreli, Dist. Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Rajkot vide Sale deed No. 1579 & 1580/11-6-81 i.e., property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 1-2-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1610 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Non agricultural land situated at Wankaner, Dist. Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wankaner on June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Jayaben Pragji;
Wankaner, Dist. Rajkot.

(Transferor)

(2) Kishan Ceramic Industries;
through : Shri Jeraj Pitamber,
Wankaner, Dist. Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1911) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

N. A. land adm. sq. mts. 7623 situated at Wankaner, Dist. Rajkot, duly registered by Sub-Registrar, Wankaner, vide sale-deed No. 315/June. 81 (37G received in June, 1981) i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-2-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1611 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mill Building Structure & hereditaments situated at Wankaner Dist. Rajkot & Jorawarnagar, Dist. Surendranagar (and more fully described in the schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Wadhawan on 30-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have been to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1911) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amarsinhji Mills Ltd.,
Wankaner—363622,
Dist. Rajkot.

(Transferor)
(2) M/s. Kores (India) Ltd.,
Plot No. 10, Off Dr E Moses Road,
Worli, Bombay-400 018.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Mill Buildings—Structures & hereditaments measuring 22408 sq. mtrs. standing on land adm. 131020 & 8361 sq. mtrs. situated at Station Road in Wankaner Dist. Rajkot and all that buildings structures and hereditaments standing on land adm. 864.34 sq. mtrs. at Jorawarnagar Dist. Surendranagar duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan vide sale deed No. 850/30-6-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Patel Kunji Teja;
Dhobi Pole, Wadhawan City.

(Transferor)

(2) Shri Mahipatlal Kasturchand;
Mehta Market, Surendranagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I.

2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1612 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

S. No. 1819 situated at Wadhawan, Dist. Wadhawan
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Wadhawan on 23-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
27 -486GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XVA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 3 A-00 G—bearing S. No. 1819 situated at
Wadhawan, duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan,
vide sale-deed No. 2771/23-6-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 1-2-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rathod Chikubhai Shivabhai;
Wadhawan City, Wadhawan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balchand Kasalchand Shah & others;
Dhrangadhara; Dist. Wadhawan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1613 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 2034 & 2033 situated at Wadhawan—Dist. Wadhawan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 2033 & 2034 adm. 5A-12 Gun. & 1 A-34 Gun. situated at Wadhawan, duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan, vide sale-deed Nos. 2434 & 2433/3-6-1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 1-2-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Patel Visnubhai Ambaram;
Wadhawan City, Wadhawan.

(Transferor)

(2) Shri Balchand Kasalchand & others;
Dhragadbara Dist. Wadhawan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDRABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1614 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 2028 & 2029 situated at Wadhawan, Dist. Wadhawan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 2028 & 2029 adm. 2 A-38 Gun. & 6 A-34 Guntha situated at Wadhawan, duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan, vide sale deed Nos. 2431/81 & 2432/81/3-6-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-2-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDRABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1615 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. D-3, situated at Vithal Apartments, Race Course Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Rajkot on 15-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Vithal Construction Co., Through : Partners Shri Pranlal Vithaldas Rajdev & others; Race Course Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Gulabdevi Kanaiyalal Surana & another; Murlidhar Sharma Road, Fancy Bazar, Gauhati (Assam).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-3, of Vithal Apartments situated at Race Course Road, Rajkot, duly registered by Sub-Registrar, Rajkot vide sale-deed No. 3375/15-6-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 1-2-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Dahyabhai Nathubhai Dalwadi & others;
Narsipara Dhrangadhara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1616 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 610, Plot No. 3 to 7 situated at Dhrangadhara (Dist. Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhrangadhara on 26-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Jalaram Coop. H. Socy. Ltd.,
President :
Shri Ranchhod Ratilal Parikh;
Ghanchiwad, Desai's Dehla,
Dhrangadhara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 2196.51 sq. mtrs. bearing S. No. 610 Plot Nos. 3 to 7 situated at Dhrangadhara, Dist. Surendranagar, duly registered by Sub-Registrar, Dhrangadhara vide sale deed No. 1452/26-6-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-2-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dahyabhai Nathubhai Dalwadi & others;
Narsipara Dhrangadhara.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1617 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 610, Plot Nos. 8 to 18 situated at Dhrangadhara (Dist. Surendranagar) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhrangadhara on 26-6-981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 4601.15 sq. mts. bearing S. No. 610 Plot Nos. 8 to 18, situated at Dhrangadhara Dist. Surendranagar duly registered by Sub-Registrar, Dhrangadhara, vide sale-deed No. 145/3/26-6-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-2-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Dahyabhai Nathubhai Dalwadi & others;
Narsipara Dhrangadhara.
(Transferor)
- (2) Shri Fuleswar Coop. Hsg. Society Ltd.,
C/o President :
Shri Pradipkumar Rasiklal Pujara,
Fulgali, Dhrangadhara.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1618 Acq. 23-I/81-82.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 610—Plot Nos. 19 to 26 situated at Dhrangadhara (Dist. Surendranagar) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dhrangadhara on 26-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 3002.52 sq. mtrs. bearing S. No. 610 Plot Nos. 19 to 26, situated at Dhrangadhara, Dist. Surendranagar, duly registered by Sub-Registrar, Dhrangadhara, vide sale-deed No. 1454/26-6-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad,

Date : 1-2-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1619 Acq. 23-I/81-82.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 438/2 paiki Vibhag-6, situated at Village Nanamava Dist. Rajkot (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 11-6-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Devjibhai Ranchhodhbhai Savaliya; Manhar Plot Sheri No. 7-8, Vidhyanagar, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Vrandavan Coop. Hsg. Society Ltd., Chichl Promoter; Shri Buchubhai Bhagwanji, Patel Nagar Sheri No. 1, Rajkot.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 438/2—adm. 2A-20G, situated at Nanamava village, Dist. Rajkot, duly registered by Sub Registrar, Rajkot vide sale-deed No. 4842/11-6-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-2-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASIURAM ROAD,
AHMEDRABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1620 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 438/2 paik Vibhag-6, situated at Village Nanamava Dist. Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 11-6-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Keshavlal Ranchhodbhai;
7-8, Vidhyanagar, Rajkot.
(Transferor)
(2) Shri Vrandavan Coop. Hsg. Society Ltd.,
Chief Promoter :
Shri Bachubhai Bhagwanji,
Patel Nagar Sheri No. 1, Rajkot.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 438/2—adm. 2A-20G, situated at Nanamava village, Dist. Rajkot, duly registered by Sub Registrar, Rajkot vide sale-deed No. 4851/11-6-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
28—486GL/81

Date : 1-2-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Sri Azimuddin Ahmed, S/o Late Atuanatddin Ahmed,
Old Balijhat, Jorhat.
(Transferor)

2. Smt. Hamida Zaman Ahmed,
W/o Mr. Azimuddin Ahmed,
Old Balibat, Jorhat.

(2) Shri Tolaram Gattani, Babupatty, Jorhat.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, SHILLONG**

Shillong, the 31st October 1981

Ref. No. A-253/81-82/JRT/620-30—Whereas, I,
E. J. MAWLONG,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Dag No. 3665/4201, P. P. No. 354 situated at Jorhat
town Mouza, Block No. 1, Ward No. VI of Jorhat Municipality.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jorhat on 28-6-81
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the prop-
erty as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the trans-
feree for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-
tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDEULE

Land measuring One Katha Ten Lossas is situated at Old
Balibat, a commercial area of Jorhat covered by Dag No.
3665/4201 periodic Patta No. 354 of Jorhat town Mouza,
Block No. 1, Ward No. VI of Jorhat Municipality.

E. J. MAWLONG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Shillong

Date : 31-10-81
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Manik Kumar Chanda

(Transferor)

(2) Shri Hansraj Kochar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 27th January 1982

Ref. No. A-256/81-82/JRT/910-18.—Whereas, I, E. J. MAWLONG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag. No. 4739/5036 of P.P. No. 171/323 of Block No. 2 situated at K.B. Road, Ward No. 8, Jorhat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jorhat on 25-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring one Katha eight Lachas with a two storied R.C.C. Building thereon situated at K.B. Road, Ward No. 8, Jorhat and covered under Dag No. 4739/5036 of P.P. No. 171/323 of Block No. 2 of Jorhat town, Municipal Holding No. 337.

E. J. MAWLONG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Shillong

Date : 27-1-1982

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, VRINDAVAN, GANGANAGAR, UNIT-VI, BHUBANESWAR**

Bhubaneswar, the 30th November 1981

Ref. No. 7/81-82/IAC/ACQ/BBS.—Whereas, I, P. K. MISHRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4028 situated at Jajpur Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dolipur on 1-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Kamala Kumari Sahoo, W/o Shri Haribandhu Sahoo, P.S. Galia at Barada, P.O. Sadangi, Dhenkanal. (Transferor)
- (2) Smt. Sulochand Sahoo, W/o Shri Rajkishore Sahoo, At Khanana, P.S. Koroi, P.O. Sankachilla, Dt. Cuttack. ('Transferee')

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land with building located at Holding No. 9 Ward No. 6, Jajpur Road, Dt. Cuttack.

P. K. MISHRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, VRINDAVAN, GANGANAGAR,
UNIT-VI, BHUBANESWAR

Bhubaneswar, the 14th January 1982

Ref. No. 11/81-82/IAC(A/R)/BBS.—Whereas, I, P. K. MISHRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2550 situated at Gopalpur, Dt. Ganjam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Berhampur on 20-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kundala Narayana Rao,
S/o late Kundala Tarini Rao,
Urban Bank Road, Berhampur.
(Transferor)
- (2) Shri Jagatbandhu Patnaik,
S/o Mr. R. Patnaik,
Mobile Engineer, Hillpatna, Berhampur,
Dt. Ganjam.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Khata No. 16, Plot Nos. 87 and 90, Area Ac. 2.818 land with building named as "God's Gift" at Gopalpur, Dt. Ganjam.

P. K. MISHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date : 14-1-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
KANNAMMAI BUILDING 11ND FLOOR,
621, MOUNT ROAD, MADRAS 600 006

Madras 600 006 the 5th February 1982

Ref No 39/Junc 81—Whereas I, R RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

Door Nos 2/17 2/18, 2/19, 2/13, 2/14 2 J in ground floor and 1 A (Half share), 2/B, 2/C, 2/D, 2/E, 2/F, 2/G, 2/H and 2/I First Floor at Barricks Maidan Road, situated at Vellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

I S R I, Vellore
on 22-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(1) Shri V R Bhushanraj,
S/o Late Sri V P Rangaraja Mudali, No 4, Balaji Road, Krishna Nagar, Vellore-1

(Transferor)

(2) Smt D Narmada Ammal,
W/o Shri I Dorairaj, No 19/1 Govinda Mudali Bungalow Street Kosapet, Vellore-1

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Land and building bearing Door Nos 2/17 2/18 2/19, 2/13 2/14 2 J in ground floor and 1 A (Half share), 2/B, 2/C, 2/D, 2/E, 2/F, 2/G, 2/H and 2/I in First Floor at Barricks Maidan Road Vellore Document No 2437/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Madras-6

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 5-2-1982
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

KANNAMAI BUILDING, 11ND FLOOR,
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006.

Madras-600006, the 6th February 1982

Ref. No. 193/June 81.—Whereas, I,
R. RAVICHANDRAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
S. Nos. 646/1-B, 648, situated at 649, 650/1 and 650/2,
Old Katpadi Town, Near Katpadi Railway Station, Gudiyatham Taluk (N. A. Dt.)
(Document No. 2544/81)

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Katpadi on 15-6-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Sri K. R. Vedachalam,
No. 45, Perumal Koil Street,
Katpadi.
2. Sri K. R. Natarajan,
Retired Health Inspector,
C/o Nalina Ranjan,
Plot No. 22, South Jagannathan Nagar,
Villivakkam, Madras-49.
3. Shri K. R. Krishnamoorthy, L.I.M.,
Registered Medical Practitioner,
Thakkolam, Arkonam Taluk.

(Transferor)

- (2) Shri V. S. Nathan,
Managing Partner : Solai Real Estates,
No. 64, Katpadi Road,
Vellore (N.A. Dt.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDEULE

(Land measuring 5.07 acres in S. Nos. 646/1-B, 648, 649,
650/1 and 650/2, Old Katpadi town, near Katpadi Railway
Station, Gudiyatham Taluk (N.A. Dt.)—Document No.
2544/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 6-2-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) R. K. Chikkanna Chettiar & Company
Kotagiri.
(Transferor)
- (2) G.T.S. Pandiaraj Trust,
G.T.S. Pandiaraj, Pandian Industries,
Kotagiri.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-2,

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 6th February 1982

Ref. No. F.11464.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/277 situated at

Kotagiri (S. No. 297) (Doc. 624/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kotagiri on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1/277, Kotagiri (RS. No. 297).
(Doc. 624/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date : 6-2-1982
Seal :

FORM ITNS ——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-2.
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6
Madras-6, the 8th February 1982

Ref. No. E.11448.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 479/1 situated at 480/1,
Telungupalayam (Doc. 3195/81)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sukkiri Konai, 17 Geovanandam St.,
Velandipalayam,
Telungupalayam, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shine Flo, 5/243, Thadagam Road,
GCT (PO) Coimbatore-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 479/1 and 480/1, Telungupalayam.
(Doc. 3195/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date : 8-2-1982

u :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :
29—486(i) 81

FORM ITNS

(1) K. R. Ramaswami,
15/2, Algesan Road,
Coimbatore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2,

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 4th February 1982

Ref. No F 11502.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.

72-B3, situated at Appuswamy Lay out, Puliakulam, Red-fields, Coimbatore (Doc. 3266/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) B S Bapooji, B Udayasinc,
4/21, A.C.C. Colony, Mudukkai, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 72-B3, Appuswamy Lay out Red-fields, Puliakulam, Coimbatore (Doc. 3266/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6,

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) K. S. N. Bhat, Managing Director,
Meccano Floorings (P) Ltd.,
300, Mowbrays Road,
Madras-18.

(Transferor)

(2) S. Kasthuriswamy,
57, Ponnurangam Road,
Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6
Madras-6, the 4th February 1982

Ref. No. F.11554.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15/150 situated at Patel Road, Coimbatore-9 (Doc. 3653/81) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on July 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building 15/150, Patel Road, Coimbatore-9.
(Doc. 3653/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-2,

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6
Madras-6, the 4th February 1982

Ref. No. I.11494.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13A situated at East Ponnurangam Road, RS Puram Coimbatore (Doc. 3315/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on June 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

S/Shri
(1) Lakshmi Venkatachalam,
P. V. Subramanian,
P. S. Venkatachalam,
Lakshmi,
Dr. P. V. Krishna Kumar,
K. Venkatachalam,
K. Sivaramakrishnan,
P. V. Mohan,
50, Chick Bazaar Road, Shivajinagar,
Bangalore-51.

(Transferor)

(2) K. Nagarathinam,
19A, East Ponnurangam Road, R S Puram,
Coimbatore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 13A, East Ponnurangam Road, R S Puram, Coimbatore.
(Doc. 3315/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date : 4-2-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2,

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 4th February 1982

Ref. No. F.11497.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11/42 situated at Cross Cut Road, Coimbatore (Doc. 3162/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

S/Shri
(1) R. Perumal,
B. Shamugham,
B. Pushparaj,
P. Manoharan,
142, Cross Cut Road,
Gandhipuram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Vimala,
S. Sujatha,
V. Hemalatha,
N. Chandramouli,
110, First Agraharam,
Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 11/42, Cross Cut Road, Coimbatore. (Doc. 3162/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date : 4-2-1982
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FROM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-2,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 4th February 1982

Ref. No. F.16470.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the competent authority under Section 269-B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32, situated at Kasturi Ranga Iyengar Road, Madras-18 (Doc. 1155/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore on June 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(1) Mrs. Nalini Krishnan,
32, Kasturi Ranga Iyengar Road,
Madras-18.

(Transferor)

(2) Mrs. Menaka Parthasarathy,
32, Kasturi Ranga Iyengar Road,
Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 32, Kasturi Ranga Iyengar Road, Madras-18. (Doc. 1155/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRATH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 25th November 1981

G.I.R. No. K-107/Acq.—Whereas, J. A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 102/516 including land situated at Shivajee Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 2-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Kailash Narain Gupta,
(Self and Karta of H.U.F.)
2. Smt. Shanti Gupta.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Kanta Rani
2. Shri Nand Lal Bajaj
3. Smt. Bhagwati Bajaj
4. Subhash Chandra Bajaj
5. Master Akash Bajaj (Minor)
Through his father and natural guardian, Shri Subhash Chandra Bajaj.

(Transferee)

(3) 1. M/s. Awadh Tobacco Co. }
2. Shri M. P. Pandey }
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 102/516 including freehold land measuring 2138 sq. ft. situated at Shivajee Marg, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4498 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 2-7-1981.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date . 25-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kunwar Ranbir Singh

(Transferor)

(2) Shri Sunil Kumar Gupta

(Transferee)

(3) 1 Shri Sunil Kumar Gupta and

2 Shri Daya Shankar Choubey (Tenant)

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRATH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 30th November 1981

GIR No S-224/Acq.—Whereas, I, A S BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,200/- and bearing No 137/13 Kha Takia Ganeshganj situated at (Khurshed Bagh Phatak) Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 18-7-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern part double storied house bearing old No 137/130 and new number 137/13-Kha, including land, measuring 3451 sq ft situated at Mohalla-Takia Ganeshganj (Khurshed Bagh Phatak), Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in form 37G No 4827 and sale-deed which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Lucknow on 18-7-1981

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date 30-11-1981
Seal.

FORM ITNS

- (1) 1. Smt. Jasi B. Malkani
2. Miss Mala Malkani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRATH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 13th January 1982

G.I.R. No. G-52/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 220-A (Municipal 23/13)
situated at Gokhale Marg, Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Lucknow on 27-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) M/s Gopal Auto Distributors Pvt. Limited,
23/13, Gokhale Marg, Lucknow,
Through its Managing Director,
Shri Vijay Gopal.

(Transferee)

- (3) M/s. Gopal Auto Distributors Pvt. Limited,
23/13, Gokhale Marg, Lucknow,
Through its Managing Director,
Shri Vijay Gopal.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bungalow No. 22-A (Municipal No. 23/13) including building, out-houses etc, and land measuring 16.676 sq. ft situate at Gokhale Marg, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4374/81, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 27-6-1981.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—486GI/81

Date : 13-1-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

57, RAM TIRATH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 30th January 1982

G.I.R. No. N-43/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

35-A, Gokhley Marg situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 5-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Mrs. Indra Anand
2. Mrs. Ritu Mehra
3. Mrs. Kamini Bhandari
4. Mrs. Poonam Bhasin.

(Transferor)

- (2) Shri Nirmal Kumar Jain.

(Transferee)

- (3) Shri Naresh Goel (Tentnt).

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property No 35-A, including building and land situated at 35-A, Gokhley Marg, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the Form 37G No. 3876, and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, as on 5-6-1981.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 30-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Jogindra Nath Mehra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRATH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 30th December 1981

G.I.R. No. N-42/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bandobasti No. 275/3 situated at Mauza-Tulsipuri, Pargana-Dehat Amanat, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 20-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s. Navodit Sahkari Avas Samiti Limited, Regd. Office at CK-65/190, Bari Peari, Varanasi, Through its Secretary, Shri Bhuvneshwar Prasad.

(Transferee)

(3) M/s. Navodit Sahkari Avas Samiti Limited, Regd. Office at CK-65/190, Bari Peari, Varanasi, Through its Secretary, Shri Bhuvneshwar Prasad. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire settlement plot No 275/3 admmeasuring 9 decimals i.e. 3924 sq. ft. situate at village—Tulsipuri, Pargana—Dehat Amanat, Distt. Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4594 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 20-6-1981.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 30-12-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Khivasara Desai & Associates,
447/5, Gokhale Road,
Pune-16.

(Transferor)

(2) Mrs. Meera A. Wagh,
B-9, Rajanigandha Apartments,
447, Gokhale Road,
Pune-16.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 12th January 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR, Haveli-II/June 81/559/81-82.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property 'having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Rajanigandha Apartment No. B IX, Plot No. 5 & 6, F.P. No. 447, T.P.S. No. 1 situated at Gokhale Road, Shivajinagar, Pune-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Haveli-II on June 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. B IX Plot No. 5 & 6, F.P. No. 447, T.P.S. No. 1 situated at Rajanigandha Apartments, Gokhale Road, Shivaji Nagar, Pune-16.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1982 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II in June 1981).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 12-1-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Khivasara Desai & Associates,
447/5, Gokhale Road,
Pune-16.

(Transferor)

(2) Shri Keshav Dinkar Kale,
B-VI, Rajanigandha Apartments,
447, Gokhale Road,
Pune-16.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 12th January 1982

Ref. No. IAC/CAS/Sr. Haveli II/558/June 81/81-82.—
Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Rajanigandha Apartment No. B IV, Plot No. 5 & 6 F.P. No.
447, T.P.S. No. 1 situated at Gokhale Road, Shivajinagar,
Pune-16

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer
at SR Haveli-II on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing No. B IV Plot No. 5 & 6, F.P. No. 447,
T.P.S. No. 1 situated at Rajanigandha Apartments, Gokhale
Road, Shivaji Nagar, Pune-16.

(Property as described in the sale deed registered under
document No. 1950 in the office of the Sub-Registrar,
Haveli-II in June 1981).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 12-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM LT.N.S.—

(1) Shri Maniklal Motilal Sarda,
House No 102B/7+8+9,
Bhavani Peth, Solapur

(Transferor)

(2) 1. Shri Shankarlal Motilal Sarda
2. Shri Shamsunder Motilal Sarda
H. No 1 B/7+8+9,
Bhavani Peth, B, Solapur

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
PUNE**

Pune, the 12th January 1982

Ref No IAC/CAS/SR. Solapur/June 81/563/81-82—
Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

F P No 102 B/7 + 8 + 9/26 situated at Solapur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
SR Solapur on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

Property bearing F P No 102B/7+8+9/26, City Solapur
(Property as described in the sale deed registered under
document No. 1568 in the office of the Sub-Registrar,
Solapur in June, 1981)

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely —

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date 12-1-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Khivsara Desai & Associates,
447/5, Gokhale Road,
Pune 16.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, PUNE
Pune, the 12th January 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Haveli-II/Junc 81/557/81-82.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rajanigandha Apartment No. B III, Plot No. 5 & 6 F.P. No. 447, T.P.S. No. 1 situated at Gokhale Road, Shivajinagar, Pune-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Haveli-II on June 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that this consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property bearing No. B. III, Plot No. 5 & 6, F.P. No. 447, T.P.S. No. 1, situated at Rajanigandha Apartments, Gokhale Road, Shivaji Nagar, Pune 16.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1983 in the office of the Sub Registrar, Haveli-II in June 1981).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 12-1-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th January 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Haveli II/June '81/561/81-82.—
Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rajanigandha Apartment No. B-II, Plot No. 5 & 6 F.P. No. 447, T.P.S. No. 1, situated at Gokhale Road, Shivaji Nagar, Pune 16,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Haveli-II on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Khivsara Desai Apartments,
447/5, Gokhale Road,
Pune-16.

(Transferor)

(2) Smt. Nalini D. Banchhod,
B, No. 6, Rajanigandha Apartments,
447, Gokhale Road,
Pune 16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing No. B II, Plot No. 5 & 6 F.P. No. 447, T.P.S. No. 1 situated at Rajanigandha Apartment, Gokhale Road, Shivaji Nagar, Pune 16.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1947 in the office of the Sub Registrar-II, Haveli in June 1981).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 12-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Khinvara Desai & Associates,
447/5, Gokhale Road, Pune 16.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th January 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Haveli-II/June '81/556/81-82.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rajanigandha Apartment, No. B V, Plot No. 5 & 6 F.P. No. 447 TPS No. 1 situated at Gokhale Road, Shivajinagar, Pune 16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Haveli-II on June 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Vijay J. Shah,
85, Rajanigandha Apartments,
447, Gokhale Road,
Pune-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing No. B V, Plot No. 5 & 6 F.P. No. 447, T.P.S. No. 1 situated at Rajanigandha Apartments, Gokhale Road, Shivaji Nagar, Pune 16.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1943 in the office of the S.R. Haveli-II on June 1981.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 12-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
31-486/I/81

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th January 1982

Ref. No. JAC/CAS/SR. Haveli II/June '81/560/81-82.—
Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rajanigandha Apartment No. B IV, Plot No. 5 & 6 F.P. No. 447, T.P.S. No. 1 situated at Gokhale Road, Shivajinagar, Pune 16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Haveli-II on June 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Khivsara Desal & Associates, 447/5, Gokhale Road, Pune-16.

(Transferor)

(2) Shri P. M. Nabar, 8-4, Rajanigandha Apartments, 447, Gokhale Road, Pune 16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing No. B IV, Plot No. 5 & 6, F.P. No. 447, T.P.S. No. 1 situated at Rajanigandha Apartments, Gokhale Road, Shivaji Nagar, Pune 16.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1948 in the office of the Sub Registrar, Haveli-II on June 1981).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 12-1-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kanika Das & ors.

(Transferor)

(2) Amber Properties Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 21st December 1981

Ref. No. 996/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25 situated at Waterloo Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided 1/18th share of the house property being premises No. 25, Waterloo Street, Calcutta as per Deed No. 4965 dt. 15-6-81 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700001

Date : 21-12-1981,
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Rekha Rani Ghosh,
259/4/3, N. S. Road, Howrah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 11th January 1982

Ref. No. AC-82/Acq.R-IV/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 137, situated at Kasundia Road, Dist. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Howrah on 10-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sri Jagabandhu Chatterjee,
Sri Pabitra Chatterjee,
Sri Sampad Kumar Chatterjee,
Smt. Reba Chatterjee,
137, Kasundia Road,
Shibpur, Dist. Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land : 2kt. 8ch. 25ft. with building.

Address : 137, Kasundia Road, P.S. Shibpur, Dist. Howrah.
Deed No. 3045 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 11-1-1982.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) Sri Omprakash S/O Late Kulchand Burnwall
Md. Hussain Street bye Lane,
Asansol (Market), Dist. Burdwan.
(Transferor)
- (2) Smt. Uma Das W/O Sri Narayan Lal Burnwall,
Md. Hussain Street bye Lane (Near Market)
P.O. Asansol, Dist. Burdwan.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1982

Ref. No. AC-83/ACQ.R-IV/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Md. Hussain Street by Lane, Asansol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asansol on 24-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land : 2kt. 13chs. with building.
Address : Md. Hussain Street bye Lane, P.S. Asansol
Dist. Burdwan.
Deed No. : 4270 of 1981.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 11-1-1982.
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Gopal Pandey,
109, Tagore Road, Ushagram, Asansol.
(Transferor)

(2) Sri Ashish Kumar Mukherjee,
109, Tagore Road, Ushagram, Asansol.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1982

Ref. AC-84/Acq. R-IV/Cal/81-82.—Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 109, situated at Tagore Road, Asansol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asansol on 23-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land : 2k. 14ch. with building.
Address : 109, Tagore Road, Ushagram, PS. Asansol, Dist. Burdwan.
Deed No. : 4220 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 11-1-1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Shri Gafar Allauddin Pachapure,
2. Shri Munaf Allauddin Pachapure.
3. Shri Abdul-majid Allauddin Pachapure.
4. Shri Abdulrazak Allauddin Pachapure.
5. Smt. Jaiunnisa W/o Allauddin Pachapure.
R/o 3023, Khadebazar, Belgaum.

(Transferor)

- (2) Shri Tukaram Nandappa Murkarni,
R/o 3837, Kotwalgalli, Belgaum.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 4th December 1981

Notice No. 383/81-82.—Whereas, I, Smt. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.T.S. No. 3023 situated at Khadebazar, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in New Delhi of the Registering Officer at Belgaum under document number 1581 on 22-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered document number 1581 dated 22-10-1981)
Land and building bearing C.T.S. No. 3023 situated at Khadebazar, Belgaum.

SMT. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-12-1981.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

FORM LT.N.S.—

(1) Smt. H. C. Indiramma w/o H. Chinnaswamy,
Idigar Beedi, Holenarasipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri H. S. Manjanna S/o Subbarao
R/o Hahally, K. Hoskote hobli,
Taluk : Holenarasipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th December 1981

Notice No. 391/81-82.—Whereas, I SMT. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 8 situated at Hullahally, Taluk Holenarasipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Holenarasipur under document number 165 on 2-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 165 Dated 2-6-1981]
acre & 32 gunta Coconut garden bearing S. No. 8 situated at Hallahally village, Holenarasipur Taluk.

SMT. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-12-81.
Seal :

FORM ITNS-----

- (1) 1. Shri H. C. Rameshbabu S/o Chinnaswamy
2. Mahalaxmamma
R/o Hassan.

(Transferor)

- (2) 1. Shri H. S. Manjanna,
R/o Halhally, K. Hoskote Hobli,
Taluk Holenarasipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Bangalore-560001, the 15th December 1981

Notice No. 392/81-82.—Whereas, I SMT. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Hullahally village, Taluk Holenarasipur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Holenarasipur under document number 166 on 2-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

[Registered Document No. 166 dated 2-6-1981]
Below mentioned coconut garden situated at Hullahally village, Taluk Holenarasipur.

Survey No. & Acre-gunta	
12	1-21
9/1	0-13
9/2	0-13

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—
32—486GJ/81

SMT. MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-12-81.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

Bangalore 560001, the 17th December 1981

C.R. No. 62/30887/81 82/ACQ/B—Whereas I, Smt. MANJU MADHAVAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 150 5th Main Chamarajpet, Div. 26, Bangalore situated at _____ (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore Doc. No. 765/81 82 on 5-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Shri T. K. Vasudevamurthy,
Shri T. G. Seshagiri Rao,
1286/2 Krishnamurthipura
Mysore,
Camp Bangalore

(2) Shri P. N. Sadashivaiah
S/o T. Nanjundappa
No. 1, 4th cross Shankarapuram
Bangalore 4

Transferor(s)

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 765/81 82 dated 5-6-1981]
Portion of house property Old 16 then 17 and 17/1 at
part 150 5th main, Chamarajpet Div. 26, Bangalore.
East—Sondekuppam Ramaswamy Sastri house
West—R. Narayana Rao house
North—Property 149
South—5th Main, Chamarajpet
Front to West—30 ft
North to South—70+72

I, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

Smt. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bangalore

Date 17-12-81
Seal

FORM ITNS

(1) Sri Sadeq Hussain,
No. 4, Door No. 7,
Meenakshi Koil Street,
Bangalore-560 001.

Transferor(s)

(2) M/s. Girnar Builders,
Reptd. by Managing Director
Sri Kirit Shah, S/o Shri Uttamchand,
No. 33/1, 5th Main Road, Gandhinagar,
Bangalore-9.

Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 18th December 1981

C.R. No. 62/30889/81-82/ACQ. B.—Whereas, I, Smt. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Western Portion of the premises No. 2, Artillery Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar Docket No. 882/81-82 on 15-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 882/81-82 dated 15-6-81)
Western Portion of Premises No. 2, Artillery Road, Civil Station, Bangalore-560 008 bounded on the East by remaining portion of premises No. 2, Artillery Road North by common passage of 10 ft. width, south by common passage of there of too No. 2, Artillery Road with a big gate, two coconut trees, two mango trees and small trees and fountain etc. The passage on the north and south are common but however the Southern Passage cannot be used by the owner of this property for parking cars vehicles etc., and it can be used only for entry into these premises.

Smt. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 18-12-1981.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 16th January 1982

No. 399/81-82.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 261 situated at Anur village Vastare Hobli, Taluk Chickmagalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Chickmagalur Under document number 652/81 on 25-6-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri A. T. Nanjegowda S/o late Thimmegouda
2. Shri A. N. Ashok S/o A. T. Nanjegowda
3. Shri A. N. Onkarmurthy S/o A. T. Nanjegowda
4. Shri A. N. Basavaraj S/o A. T. Nanjegowda
5. Shri A. N. Devaraj S/o A. T. Nanjegowda
R/o Anur village, Vastare Hobli, Kaluk Chickmagalur.

(Transferor)

- (2) Shri H. M. Nisar Ahmad, S/o Gulam Mohidin
Coffee planter, Anur village, Vastare Hobli,
Kavkasarike, Tal. Chickmagalur.
2. Shri Ziaur Rehman S/o Mohd. Fazal Rehman,
coffee planter, Vastare Hobli, Hosahalli peth,
Mallimangram, Tal. Chickmagalur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 652/81, Dated 25-6-81]
8 acre coffee plantation bearing survey No. 261 at Anoor village, Vastare Hobli Taluk, Chickmagalur.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 16-1-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 16th January 1982

No. 398/81-82.—Whereas, I MANJU MADHAVAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 42/P situated at Thogrihankal village, Jagra Hobli Taluk Chickmagalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chickmagalur Under Document Number 646/81 on 24-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sri T. N. Mallanna Gowda
S/o T. B. Nagesh
Coffee Planter, K. M. Road,
Chickmagalur.

(Transferor)

(2) Sri T. N. Channabasavayya Gowda
S/o T. B. Nagesh
Coffee Planter, K. M. Road,
Chickmagalur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 646 Dated 24-6-1981]

4 Acre 30 Gunta Coffee Plantation bearing Survey No. 42/P situated at thogrihankal village, Jagra Hobli Taluk Chickmagalur.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-1-1982
Seal :

FORM INTS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri V. P. Venkatesha,
S/o Late R. Venkataraman,
M/s. K.S.T.D., Laddur.

(Transferor)

(2) Shrimati Swapna Chandrashekhar,
D/o, Sri R. Chandrashekhar
No. 565, Koramangala Layout,
III Block, II Stage,
Bangalore-35.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 2nd January 1982

No. C.R. 62/31716/8-82/Acq. B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 565, situated at 2nd stage, Koramangala layout, Bangalore-35 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk, Doc. No. 1245 on 17-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1245/81-82 Dated 17-6-1981]
No. 565, II Stage, Koramangala Lay out, Bangalore-35.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 8th January 1982

No. CR. 62/31385 '81-82/Acq B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23/5 situated at Lavelle Road, MacIver Town, B'lore-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Shivajinagar, Doc. 1297/81-82, on 18-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Jamuna Bai, W/o S. Natarajan,
No. 23/4, Lavelle Road, MacIver Town,
Bangalore-1.

(Transferor)

(2) M. s. Loharu Steel Industries Ltd.,
represented by its managing Director
Sri B. D. Agarwal, No. 20, Shanthappa Lane,
Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Doc. No. 1297/81-82 Dated 18-7-1981]
All that piece and parcel of land bearing No. 23/5, lavelle road, MacIver Town, Corpn. Divn. No. 60, civil Station, Bangalore-1.
Bounded on :

North by : 50 feet
South by : 51 feet
East by : 96 feet
West by : 101 feet
Total site area : 4975 sq. feet.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 8-1-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Balamma & 8 others,
Kodihalli,
H.A.L. Post,
Bangalore-560017

(Transferor)

(2) M/s. Hoysala Building Development Co. Pvt. Ltd.,
378/8, 6th 'A' Cross, 13th Main,
Rajmahal Vilas Extension, Bangalore-6.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 10th December 1981

No. C.R. 62/31074/81-82/Acq/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22, situated at Palmgrove Road, Bangalore-60, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Doc. No. 966 on 22-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHFDUI F

[Registered Document No. 966/81-82 Dated 22-6-1981]
Premises No. 22, Palmgrove Road, Bangalore bounded on
North & South by private property
East by Storm water drain and
Palm grove Road
West by Private property.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 10-12-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE 560001

Bangalore the 5th January 1982

No C.R. 62 31814 81 82/Acq/B—Whereas I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 20 situated at Infantry Road, Bangalore-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar D.O.C. No 1677 on 24-8-1981 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Smt R. Rukmini,
W/o Sri Ramakrishna Reddy
20 Infantry Road
Bangalore 1

(Transferor)

(2) Shri M. Raghavendra
52/16, 1st cross
Jalbagh Road,
Bangalore-27

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No 1677/81-82 Dated 24-8-81]

Portion of Premises bearing No 20 (old No 12), Infantry Road, Bangalore 1 measuring East to West 100 ft, North to South 90 ft, bounded on the East by Union Street, West by cross road, North by property of R. Parasmull and South by property of vendor and Krishnamurthy

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

33—486 GI/81

Date 5-1-82
Seal

FORM ITNS—

(1) S/Sri

1. B.A. Ramakrishna Setty,
 2. B. R. Lakshminarayana Gupta,
 No. 11/2/62, Appurao Road, 6th Main,
 Chamarajpet, Bangalore-18.

(Transferor)

(2) Sri Tulsi B. Bhatia, No. 358, 13th Main Road,
 Raja Mahal Vilas Exten., Bangalore-6.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 2nd January 1982

No. CR. 62/31082/81-82/Acq. B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30/2, New No. 30/9 situated at Nanjappa Main Road, Shanthinagar, Bangalore-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Document No. 1542, on 29-3-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons; namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Regd. Document No. 1542/81-82 Dated 29-6-81]

Sited No. 30/2, New No. 30/9, measuring $\frac{79' \times 63'}{2} \times \frac{79' \times 93'}{2}$
 situated at Nanjappa Main Road, Shanthinagar,
 Bangalore-27.

MANJU MADHAVAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-1-82
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001**

Bangalore, the 2nd January 1982

No. C.R. 62/32338/81-82/ACQ/B.—Whereas, 1 MANJU MADHAVAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7, situated at Naladi Village, Madikere Taluk (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mercara, Doc. No. 385/81-82 on 12-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mammikutty Haji
 S/o Abdulla Haji
 Irirkur, Cannanore Dist., Kerala.
 (by his P.A. Holder K Abdulla)

(Transferor)

S/Shri

- (2) 1. Paul D'Silva,
- 2. John D'Silva
- 3. Robert D'silva
- 4. Benny Lopez
- 5. Clara Lopez
- 6. Margarate Albin
 7th Hosa Kote Village, Sunticopa Nad, N.
 Coorg.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 385/81-82 Dated 12-6-1981]
 Sy. No. 7 of 144.26 acres, situated at Naladi Village, Madikere Taluk.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

MANJU MADHAVAN
 Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-1-82
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 2nd January 1982

No. CR. 62/31337/81-82/Acq. B—Whereas, I, MANU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26, situated at 1st A Cross, JC. Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavangudi, document No. 845/81-82 on 17-6-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. (1) Narayananamma (2) M. G. Ravikumar (3) M. G. Nataraj wife and son of M. Gopalaswamy, No. 26, 1st A Cross, JC. Road, Bangalore.
(Transferor)

(2) 1. Paramjeet Singh, S/o Sardar Jeevan Singh
2. Gurnis Singh, S/o Parmjeet Singh.
7/8, Armugam Circle, Bangalore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 845/81-82, Dated 17-6-'81]
House No. 26, 1st 'A' Cross, JC. Road, Bangalore.

MANU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-1-82
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 8th January 1982

No. C.R. 62/31312/81-82|ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7B, situated at Tannery Road, (Present No. 33, Netaji Road) Civil Station, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Doc. No. 1104/81-82 on 3-7-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Dohnaver Fellowship, Dohnaver, Tirunelveli District, Tamilnadu State.
(Transferor)
- (2) Divya Shanti Christian Association
St. John's Church, St. John's Church Road, Bangalore-560 005.
(Transferee)
- (3) Presently in the occupation of the Vendor Possession will be made over to the purchaser after regn. of sale deed.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1104/81-82 Dated 3-7-'81]

7B, Tannery Road (Present No. 33, Nethaji Road) Civil Station, Bangalore bounded on North by : Tannery Road Cross Lane, On the South by premises No. 7A, Tannery Road, On the east by Premises Nos. 8 to 10, Cleveland Town D' Street, and on the West by premises No. 31, Nethaji Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 8-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely : -

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001**

Bangalore-560001, the 2nd January 1982

No. C.R. 62/30890/81-82/ACQ/B.—Whereas, I MANU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6, situated at Kalasipalyam extension, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi Doc. No. 703/81-82 on 4-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri N. Venkataramana
No. 1, 1 Floor, 4th Cross,
II Stage, Sudhamnagar,
Bangalore-27.

(Transferor)

2) Kumari Nissar Begum
3/2, 4th Cross, Doddamavalli
Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 703/81-82 Dated 4-6-81]
Property area covering, 935ft. East to West,
112 $\frac{1}{2}$ ft, North to South.

Old No. 127, New No. 6, situated at Kalasipalyam Extension, Bangalore-2.

MANU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-1-82

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri T. B. Nagesh S/o late T. B. Mallegouda,
T. B. Mallegouda Oval, Coffee-Planter,
Kadur-Mangalore Road, Chickmagalur.

(Transferor)

(2) Sri T. N. Channabasave Gowda S/o Sri T. B.
Nagesh, Coffec planter, T. B. Mallegouda Oval,
Kadur-Mangalore Road, Chickmagalur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th January 1982

No. 400/81-82.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Survey No. 132, 133, 134/P, 137/P & 150 situated at Thogihankal Village, Jagra Hobli, Taluk : Chickmagalur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chickmagalur Under document number 653 on 24-6-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 653 Dated 24-6-81]

All those pieces and parcel of land situated in Thogihankal village, Jagra Hobli, Chickmagalur Taluk.

Survey No.	Kind	Extent Acre—Guntha.
132	Coffee	4—21
133	"	2—09
134/P	Bagaylhu	0—10
	Coffee	2—34
137/P	Coffee	0—03
150	Wet	3—25

MANJU MADHAVAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-1-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Hirabai V. Salgaonkar,
Salgaonkar House,
Vasco-da-Gama, Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Tourist India Private Ltd.,
19/21, Ambalal Doshi Marg, Mutual Chambers,
Bombay-400 023.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 2nd January 1982

No. 386/81-82.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 37/1 (Part) situated at Colem village, Taluk Sanguem, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanguem under document number 50/81 on 17-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 50/81 Dated 17-6-1981]
Land measuring 1,37,405 Square metres known as "Culna" or "Cutri Condichme Mola" bearing Survey No. 37/1 (Part) situated at Colem village, Taluka Sanguem, Goa. The land is registered in Land Registration Office of Quepem under No. 9351 of Book B number 27.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-1-1982.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 2nd January 1982

No. 387/81-82.—Whereas, I MANU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 35 situated at M. H. B. Colony, Vishweshwaranagar, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli Under document Number 737 on 25-6-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Sri Venkatagouda Siddanagouda Hiregoudar
2. Sri Chandrashekhar Venkatagouda Hiregoudar
3. Sri Vasu Venkatagouda Hiregoudar,
• R/o Hulakoti, Tal : Gadag.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Gurupadappa Basappa Mahalingshetty
2. Smt. Parvatemma W/o Gurupadappa Mahalingshetty, No. 64, Vishweshwaranagar, Hubli,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interest in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANU MADHAVAN

[Registered Document No. 737 Dated 25-6-81]
Land and building bearing H. No. 35 in M.H.B. Colony,
Vishweshwaranagar, Hubli.

MANU MADHAVAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-1-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
37-486GI/81

FORM I.I.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 2nd January 1982

Notice No. 388/81-82.—Whereas,
I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 272/20, situated at Carmona village, Salcete, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salcete under document number 311/81 on 23-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Agnelo Cunino George.
2. Maria Goreti Diriz Costae George,
1/o Aquem Alto, Margao.
(Transferor)
- (2) 1. Antonio Severino Cardozo.
2. Remia Fustaquila Lurtado Cardozo.
1/o Reprovaddo, Verca, Salcete, Goa.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 311/81 Dated 23-6-1981]
Land and building known as "Colviran Ou Tepealem"
bearing survey No. 272/20, situated at Church Road (Gravel Road) at Carmona Market, Taluka Salcete, Dist. Goa.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-1-1982
Seal :

FORM ITNS —————

- (1) 1. Rosy De silva.
2. Belarmino da silva
r/o Deao-Quepem, Goa.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 2nd January 1982

Notice No. 389/81-82.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 11/1 Plot No. 68, situated at Cacora, Taluk Quepem, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Quepem under document number 204 on 27-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Shri Shaik Abdul Aleem.
2. Shri Shaik Mahamad Farook.
3. Shri Shaik Mahamad Sadik
4. Shri Shaik Azmutulla,
Bata Shoe-shop, Railway Station Road, Curchorem,
Goa

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 204 Dated 27-6-81]
Land and building known as 'Catiachi Mordi' on plot No. 68, S. No. 11/1, situated at Cacora Village, Sub-District Quepem, Dist. Goa.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Date . 2-1-1982
Seal .

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

FORM I.T.N.S.—

(1) 1. Mrs Anne Figueiredo,
2. Mr Phillip Joseph Lawrence Figueiredo,
represented by attorney Mrs. Mary Figueiredo,
1/o Porvorim of Socorro, Goa.

(Transferors)

(2) Mr. Joaquim Jose Lourenco Fernandes,
1/o Flat No. 6, "Alto Plaza" building,
Alto Betim, Goa

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore 560001, the 2nd January 1982

Notice No. 3935/81-82.—Whereas
I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 6 on plot No. 12,
situated at Alto Betim village, Goa,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Mhas under document number 251 on 17-6-1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 251 Dated 17-6-1981]
Flat No. 6 on the second floor of the building known as "Alto Plaza," situated at Alto Betim, Goa.

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 2-1-1982
Seal .

FORM ITNS—

(1) M/s The Mysore Plantations Ltd,
Quard Hitlow,
Koppa, Dist. Chickmagalur.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 16th January, 1982

C.R. No. 62, Notice No. 394 81-82/7-7, A.C.Q./B—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 54,115 (portion) & 116 situated at Bintravalli, Nuggi Village, Taluk : Koppa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Koppa Under document No. 230 on 6-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereto by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Shri Prabhakar Rao s/o
Shri A. R. Mohan Rao
2. Shri A. Prakash Rao s/o
Shri A. R. Mohan Rao,
3. Dr. A. Suresh Rao s/o
Shri A. R. Mohan Rao,
1/o "Ajanta", Falnir, Mangalore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 230 Dated 6-6-81]
Below mentioned estate comprising of the following lands situated at Bintravalli and Nuggi Villages of Koppa Taluk, Dist. Chickmagalur.

Village	S. No.	Acre-Gunta	Kind
Bintravalli	54	18—80	Coffee estate
Nuggi	115 (portion)	7—20	"
"	116	15—00	"
	Total	40·20	

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-1-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 16th January 1981

C.R. No. 62/Notice No. 395/81-82/7-7/ACQ/B.—Whereas, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 113 (Portion), 114 & 115 (Portion) situated at Nuggi village, Taluka Koppa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Koppa under document No 229 on 6-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. The Mysore Plantations Ltd.,
Quard Hitlow, Koppa,
Dist. Chikmagalur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri A. Ashok Rao s/o
Shri A. Sripathi Rao.
2. Shri A. Kishore Rao s/o
Shri A. Sripathi Rao.
3. Master A. Sanjay Rao, minor represented by his
father Sri Asripathi Rao,
R/o "Alankar", Falnir, Managlore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 229 Dated 6-6-1981]
Estate comprising following lands situated at Nuggi village, Taluka Koppa, Dist. Chikmagalur.

S. No.	Acre-gunta	Kind
113 (Portion)	19—25	Coffee estate
114	6—09	Do.
115 (Portion)	14—26	Do.
Total:	42·20	

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore
Date : 16-1-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Mysore Plantations Ltd.,
Quard Hitlow, Koppa,
Dist. Chikmagalur.

(Transferor)

(2) Shri A Aravind Rao s/o
Shri A. Ramesh Rao,
r/o "Kaipana" Koppa,
Distt. Chikmagalur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 16th January 1981

Notice No. 396/81-82.—Whereas,
I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 108, 109, 111 and 113 (Portion) situated at Nuggi village, Taluka Koppa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Koppa under document number 231 on 6-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 231 Dated 6-6-1981]
Estate comprising following lands, situated at Nuggi village, Taluka Koppa, Dist : Chikmagalur.

S. No.	Acre-gunta.	Kind.
108	9—27	Coffee estate
109	6—07	Do.
111	8—00	Do.
113 (Portion)	16—21	Do.
Total:	40·15	

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-1-1982
Seal :

FORM NO. I.I.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 1st February 1982

No. AR-II/3203-4 81-82—Whereas I, SUDHAKAR VARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 119 C.T.S. No. 1053, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at situated at Eksar/Borivali for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

782 (PHALGUNA 5, 1903)

(1) Mr. D. K. Patel & Co. (Proprietary) Ltd.

(2) Shri N. H. Keshav Kore

(Transferors)

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registration No. 93/1978 and the same is Registered with the Sub-Registrar, Bandra.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 1-2-1982
S. A. I. :

FORM ITNS

- (1) Shri Paul Anthony D'Mellow, Vincent Danial D'Mellow Severino Blase D'Mellow.
(Transferor)
- (2) Ishtadeo Sadan Co-operative Housing Society Limited.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

BOMBAY

Bombay, the 30th January 1981

Ref. No. AR-III/1994/81-82.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 13, H. No. 3, situated at Village Ambivli, Andheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay in 18th June 1981 Document No. S. 2682/77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2682/77 registered on 18-6-1981 with the Sub-registrar, Bombay.

SUDHAKAR VARMA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 30-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
35—486GI/81

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY**

Bombay, the 3rd February 1982

Ref No AR-I/4568-10/81-82 —Whereas I, SUDHAKAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

C.S. No 672 of Malabar and Cumballa Hill Division situated at Peddar Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 24/6/1981 Doc No BOM 555/79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) 1 Mahendra Kakubhai Reshamwala
2 Sinha Kakubhai Reshamwala, and
3 Ajay Mahendra Reshamwala
(Transferor)
- (2) Cadell Estate Private Limited
(Transferee)
- (3) Tenants
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No BOM-555/79 and as registered on 24/6/1981 with the Sub Registrar, Bombay

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 3-2-1982
Seal

1. CRM I.T.N.S.

- (1) Messrs. M.H. Kavarana, Byculla Property Charity Trust.
 (Transferor)
 (2) Smt. Lata Bihariyal Wadhava.
 (Transferee)
 (3) Tenants
 (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1982

Ref. No. AR-I/4562-4/81-82.—Whereas I, SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 852 of Mazgaon Division, situated at Dr. Ambedkar Roud, Byculla (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-6-1981 Doc. No. Bom 1604/80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1604/80 and as registered on 17-6-1981 with the Sub-Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. registrar, Bombay.

SUDHAKAR VARMA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-2-1982
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 4th February 1982

Ref. No. AR-II/3196-7/June 81/81-82.—Whereas I,
SUDHAKAR VARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 21, S. No. 168-199 CS No. 1387/24, situated
Borivali
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Bombay on 18-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed; the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Nathuram Ramnayak Pvt. Ltd. (Transferor)
 (2) Municipal Employees Akanksha Co-op. Housing Society Ltd.
 (3) Same as above. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered deed No. S-452/78 and the same a Registered with Sub-Registrar, Bombay.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1982

Seal:

FORM ITNS

(1) The City Co-operative Bank Limited.

(Transferor)

(2) Late Shri Devraj Chai (Represented by Legal Heir
Shri Devendra Devraj Ghai.)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1982

Ref. No. AR-II/3185-6 81-82.—Whereas J. SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 6 in 83C of T.P.S. No. II situated at Santacrus

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered deed No. S-3271/74 and the same is registered with Sub-Registrar, Bombay on 8-6-1981.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 6-2-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Smt Madhuben Bhanubhai Patel

(Transferor)

(2) Shri Lunidaram Tulsidas Punjabi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 6th February 1982

Ref. No AR-II/3201 2/81-82.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA,
 being the Competent Authority under
 Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
 believe that the immovable property, having a fair market
 value exceeding Rs 25 000/- and bearing No
 S No 1139/114(Pt) CTS No 89
 situated at Pahadi Eksar Goregaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Bombay on 30-6-1981

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Schedule as mentioned in the registered deed No S-1046/75 and the same is registered with sub-registrar, Bombay on 30-6-1981

SUDHAKAR VARMA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Bombay

Date 6-2 1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,

Amritsar, the 16th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/343.—Whereas, I, ANAND SINGH I.R.S.,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house in Sharifpura situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SR Amritsar in June 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (1) Shri Mohinder Singh s/o Ranjit Singh r/o Gali No. 2 Sharifpura, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shmt. Maya Devi w/o Shri Bhagwan Dass, Santosh Kumari w/o Shri Chiman Lal r/o Jandiala Guru, House No. 208/2, Mohalla Shekhpura, Distt. Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One residential house No. 21/13 MC A No. 1053/XV-10 Gali No. 2, Sharifpura, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 7689 dated 24-6-1981 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-1-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE
 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
 Amritsar, the 13th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/344.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot at Pathankot situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

SR Pathankot in June 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Amar Singh s/o Shri Chankas i/o Saili Road, Pathankot. (Transferor)
- (2) Shmt. Sunita Mahajan d/o Janak Raj r/o Saili Road, Pathankot. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4). Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) **Facilitating the reduction or evasion of the liability** of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) **facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);**

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 2K 16 M situated in Anandpur Area, Pathankot as mentioned in the sale deed No. 951/ dated 17-6-1981 of the registering authority Pathankot.

ANAND SINGH, I.R.S.
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-1-1982
 Seal :

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/345. —Whereas, I ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property in Krishna Nagar situated at Shastri Nagar, ASR, (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shmt. Surjit Kaur Grover wd/o S. Amar Singh Grover r/o 9-Daya Nand Nagar Lawrence Road Gali No. 1, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shmt. Tripta Rani Mehra w/o Shri Ram Parkash Mehra r/o 40-Daya Nand Nagar, Gali No. 2, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd share in one house (area 500 sq. yds.) situated in Krishna Nagar (Shastri Nagar) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 8326/dated 29-6-1981, of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 15-1-1982
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—
36—486GI/81

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE
 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
 AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1982

Ref. No. ASR/81-82-346.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property in Krishna Nagar situated at Shastri Nagar, ASR, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar in June 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kiran Ahuja d/o Shri Amar Singh Grover w/o S. Gurmit Singh Ahuja, Air India Post Africa through Smt. Surjit Kaur Grover wd/o S. Amar Singh Grover 1/o 9-Daya Nand Nagar, Lawrence Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Anup Mehra s/o Shri Ram Parkash Mehra r/o Amritsar, 40-Daya Nand Nagar Gali No. 2, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in one house (area 500 sq. yds.) situated in Krishna Nagar (Shastri Nagar) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 8327/dated 29-6-1981 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Amritsar

Date : 15-1-1982
 Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1982

Ref. No. ASR 81-82/347.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No One property in Krishna Nagar situated at Shastri Nagar, ASR, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Kusam Bhatia d/o S. Amar Singh w/o S. Rajinder Pal Singh Bhatia r/o B-28 First Floor Rajouri Garden New Delhi now Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Anil Mehra s/o Ram Parkash Mehra r/o 40-Daya Nand Nagar, Lawrence Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at yr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd share in house (area 500 sq. yds.) situated in Krishna Nagar (Shastri Nagar) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 8324, dated 29-6-1981 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-1-1982
Seal :

FORM IT.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 28th January 1982

Ref No ASR/81 82/348 —Whereas I ANAND SINGH IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agt land Gujran Lahri situated at Teh Pathankot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Pathankot one June 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Devi Dayal s/o Shri Wadhawa Ram r/o village Gujran Lahri Teh Pathankot (Transferor)
- (2) Shri Sadhu Singh s/o Jhanda Singh r/o Lahri Gujran, Teh Pathankot (Transferee)
- (3) As at sl No 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agt land measuring 32k 5 marlas situated in village Lahri Gujran Pathankot as mentioned in the sale deed No 707/ dated 1-6-81 of the registering authority Pathankot

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date 28-1-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shmt. Indra Devi w/o Shri Devi Dayal r/o Lahri Gujran, Teh. Pathankot.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD.
AMRITSAR

Amritsar, the 28th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/349.—Whereas, I ANAND SINGH I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land in Lahri Gujran situated at Teh. Pathankot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot on June 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Shri Lakhmir Singh, Amrit Singh, Surjit Singh Pritam Singh s/o Sadhu Singh r/o Lahri Gujran, Teh. Pathankot.
(Transferee)
- (3) As at sl. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agrl. land situated in village Lahri Gujran, Teh. Pathankot, as mentioned in the sale deed No. 789/dated 5-6-81 of the registering authority Pathankot.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-1-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 25th January 1982

Ref No ASR/81 82/350 —Whereas, I ANAND SINGH IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 1 and in Pathankot situated at Pathankot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot on June 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (1) Shri Amal Singh s/o Choksh r/o Sial Road Anandpur, Pathankot (Transferor)
- (2) Shri Gurdev Sharma s/o Shri Dharam Dev 1/o Jodha Mal Colony, Pathankot (Transferee)
- (3) As at sr No 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 26 marlas situated in Anandpur, Pathankot as mentioned in the sale deed No 944 dated 16-6-81 of the registering authority, Pathankot

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date 25-1-1982
Seal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/351.—Whereas, I ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house at Rattan Chand Road ASR situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sham Sunder Shikarpuria s/o Shri Jawahar Lal r/o 46-Rai Bahadur Rattan Chand Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Ram Chand Khanna s/o Shri Amal Nath Khanna, Shmt. Sudha Khanna w/o Shri Ram Chand Khanna r/o 46 Rai Bahadur Rattan Chand Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at st. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One kothi khasra No. 3192/1032 min situated on Rai Bahadur Rattan Chand Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 7080/dated 17-6-1981 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 30-1-1982
Seal .

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE
 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
 AMRITSAR**

Amritsar, the 30th January 1982,

Ref No. ASR 81-82/352.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No One house at Queens Road, situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Mohinder Kaur w/o late Sh. Karam Singh & Satish Inde Singh s/o Charan Singh & Smt. Rojlin Amrit Kaur wd/o Charan Singh r/o 3-Queens Road, Amritsar.

(Transferee)
 (2) S. Kuldeep Singh s/o Balwant Singh r/o 3-Queens Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at st. No. 2 and tenant(s) if any.
 Shri Bharadwaj 70/- p.m., Friends Dhaba @ 100/- p.m., M/s. Rayon & Silk office Rs. 250/- p.m., Sh. Kuldeep Singh Nalwa Rs. 200/- p.m.
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house khasra No. 1177 min & Private No. 2, 3 & 4 situated on Queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 6806 dated 12-6-1981 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-1-1982
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 25th January 1982

Ref. No ASR/81-82/353.—Whereas, I ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No One plot at Tung Pai, Amritsar situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Inder Singh s/o Surat Singh r/o Village Tung pain, Amritsar.
(Transferor)
- (2) M/s Krishna Prints, Dharam Singh Market, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at sr No 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land kh. No. 1929/256 situated at Tung Pain, Batala Road, (near Power Station) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 5913/ dated 5-6-1981 of the registering authority, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

37—486GI/81

ANAND SINGH, I.R.S
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 25-1-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR**

Amritsar, the 28th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/354.—Whereas, I ANAND SINGH I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One shed & vacant plot in Gokal Ka Bagh, situated at Amritsar, (and more full, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Jagwinder Singh Dhillon S/o Pritam Singh, Saideep Singh s/o Jagwinder Singh r/o 7-Lawrance Road, Kishan Nagar, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Sarjiwan Lal Khanna & Vilas Kumar Khanna ss/o Shri Ram Dass, Kucha Vikram, Ktr. Moti Ram, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in shed & plot No. 56 situated in Gokal Ka Bagh off East Mohan Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 8157 dated 29-6-1981 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-1-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 28th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/355.—Whereas, I ANAND SINGH IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One shed & vacant plot in Gokal Ka Bagh, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jagwinder Singh s/o Pritam Singh & Sujinder Singh s/o Jagwinder Singh r/o 7, Lawrence Road, Kishan Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sarjwan Lal Khanna s/o Ram Dass r/o Katra Moti Ram, Kucha Bikram, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in shed & plot No. 56 situated in Gokal Ka Bagh Off East Mohan Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 8158/dated 29-6-1981 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 28-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/356.—Whereas, I ANAND SINGH I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Industrial Estate in Vill. Kale situated at Ghanupur, Chhehrita, ASR, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Moti Sagar s/o Shri Madan Chand r/o Queens Road, Amritsar through Shri Rajinder Kumar s/o Madoo Ram Attorney. (Transferor)

(2) M/s Crown Woollen Mills, Batala Road, Amritsar, through Shri Sat Pal. (Transferee)

(3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the 'Official Gazette' or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the 'Official Gazette'.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

5/8 share of shed (building) khasra No. 184/203 situated at Chhehrita, Ghanupur Kale, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 8041/dated 26-6-1981 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-1-1982
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD.
AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/357.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Industrial Estate in Vill. Kale to Ganupur situated at Chhehrta, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Moti Sagal s/o Madan Chand r/o Queens Road, Amritsar through Shri Rajinder Kumar, attorney.

(Transferor)

(2) M/s Crown Woollen Mills, Batala Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/8the shurre & shed building khasia No. 184/203 situated Chhehrta, Ganupur Kale, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 7517/dated 23-6-1981 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1982

Ref No: ASR/81 82/358 —Whereas, I, ANAND SINGH IRS,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Industrial Estate in Vill Kale Ghanupur Chhehtra Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Shiv Kumar Kapur HUF through Shri Shiv Kumar Kapur s/o Shri Satya Pal r/o Circular Road, Amritsar (Transferor)
- (2) M/s Crown Woollen Mills, Batala Road, Amritsar (Transferee)
- (3) As at sit No 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

3/32 share in shed/building khasra No 184/203 situated in Chhehtra, Ghanupuri Kale, Amritsar as mentioned in the sale deed No 6180 dated 9-6-81 of the registering authority, Amritsar

THE SCHEDULE

ANAND SINGH, I R S
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date : 30.1.1982
 Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/359.—Whereas, I, ANAND SINGH I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Industrial Estate in Vill. Kale situated at Ghanupur, Chhehrtta, ASR,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR ASR on June 1981,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kamal Kishore Kapur HUF Circular Road, Amritsar through Shri Satya Pal Kapur, attorney. (Transferor)
- (2) M/s Crown Woollen mills, Batala Road, Amritsar through Shri Subash Chander (Transferee)
- (3) As at sr No 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

THE SCHEDULE

3/32 share of shed/building khana No. 184/203 situated at Chhehrtta, Ghanupur Kale, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 6179 dated 9-6-1981 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-1-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri Moti Sagar Kapur s/o Madan Chand r/o Queens Road, Amritsar
(Transferor)
- (2) M/s Crown Woollen Mills Batala Road, Amritsar
(Transferee)
- (3) As at st No 2 and ten nt(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3 CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1982

Ref No ASR 81-82/360—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Industrial Estate in Vill Kale Ghanupur Chhehra, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in shed/building khasta No 184/203 situated at Chhehra, Ghanupur Kale, Amritsar as mentioned in the sale deed No 6435 dated 11-6-81 of the registering authority, Amritsar

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date 30-1-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1982

Ref No. ASR/81-82 361.—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Industrial Estate in Vill. Kale Ghanupur Chhehrta, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar in June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of, the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—
38---486GI/81

(1) Shri Moti Sagar HUF r/o Queens Road, Amritsar through Shri Rajinder Kumar s/o Shri Madho Ram, Queens Road, Amritsar.
(Transferor)

(2) M/s Crown Woollen Mills, Batala Road, Amritsar through Shri Shayam Sunder.
(Transferee)

(3) As at st. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5/48 share in shed/building khasra No. 184/203 situated at Chhehrta, Ghanupur Kale, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 5525, dated 2-6-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-1-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE****3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,**

Amritsar, the 30th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/362.—Whereas, I ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Industrial Estate in vill. Kale Ghanupur Chhehra, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in Jung 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Moti Sagar HUF through Shri Rajinder Kumar s/o Shri Madho Ram, Queens Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) M/s Crown Woollen Mills, Batala Road, Amritsar, through Shri Panna Lal.
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/6th share in shed/building khasra No. 184/203 situated at Chhehra, Ghanupur Kale, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 7084, dated 17-6-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-1-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,

Amritsar, the 30th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/363.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Industrial Estate in Village Kale Ghanupur Chhehrta, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1981,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Shiv Kumar Kapur s/o Shri Satya Pal r/o Circular Road, Amritsar, HUF Karta Shiv Kumar Kapur.
(Transferor)
- (2) M/s Crown Woollen Mills, Batala Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

3/32 share in shed/building khasra No. 184/203 situated at Chhehrta, Ghanupur Kale, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 7142, dated 18-6-81 of the registering authority, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-1-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD

Amritsar, the 30th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/364.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Industrial Estate in vill. Ghanpur Chhehrtta, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Moti Sagar HUF, r/o Circular Road, Amritsar through Shri Rajinder Kumar s/o Madho Ram.
(Transferor)
- (2) M/s Crown Woollen Mills, Batala Road, Amritsar.
(Transferee)
- (2) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

7/24th share in shed/building khasra No. 184/203 situated at Chhehrtta, Ghanpur Kale, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 7289, dated 19-6-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-1-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR
ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/365.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Industrial Estate in village Kale Ghanupur situated at Chhrita, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Kamal Kishore Kapur HUF through Sh. Satya Pal S/o Shri Gokal Chand R/o Circulai Road, Amritsar
(Transferor)
- (2) M/s. Crown Woollen Mills, Badali Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at st. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and so

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

3/32 share in shed building Khasta No. 184/203 situated at Chhrita, Ghanupur Kale, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 7141/dated 18-6-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 30-1-82
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sh. Moti Sagar S/o Madan Chand R/o Queens Road, Amritsar through Sh. Rajinder Kumar, attorney.

(Transferor)

(2) M/s. Crown Woollen Mills, Batala Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

"(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR
ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/366.—Whereas, I,

ANAND SINGH I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Industrial Estate in village Kale situated at Ghanupur, Chhehrta, Amritsar,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in shed/building khasra No. 184/203 situated in Chhehrta, Ghanupur Kale, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 7140/ dated 18-6-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated . 30-1-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1982

Ref. No. SR/81-82/367.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Industrial Estate in Vill. Kala Ke situated at Ghanupur, Chhehra, ASR (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Moti Sagar HUF through Sh. Moti Sagar Kapur S/o Sh. Madan Chand Kapur R/o Queens Road, Amritsar Karta HUF through Sh. Rajinder Kumar Vij, S/o Sh. Madho Ram R/o Green Avenue, Mukhtiar Ram self through attorney. (Transferor)
- (2) M/s. Crown Woollen Mills, Matala Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sl. No. 2 and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

1/16 share in shed/building khasra No. 184/203 situated in Chhehra Ghanupur Kale, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 7290/I, dated 19-6-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 30-1-82
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Rajinderpaul Kaur W/o Sh. Dattar Singh R/o
3D Model Town Karnal (Haryana).

(Transferor)

(2) Smt. (Dr) Parkash Kaur W/o Sh. Upkar Singh R/o
H. No. 289 G.T. Road, Amritsar Oppst. City Light
Cinema.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR
ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/368.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One House G. T. Road, situated at Oppst. City Light Cinema ASR,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One kothi No. 289 situated on G.T. Road, Amritsar oppst. City Light Cinema Amritsar as mentioned in the sale deed No. 6373/dated 11-6-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 15-1-82
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Ram Lubhaya S/o Amar Nath,
Dera Baba Nanak

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR
ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/369.—Whereas, I,
ANAND SINGH I.R.S.,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

No. House at Batala, situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
SR Batala on June 81
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(2) Sh. Sulakhan Singh S/o Dial Singh, Mohalla Simbal,
Kahnuwan Road, Batala.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One house at Simbal, Kahnuwan Road, Batala, as men-
tioned in the sale deed No. 2041 dated 8-6-81 of the regis-
tering authority Batala.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-
lowing persons, namely :—
39—486GI/81

Dated : 28-1-82
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Ram Lubhaya S/o Amar Nath, Dera Baba Nanak.
(Transferor)

(2) Sh. Dharam Singh S/o Djal Singh, Mohalla Simbal,
Kahnwan Road, Batala.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/370.—Whereas, I.

ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

No. House at Batala, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at SR Batala on June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

One house at Simbal, Kahnwan Road, Batala as mentioned in the sale deed No. 2042/dated 8-6-81 of the registering authority Batala.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-1-82
Seal :

FORM ITNB**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR
ROAD AMRITSAR

- (1) The Textile Manufactures Association Amritsar through Chiman Lal S/o Faqir Chand R/o Bagh Rama Nand Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt Sushila Gupta W/o Sh Lekh Raj, Kamal Gupta S/o Sh Lekh Raj R/o Maqbul Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr No. 2 and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 30th January 1982

Ref. No. ASR 81 82 371 —Whereas, I,
ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No One house on Maqbul Road, situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One built up house on Maqbul Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No 8673/ dated 30-6-81 of the registering authority Amritsar

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated 30-1-1982
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR**

Amritsar, the 25th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/372 —Whereas, I, ANAND SINGH I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot in White Avenue situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Suhag Wati W/o Sh. Sarup Lal R/o Gandhi Nagar, Pathankot.
(Transferor)

(2) S/Shri Jia Lal Sukesh Kumar S/o Brij Lal R/o Khooh Bombaywala, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Maqbul Road, Amritsar, (White Avenue/State Bank Colony) as mentioned in the sale deed No. 7500/- dated 23-6-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 25-1-82
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Amar Singh S/o Chowkash R/o Saili Road,
Pathankot
(Transferor)

(2) Sh. Ram Ashra S/o Sh. Laxman Dass, R/o
Dhanu Road, Pathankot.
(Transferee)

*(3) As at Sr. No 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR
ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 25th January 1982

Ref. No. ASR/1-2/373.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at Pathankot situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Officer at SR Pathankot on June 81

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Land measuring 1 K 17 M situated in village Anandpur,
Pathankot as mentioned in the sale deed No. 976/dated
19-6-81 of the registering authority, Pathankot,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

ANAND SINGH, I.R.S
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 25-1-82
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE 3 CHANDER PURI, TAYI OR
ROAD, AMRITSAR**

Amritsar, the 25th January 1982

Ref No ASR/81-82/374—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 1 land in Pathankot situated at Vill Anandpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sh Amar Singh S/o Chokash R/o Sial Road, Pathankot.
(Transferor)

(2) Sh Satinder Mahajan S/o Shri Gian Chand R/o Dhangi Road, Pathankot
(Transferee)

*(3) As at Sr No 2 and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Ag1 land 1K 9M 118 Saisai situated in village Anandpur KMM Road, Pathankot as mentioned in the sale deed No 945 dated 16/6/81 of the registering authority Pathankot

(b) facilitates the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated 25-1-82
Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR
ROAD, AMRITSAR**

Amritsar, the 25th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/375—Whereas I, ANAND SINGH, I.R.S., being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

No. Land at Pathankot situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot in June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Amar Singh S/o Chokash R/o Siali Road, Pathankot. (Transferor)
- (2) Sh. Kuldip Chand S/o Sh. Gian Chand R/o Dhangi Road, Pathankot. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHFDULE

Aq. land measuring 1 K 17 Marlas situated in Anandpur KMM Road, Pathankot as mentioned in the sale deed No. 1082 dated 29-6-1981 of the registering authority Pathankot

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 25-1-82
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sh. Amar Singh S/o Shri Chowkash R/o Siali Road, Pathankot.
(Transferor)
- (2) Sh. Charanji Lal S/o Sh. Laxman Dass R/o Dhangi Road, Pathankot
(Transferee)
- (3) As at Sr No 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR**

Amritsar, the 25th January 1982

Ref. No. ASR/81-82/376.—Whereas, I,

ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land at Pathankot situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot in June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 1K 17M situated in Anandpur KMM Road, Pathankot as mentioned in the sale deed No. 1008 dated 23-6-81 of the registering authority Pathankot.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 25-1-82
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 25th January 1982

R.C. No. ASR/81-82/377 Whereas I,

ANAND SINGH, I.R.S.,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land at Pathankot situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Pathankot on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Anup Singh S/o Shri Tejmit Raja R/o Milpati, Ich Pathankot (Transferor)
- (2) Sh. Ram Parkash S/o Lachhman Dass R/o Dhanu Road, Pathankot (Transferee)
- (3) As at St. No. 2 above and tenant(s) if any, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (i) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (77 of 1957);

Agri. land measuring 1K 17M situated in Anandpur KMM Road, Pathankot, as mentioned in the sale deed No. 983 dated 23-6-81 of the registering authority Pathankot.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

40—486GT/81

Dated : 25-1-82
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sh Amrit Singh &/o Chokash
R/o Sial Road, Pathankot.
(Transferor)
- (2) Sh Pankaj Mahajan Niraj Mahajan
S/o Kuldip Chand, R/o Dhangu Road, Pathankot.
(Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR
ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 25th January 1982

Ref No. ASR/81-82/378—Whereas, I,
ANAND SINGH, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Land at Pathankot situated at
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at SR Pathankot in June, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agit land measuring 1k. 14M situated in Anandpur, KMM
Road, Pathankot as mentioned in the sale deed No 1051/
dated 25-6-81 of the registering authority Pathankot

ANAND SINGH, I.R.S
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Dated : 25-1-82
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 1st February 1982

Ref. No. ASR/81-82/379.—Whereas, I,

ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot in Mohindra Colony situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Gurbachan Singh S/o Kaur Singh R/o Model Town Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Lughbir Kaur W/o Sh. Sawaran Singh S/o Wadhawa Singh R/o Skylark Hotel, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. 2 above and tenants(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot No. 220 of land measuring 275 sq. mtrs. situated in Mohindra Colony/Rani Ka Bagh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 7220/ dated 19-6-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 1-2-82
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar the 30th January 1982

Ref. No. ASR/81-82 380.—Whereas, I,

ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land in Sri Har Gobind Pur situated at Teh. Batala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Batala in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) Smt. Kuttar Kaur D/o Hari Singh R/o Village Salohpur Kalan near Kahnwan Teh. Gurdaspur. (Transferor)
- (2) Sh. Jarnail Singh Sawan Singh Gurnam Singh S/o Sh. Inder Singh R/o Mohalla Santokhpura Sirhind-gobindpur, Teh. Batala. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 15K 8 marlas situated at Sri Hargobindpur as mentioned in the sale deed No. 3327 dated July 81 of the registering authority Batala.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated : 30-1-82
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, S CHANDER PURI,
TAYOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar the 1st February 1982

Ref. No. ASR/81-82/381, Whereas, I,

ANAND SINGH, I.R.S.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Industrial complex at Verka situated at (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in Office of the Registering Officer at Delhi SR Amritsar in June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Mohan Lal Arora S/o Sh. Radha Kishan R/o Radha Swami Road, off Malvya Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) M/s. Pandeep Kumar and Brothers, Opposite Milk Plant, Verka, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

One shed (area 5539 sq. yds) situated at By-Pass Verka, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 8336 dated 29-6-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 1-2-82
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property or the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3 CHANDER PURI,
TALOK ROAD, AMRITSAR

Amritsar the 1st February 1982

Ref No ASR/81 82 382 —Whereas I
ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Agri land in village Athwal situated at Sub Teh Kalanau

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Kalanaur on June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(1) Smt Mohinder Kaur Wd/o Jaswant Singh Jaipal Singh son and Smt Bikamji Kaur Jatinder Pal Kaur D/o S Jaswant Singh S/o S Bur Singh R/o Pathankot now Athwal Sub Teh Kalanau Distt Gurdaspur

(Transferor)

(2) Sh S Pratpal Singh Gurpal Singh and Manvir Singh S/o S Kulwant Singh R/o Village Athwal, Teh Kalanau Distt Gurdaspur

(Transferee)

(3) As at Sl No 2 and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri land measuring 36k 19M situated in village Athwal Teh Kalanau, Distt Gurdaspur as mentioned in the sale deed No 336/ dated 9/6/81 of the registering authority Kalanaur.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Dated 12/2/82
Seal

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

FORM ITN S—

(1) Sh. Krishan Gopal Sapru & Sh. Partab Chand
R/o Katia Hui Singh Amritsar
(Transferor)

(2) Sh. Kupil Singh & Sh. Lubh Singh Kashmu
Singh & Sh. Ajjan Singh R/o Panjwali Teh
Taran Taran Baldev Singh & Sh. Balwant Singh R/o
Sarai Tilwandi Teh Taran Taran Distt Amritsar
(Transferee)

(3) As at St. No. 2 and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer.
and/or

(i) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

One built up complex in Sarai Santram outside Hall Gate
Amritsar as mentioned in the sale deed No 8317 dated
20/6/81 of the registered authority Amritsar

ANAND SINGH, I.R.S
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Dated 22-82
Seal

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely -

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 2(9D)(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar the 2nd February 1982

Ref. No. ASR/81-82/384. Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Built up complex in Sarai Sant Ram situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Krishan Gopal S/o Sh. Nath Chand R/o Katra Iku Singh Amritsar. (Transferor)

(2) Sh. Huppal Singh S/o Lebh Singh, Harbans Singh S/o Ajim Singh R/o Panjwali Teh. Taran Taran, Maji Singh S/o Polwant Singh R/o Sarai Talwandi Teh. Amritsar. (Transferee)

(3) As at St. No. 2 and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)

(4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One built up complex in Sarai Sant Ram, outside Hall Gate, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 8321/ dated 29-6-81 of the registering authority Amritsar

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 2-2-82
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar the 4th February 1982

Ref. No. ASR/81-82/385.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Gurdaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Gurdaspur on June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) Sh. Ravinder Nath S/o Sh. Narinder Nath R/o Gurdaspur.
(Transferor)
- (2) Sh. Mehar Singh S/o Jagat Singh R/o Village Piran Bagh PO Hayat Nagar, Distt. Gurdaspur.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 1K 16M situated in Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 1752 dated 3-6-81 of the registering authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 4-2-82
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 3 CHANDER PURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR
Amritsar the 4th February 1982

Re: No ASR/81-82/386—Whereas, I, ANAND SINGH IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. No 1 and situated in Teh Gurdaspur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Gurdaspur on June 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh Gurdip Singh Hardip Singh S/o Ajit Singh R/o Village Jaipur and Sh Devi Singh S/o Sunder Singh R/o village Nabi Puri Teh and Distt Gurdaspur. (Transferor)
- (2) Capt Haumit Singh S/o Jaswant Singh R/o Gurdaspur. (Transferee)
- (3) As at Sl No 2 and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land situated in village Jaipur (96 kanals) as mentioned in the sale deed No 2882 dated 24-6-81 of the registering authority Gurdaspur

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated . 4-2-82
Seal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA.

Patna-800 001, the 15th January 1982

Ref. No. III-539/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31 Khata No. 31, Khesra No. 26 Part Old, Khata No. 13, Khesra No. 731 K, 371 Kh new and 732 Part situated at Mohalla Musaichak alias Chamrupur Town Muzaffarpur Dist. Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 10-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Anuragwati Devi W/o Sri Jagernath Prasad Gupta Mohalla Musa chak alias Chamrupur P. S. Kazi Mohammadpur Dist. Muzaffarpur.
(Transferor)

(2) Shri Radha Krishna Singh S/o Late Hirdya Narain Singh Village Chapra Govind alias Govindpur Chapra at present Mohalla Ganipur under town Muzaffarpur Thana Mohammadpur Dist. Muzaffarpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Khatas 9 Dhurs with house situated at Mohalla Musaichak alias Chamrupur town Muzaffarpur Thana Kazi Mohammadpur Dist. Muzaffarpur more fully in deed No. 8962 dated 10-6-81 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 15-1-82
Seal :

